नई दिल्ली
रविवार 29 मार्च 2026
चैत्र मास शुक्ल पक्ष,
एकादशी वर्ष : 29, अंक : 344
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 33
न्यून. 22

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

11 रिंग में जोश के साथ होश भी जरूरी वरना खतरे में पड़ सकता है करियर

राजनाथ की अध्यक्षता में हुई अंतर-मंत्रालयी समूह की पहली बैठक

इस संघर्ष के किसी भी प्रभाव से आमजन को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है मोदी सरकार

यह जानकारी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर दी है

- पश्चिम-एशिया के हालात की समीक्षा करने के साथ ही संकट के भारत पर पड़ने वाले प्रभावों पर ध्यान केंद्रित किया गया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध की वजह से उत्पन्न हुए वैश्विक संकट के मध्य शनिवार को राजधानी के कर्तव्य भवन-2 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सरकार द्वारा गठित किए गए अंतर-मंत्रालयी समूह की पहली बैठक हुई। जिसमें पश्चिम-एशिया के मौजूदा हालात की व्यापक आधार पर समीक्षा करने के साथ ही इसके देश के लगभग सभी क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभावों के मामले पर चर्चा की गई है। रक्षा

मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि इस बैठक में समूह ने मौजूदा घटनाक्रम के मद्देनजर सतर्कता के साथ जवाबी कदम उठाने की केंद्र से सिफारिश की है। वहीं, उक्त हालात के दौरान केंद्र के राज्यों और जिला प्रशासन के साथ निकट समन्वय के महत्व को भी मजबूती के साथ दोहराया है। रक्षा मंत्री ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि तनाव के दौर में मध्यम और दीर्घावधि तैयारी वाली सोच को अपनाए जाने और तेजी से निर्णय लेने की आवश्यकता है। लगातार उभरती हुई परिस्थिति पर कड़ी नजर बनाए रखने और आगे की सोच के साथ समन्वित प्रयासों, निरंतर सतर्कता बनाए पर ध्यान केंद्रित करने पर भी समूह ने बैठक में जोर दिया। 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए राजनाथ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार इस संघर्ष के किसी भी प्रभाव से भारत के लोगों को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है'। यहां बता दें कि भविष्य में भी इस समूह ▶▶शेष पेज 5 पर

पीएम के मुख्यमंत्रियों से संवाद के बाद हुई बैठक

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बीते शुक्रवार को संघर्ष के बीच बनी हुई स्थिति की व्यापक आधार पर समीक्षा को लेकर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से किए गए वर्चुअल संवाद के बाद यह बैठक आयोजित की गई है। प्रधानमंत्री ने भी राज्यों के प्रमुखों से यह अपील की थी वो इस मौजूदा परिस्थिति के बीच टीम इंडिया की तर्ज पर सतर्कता, तैयारी और केंद्र-राज्यों के बीच संयुक्त निर्णयों के समन्वित कार्रवाई के आधार पर क्रियान्वयन करने पर जोर दिया। साथ ही ये भी कहा कि क्योंकि हालात लगातार परिवर्तित होने वाले हैं। इसलिए हमें निरंतर निगरानी और उसके साथ-साथ अनुकूल परिस्थितियों के निर्माण जैसे मुद्दे पर भी ध्यान केंद्रित करना पड़ेगा। राज्यों को पीएम ने बैठक में यह भी स्पष्ट किया कि सरकार की प्राथमिकता देश के आम लोग, उनकी ऊर्जा-खाद्य व आर्थिक सुरक्षा को हर हाल में बनाए रखना है। इसके अलावा उक्त क्षेत्र में रह रहे भारत के नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण भी केंद्र के एजेंडे में शीर्ष प्राथमिकता के रूप में शामिल है।

पीएम मोदी ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण किया

यूपी अब सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला राज्य बना, हर 2 मिनट में उड़ेंगे विमान

दिल्ली-एनसीआर वालों के लिए शनिवार बेहद खास रहा, क्योंकि उन्हें जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सौगात मिल गई है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने इस एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन कर दिया है। ये हवाई अड्डा चार चरणों में पूरा होगा और इसे पूरा होने में लगभग 2050 तक का समय लग सकता है।

एजेंसी ▶▶ नोएडा

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण किया। इस एयरपोर्ट की नींव 25 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री ने ही रखी थी। लोकार्पण के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि युवाओं को पता है कि यह जो काम हो रहा है, यह नौजवानों के भविष्य को नई उड़ान देने वाला काम है। आज हम विकसित यूपी, विकसित भारत अभियान का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि देश का सबसे बड़ा प्रदेश आज सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट(5) वाले राज्यों में से एक है। आज मेरे लिए गर्व और प्रसन्नता के दो कारण हैं। जिसमें पहला, इस एयरपोर्ट का शिलान्यास करने का सौभाग्य ▶▶शेष पेज 5 पर

मैंने ही किया था शिलान्यास और अब यह सौभाग्य भी मुझे मिला

रिमोट से एयरपोर्ट का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री मोदी

संकट के समय में भी भारत ने तेज विकास निरंतर जारी रखा

पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध चल रहा है। युद्ध की वजह से कई देशों में खाने-पीने का सामान, पेट्रोल, डीजल, गैस, खाद जैसी कई जरूरी चीजों का चारों तरफ संकट पैदा हो गया है। हर देश इस संकट का सामना करने की कोशिश कर रहा है, और हमारा भारत भी पूरी शक्ति से इसका मुकाबला कर रहा है। देशवासियों की ताकत के भरोसे कर रहा है। भारत बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस युद्ध-प्रभावित क्षेत्रों से मंगाता है। इसलिए सरकार हर वह कदम उठा रही है, जिससे सामान्य परिवारों और हमारे किसान भाई-बहनों पर बोझ न पड़े। संकट के इस समय में भी भारत ने अपने तेज विकास को निरंतर जारी रखा है।

सपा और कांग्रेस पर बोला हमला 10 वर्ष फाइलों में दबा रहा अड्डा

पीएम मोदी ने कांग्रेस और सपा पर हमला बोलते हुए कहा, 2004 से 2014 तक, यह हवाई अड्डा फाइलों में दबा रहा। फिर सपा सरकार ने काम को आगे नहीं बढ़ने दिया। आज यह आपके सामने हैं। लेकिन जैसे ही यहां भाजपा सरकार बनी, नींव रखी गई और अब हवाई अड्डा चालू है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच लोगों से की अपील

पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया संकट को लेकर कहा, 140 करोड़ देशवासी कड़े से कड़ा परिश्रम करें और वैश्विक संकट का एकजुट होकर सामना करें। हमें शांत मन से, धैर्य और एकजुटता के साथ मिल-जुलकर इस संकट का सामना करना है। यह पूरे विश्व में परेशानी पैदा करने वाला संकट है, हमें अपने देश की सबसे ज्यादा चिंता करनी है, और यही हम भारतीयों की सबसे बड़ी ताकत है।

सेमीकंडक्टर फैक्टरी भारत को तकनीकी में आगे बढ़ा रही

पीएम मोदी ने कहा कि सेमीकंडक्टर फैक्टरी भारत को तकनीकी में आगे बढ़ा रही है। मेरठ मेट्रो और नमो भारत रेल तेज और स्मार्ट कनेक्टिविटी दे रही है और यह हमारा जेवर एयरपोर्ट, पूरे उत्तर भारत को दुनिया से जोड़ रहा है। यह सभी प्रोजेक्ट पूरा होना डबल इंजन की सरकार का शानदार उदाहरण है। पीएम ने आगे कहा, आपने वीडियो में देखा होगा, यह ऐसा एयरपोर्ट बन रहा है, जिससे हर दो मिनट में एक जहाज उड़ेगा।

पीएम के रूप में कार्यभार संभालने के लिए बाद भारत-नेपाल संबंधों को आगे बढ़ाने के पक्ष में शाह

प्रधानमंत्री के बधाई संदेश से गदगद बालेंद्र शाह, भारत संग काम करने की जताई उत्सुकता

- पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की हुई गिरफ्तारी, नेपाल में तनाव
- सऊदी-अरब के प्रधानमंत्री से हुई पीएम मोदी की बातचीत, केंद्र में रहा पश्चिम-एशिया संघर्ष का मुद्दा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने अपने शपथ ग्रहण के ठीक अगले दिन यानी शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उनके बधाई संदेश के लिए धन्यवाद दिया है। जिसमें उन्होंने खासतौर पर भारत और नेपाल के बहुआयामी संबंधों को और अधिक आगे बढ़ाने के लिए साथ ▶▶शेष पेज 5 पर

पीएम मोदी का बधाई संदेश

प्रधानमंत्री मोदी ने 27 मार्च को अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर बालेंद्र शाह को हार्दिक बधाई दी थी। साथ ही उन्होंने कहा था कि आपका कार्यभार संभालना नेपाल की जनता द्वारा आपके नेतृत्व में भरोसे को जताता है। मुझे विश्वास है कि हम मिलकर भारत-नेपाल की मित्रता और सहयोग को एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। जो दोनों देशों के लोगों के पारस्परिक हित में है।

धार भोजशाला में मंदिर या मस्जिद?

हाई कोर्ट के जजों ने खुद किया परिसर का मुआयना

2 अप्रैल को अगली सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धार

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के दो जजों ने शनिवार को धार जिले में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला मंदिर, कमाल मौला मस्जिद परिसर का मुआयना किया।

मामले की अगली सुनवाई की तारीख 2 अप्रैल है। मामले की सुनवाई कर रहे जजों ने बीते सोमवार को सुनवाई के दौरान कहा था कि वे खुद परिसर का मुआयना करेंगे। सुरक्षा के मद्देनजर परिसर सहित आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल और अधिकारियों की तैनाती की गई है। नौगांव स्थित किले के

निरीक्षण के लिए पहुंचे अधिकारी

संग्रहालय पर भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। हाई कोर्ट की इंदौर बेंच के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी दोपहर करीब 1:50 बजे परिसर पहुंचे और 2:45 बजे वहां से चले गए। उनके साथ कलेक्टर प्रियांक मिश्रा और पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी भी थे। कड़ी सुरक्षा के बीच जजों ने इस दौरान स्ट्रक्चर को बारीकी से देखा जो इस दौरान जजों ने वास्तुकला और इतिहास ▶▶शेष पेज 5 पर

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, हरदीप पुरी और प्रल्हाद जोशी ने सम्मेलन में रखे विचार

शहरी क्षेत्रों में आवश्यक सेवाओं के रखरखाव और पीएनजी सेवाओं के विस्तार पर गोलमेज सम्मेलन आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

शहरी क्षेत्रों में 'पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) सेवाओं का विस्तार और आवश्यक सेवाओं का रखरखाव' विषय पर शनिवार को विज्ञान भवन में एक गोलमेज समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस गोलमेज सम्मेलन के दौरान 50 लाख नए पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने के लक्ष्य पर भी प्रकाश डाला गया। समीक्षा बैठक में प्रमुख हितधारकों को शहरी भारत में पीएनजी नेटवर्क के विस्तार में तेजी लाने और आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विचार-विमर्श करने के ▶▶शेष पेज 5 पर

- *गोलमेज सम्मेलन के दौरान 50 लाख नए पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने के लक्ष्य पर भी प्रकाश डाला गया*

निर्धारित समयसीमा के साथ कार्य योजना बनाएं

सीजीडी संस्थाओं और नगर आयुक्तों के बीच एक अलग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें शहर-के विशिष्ट मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया, प्रमुख बाधाओं और देरी की जाने वाली स्वीकृतियों की पहचान की गई। सहमति बनी कि निर्धारित समयसीमा के साथ एक संरचित कार्य योजना अपनाई जाए, स्थानीय कार्य दल स्थापित किए जाएं और पीएनजी नेटवर्क विस्तार में जवाबदेही और समय पर प्रगति के लिए नियमित निगरानी और समीक्षा तंत्र लागू किए जाएं।

न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा दोनों नेताओं की इस चर्चा में एलन मस्क के शामिल होने के दावे को भारत ने मजबूती से नकारा

मंगलवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी से टेलीफोन पर बातचीत की थी

राष्ट्रपति ट्रंप-पीएम मोदी की बातचीत दोतरफा, तीसरा कोई व्यक्ति नहीं थाः जायसवाल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बीच इसी सप्ताह मंगलवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से टेलीफोन पर बातचीत की थी। जिसमें दोनों के बीच पश्चिम-हालात के हालात पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। लेकिन यह वार्ता पूरी तरह से दोतरफा थी और इसमें किसी अन्य व्यक्ति (एलन मस्क) की कोई मौजूदगी नहीं रही। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने

शनिवार को अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स (एनवाईटी) की उस खबर को लेकर यह खंडन जारी किया है। जिसमें कहा गया था कि 24 मार्च को अमेरिका के राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री के बीच हुई टेलीफोन वार्ता में उद्योगपति एलन मस्क ▶▶शेष पेज 5 पर

पटरी पर लौट रहे ट्रंप-मस्क के संबंध?

न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी खबर में भारत, अमेरिका के दिग्गज नेताओं की चर्चा में एलन मस्क के शामिल होने के अपने दावे में यह भी कहा कि इससे संकेत मिलते हैं कि अमेरिका के राष्ट्रपति और मस्क के बीच संबंधों में आई कटुता अब धीरे-धीरे समाप्त हो रही है। जिससे दोनों के संबंधों में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। 2024 में अमेरिका में हुए राष्ट्रपति चुनाव में एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करते हुए उनकी अमेरिका को फिर से महान बनाने (मागा) के अभियान के पक्ष में एक बड़ा सोशल मीडिया अभियान चलाया था और सार्वजनिक रूप से मतदाताओं से ट्रंप के पक्ष में वोट देने की अपील भी की थी। ट्रंप चुनाव जीते और पिछले साल जनवरी-25 में बतौर राष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने उद्योगपति एलन मस्क को अपनी कैबिनेट में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) का प्रमुख बनाया। जिसके कुछ समय के बाद ही दोनों के बीच काफी मतभेद उभरे और एलन ने अमेरिकी कैबिनेट से बाहर होने की राह पकड़ते हुए अपने तकनीक, प्रौद्योगिकी और स्पेस क्षेत्र से जुड़े लंबे-चौड़े व्यापार पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया।

अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने एक अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य सप्लायर मेरठ से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार, कारतूस और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाला सामान जब्त किया गया। जांच में पता चला कि मुख्य आरोपी पर पहले भी एनआईए द्वारा यूएपीए के कई मामलों में केस दर्ज किया जा चुका है।

डीसीपी पंकज कुमार के अनुसार अवैध हथियारों के प्रसार को रोकने और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्राइम ब्रांच पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में किए जा रहे लगातार प्रयासों के क्रम में हेड कांस्टेबल सिद्धार्थ को मेरठ से दिल्ली में अवैध हथियारों की थोक सप्लाई के संबंध में एक सूचना प्राप्त हुई थी। इस पर कार्रवाई करते हुए हथियार सप्लायर हसीर उर्फ शूटर को बादली रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से छह कारतूस, एक पेन पिस्तौल और दो सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल बरामद हुई थी। लगातार पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि वह मेरठ के रहने वाले परवेज उर्फ फरूं से अवैध हथियार खरीदता था। 26 मार्च को मेरठ में परवेज के घर पर छापा मारा गया। पुलिस की मौजूदगी भांपकर आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्क पुलिस टीम द्वारा थोड़ी दूर तक पीछा करने के बाद उसे पकड़ लिया गया। उसके परिसर की गहन तलाशी के दौरान विशेष रूप से घर की ऊपरी मंजिल से अवैध हथियारों और उन्हें बनाने के उपकरणों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया। इसमें 24 अवैध पेन पिस्टल, 78 मैगजीन, तीन बैरल, तीन पिस्टल स्लाइड, तीन पिस्टल बॉडी, हथियारों के विभिन्न छोटे पुर्जे (स्प्रिंग, फायरिंग पिन, आदि) व निर्माण में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी और औजार, जिसमें एक ड्रिल मशीन भी शामिल थी बरामद की गई।

पेन पिस्टल है नए प्रकार का हथियार

इस ऑपरेशन के दौरान, कुल 25 पेन पिस्टल बरामद की गई, जो देखने में बिल्कुल साधारण पेन जैसी लगती हैं। इन्हें भीड़भाड़ वाली जगहों पर ले जाना आसान होता है और ये आमने-सामने की लड़ाई में जानलेवा साबित हो सकती हैं। आम तलाशी और जांच के दौरान इनका पता लगाना मुश्किल होता है। इनका इस्तेमाल 7.65 एमएम के कारतूस दागने के लिए किया जाता है।

आरोपी परवेज 12 साल पहले भी हुआ था अरेस्ट

लगभग 12 साल पहले मेरठ पुलिस द्वारा अवैध हथियार निर्माण के एक मामले में परवेज को गिरफ्तार किया गया था। 2017 में एनआईए द्वारा यूएपीए के तहत साथी पहार सिंह के साथ गिरफ्तार किया गया था। इन पर 2017 में खालिस्तानी आतंकवादियों (केएलएफ) द्वारा 'टारगेट किलिंग' में प्रमुख नेताओं की हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार सप्लाई करने का आरोप था। यूएपीए के तहत लगभग पांच साल तक जेल में रहा। 2024 में मेरठ पुलिस द्वारा इसी तरह के एक और मामले में इसे फिर से गिरफ्तार किया गया था। इसके खिलाफ अवैध हथियार निर्माण और यूएपीए से जुड़े एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। हासिर 2021 में 50 लाख की चोरी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। वह लगभग 10 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। यूपी के मुजफ्फरनगर में पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने के मामले में भी वह शामिल है। दोनों आरोपियों से आगे की पूछताछ जारी है और अवैध हथियारों की पूरी सप्लाई चेन को खत्म करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पश्चिम विहार में 22 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली। पश्चिम विहार पश्चिम थाना अंतर्गत 22 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक का नाम अमन बताया गया है। पुलिस ने आरोपी रोहित को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के पीछे अवैध संबंधों का कोण सामने आया है। पुलिस के अनुसार निहाल विहार थाने में दो बजकर 27 मिनट पर एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। आवश्यक कार्रवाई के लिए इस कॉल को बाद में पश्चिम विहार पश्चिम थाने को स्थानांतरित कर दिया गया। कॉल सुमित (मृतक का भाई) द्वारा की गई थी। पूछताछ करने पर पता चला कि आरोपी रोहित की मां और अमन (मृतक) के साथ पश्चिम विहार से निहाल विहार की ओर जा रही थी। इसी दौरान रोहित बाइक पर वहां पहुंचा और उसने अमन पर चाकू से वार कर दिया। अब तक की गई पूछताछ के अनुसार इस अपराध के पीछे का मकसद आरोपी की मां और मृतक के बीच चल रहा अवैध संबंध प्रतीत होता है। अमन मदनगीर का रहने वाला था। आरोपी रोहित निहाल विहार का रहने वाला और उसकी उम्र 18 वर्ष है।

शादी समारोह में चाकू से वार कर किशोर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

रानीबाग थाना इलाके में एक शादी समारोह में खाने की व्यवस्था को लेकर हुए विवाद में चाकू से किये गए हमले में 17 वर्षीय एक किशोर की मौत हो गई, जबकि एक अन्य नाबालिग घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात करीब 11.15 बजे सामने आई। पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को पकड़ा है। इनमें चार नाबालिग हैं। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान निखिल यादव के रूप में हुई, जो एक मोटर मैकेनिक था। घायल की पहचान उसके मित्र सनी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों रोहिणी के रहने वाले है। शादी समारोह में खाने-पीने की व्यवस्था को लेकर दो गुटों के बीच कहासुनी हुई, जो बाद में हिंसक हो गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, निखिल और सनी ने झगड़ा सुलझाने के लिए दोनों गुटों के बीच हस्तक्षेप करने की कोशिश की थी, तभी एक अन्य नाबालिग लड़के ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। दोनों लड़कों को गंभीर चोटें आई और उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने निखिल को मृत घोषित कर दिया। सनी को कमर के नीचे चाकू मारा गया था और उसका इलाज किया जा रहा है तथा उसकी हालत स्थिर है। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और सीसीटीवी फुटेज सहित सबूत जुटाए।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	71-SRDEE-G-DLI-2025-26, दिल्ली मंडल (SPR, ROK-RE सेक्शन) के अंतर्गत स्टेशनों, सर्विस भवनों, आवासीय भवनों और LC गेट पर रूफटॉप प्रकार के सोलर प्लांट लगाने तथा उनसे संबंधित अन्य कार्यों के संबंध में विद्युत कार्य।
निविदा की अनुमानित लागत	रु. 65353253.00/-
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशि	रु. 1307100.00/-
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	20.04.2026, 16.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	20.04.2026, 16.00 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in व वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1053/26

निवेश के नाम पर धोखाधड़ी मामले में पांच आरोपी अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने दुबई से जुड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोहों का पर्दाफाश किया है। अवैध लेनदेन के लिए बैंक खाते मुहैया कराने के आरोप में पांच आरोपी पकड़े गये हैं। गत दिनों एक व्यक्ति से 12 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी भी इसी गिरोह द्वारा की गई थी।

पुलिस के अनुसार मामले में श्रीधर दिलीप इंगले (25),अर्चिरियन गोरक्ष कांबले (21), अजीज मिरान शेख(25), प्रणव जलिंदर गुलदागड (24) और विशाल दुर्गादास बाछल (25) को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि एक कथित फर्म ने भारी मुनाफा दिलाने के वादे के साथ शेयर बाजार में निवेश का प्रलोभन देकर उससे 12,22,670 रुपये की ठगी हुई है। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि गिरोह महाराष्ट्र से संचालित हो रहा था। सबसे पहले श्रीरामपुर से इंगले को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद अन्य लोगों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी एक ऐसे गिरोह का हिस्सा थे, जो लोगों से कमीशन पर बैंक खाते लेकर साइबर ठगों को अवैध लेनदेन के लिए देते थे। पुलिस ने बताया कि इंगले ने कबूल किया कि वह दुबई में स्थित एक सहयोगी के संपर्क में था और उसे अवैध लेनदेन के लिए खाते उपलब्ध कराए थे। आरोपियों के खिलाफ एनसीआरपी पोर्टल पर करीब डेढ़ दर्जन शिकायतें दर्ज मिली हैं। इनके द्वारा इस्तेमाल किये गए बैंक खातों में कई राज्यों से करोड़ों रुपये के लेनदेन की जानकारी मिली है।

27 लाख की प्रतिबंधित ई-सिगरेट जब्त, तीन पकड़े

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की एएनटीएफ टीम ने ई-सिगरेट का अवैध कारोबार करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनसे लगभग 27 लाख रुपये मूल्य की 2,073 ई सिगरेट जब्त की गई। पकड़े गये आरोपियों के नाम दक्षिणपुरी निवासी विकास (33), ग्रेटर कैलाश निवासी ऋत्विक बहल (25) और हरियाणा के बल्लभगढ़ का रहने वाला जीशान उर्फ जस्सू (24) बताये गये हैं। पुलिस के अनुसार सीआर पार्क में विकास द्वारा संचालित एक तंबाकू की दुकान से 53 ई-सिगरेट और ग्रेटर कैलाश स्थित बहल के आवास से 20 अन्य ई-सिगरेट बरामद की गई। पूछताछ के दौरान बल्लभगढ़ के एक घर से 2,000 ई-सिगरेट जब्त की गई, जिससे जब्त कुल ई-सिगरेट की संख्या 2,073 गई। ई सिगरेट अधिकांश चीन में निर्मित हैं और 800 से 900 रुपये प्रति नग की दर से खरीदे जा रहे थे। प्रतिबंध के बावजूद विक्रेताओं के एक नेटवर्क के माध्यम से अधिक मुनाफे पर बेची जा रही थी। इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम, 2019 के तहत मामला दर्ज कर पुलिस आगे की जांच कर रही है।

एलजी ने वसंत विहार के स्थानीय नागरिकों से की मुलाकात, कई मुद्दों पर दिया सहयोग का भरोसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शनिवार को वसंत विहार के स्थानीय लोगों से मुलाकात की और अनेक विषयों के साथ ही उनकी स्थानीय समस्याओं को भी गंभीरता से सुना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों से जुड़ना हमेशा ही सीखने का एक बेहद संतोषजनक अनुभव रहा है। चिंता के विषय और उनके संभावित समाधान अक्सर सामाजिक-आर्थिक और भौगोलिक सीमाओं से परे भी प्रासंगिक होते हैं। एलजी ने कहा कि वसंत विहार के निवासियों से बातचीत करके मुझे बहुत खुशी हुई, उनके दृष्टिकोणों से शहरी शासन से जुड़ी चुनौतियों के बारे में मुझे बहुमूल्य अंतर्दृष्टि मिली। मैं दिल्ली भर के नागरिकों के साथ इस तरह की बातचीत जारी रखने और इन चुनौतियों का रचनात्मक ढंग से समाधान करने के लिए मिलकर काम करने को लेकर बेहद उत्सुक हूँ। एलजी ने कहा कि लोगों द्वारा उठाए गए मुददों लेकर जल्द ही यथा संभव कदम उठाए जाएगें। उन्होंने कहा कि लोगों द्वारा कई मुद्दों पर जो बहुमूल्य सुझाव मिले हैं उन पर भी कार्य किया जाएगा। दिल्ली को विकसित दिल्ली बनाने में आम लोगों के सुझाव, सहयोग व रचनात्मक सपने भी दिशा दिखाने का कार्य करते है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **दिलीप दास गुप्ता, पुत्रः** बृज मोहन दास, **पताः** मकान नंबर 516/बी, ए ब्लॉक, संगम विहार, नई दिल्ली ने **FIR No. 713/2021 U/s 33/58 Delhi Excise Act थानाः ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दिलीप दास गुप्ता,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दिलीप दास गुप्ता,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 713/2021 U/s 33/58 Delhi Excise Act थानाः ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **दिलीप दास गुप्ता,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री आकांशा गौतम
जेएमएफसी–02, कमरा नंबर 513
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/4029/SE/2026
(Court Matter)

अर्थ आवर पर संजय वन के कार्यक्रम में लोगों ने लिया हिस्सा, डीडीए उपाध्यक्ष सरवन रहे मौजूद

नई दिल्ली। अर्थ आवर पर शनिवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा संजय वन में आयोजित अर्थ आवर महोत्सव में लोगों ने हिस्सा लिया और प्राकृतिक वातावरण का जमकर आनंद उठाया। डीडीए के अनुसार कार्यक्रम अनप्लग्ड को आयोजन विश्व प्रकृति कोष (डब्लूडब्लूएफ) के सहयोग से किया। इस अवसर पर डीडीए उपाध्यक्ष एन सरवन कुमार सहित अन्य मौजूद थे। इस अवसर पर उपाध्यक्ष सरवन कुमार ने संजय वन की तितलियाँ नामक पुस्तक का अनावरण भी किया। अपने संदेश में उपाध्यक्ष ने कहा कि डीडीए डब्लूडब्लूएफ के साथ मिलकर कई तरह के कार्य कर रहा है। उसके तहत ही आज का यह कार्यक्रम भी था। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद है कि दिल्ली के जंगलों यानी प्राकृतिक वातावरण में संजय वन जैसी जगहों पर रहने वाले जीव जंतु, पक्षी, तितलियां और तमाम तरह के कीट पतंगे आदि के बारे में लोग अच्छी तरह से जानें। लोगों का इनसे करीब से संपर्क हो, पर्यावरण के साथ रहने का अपना अलग ही आनंद होता है। लोगों को नेचर के साथ जुड़ाव होना चाहिए, वह आए और जाने के नेचर आखिर होता क्या है। प्राकृति एक अनमोल धरोहर है, वह हमारे बिना अधूरी है, हम उसके बिना अधूरे हैं। सरवन कुमार ने कहा कि इसलिए डीडीए लंबे समय से इस दिशा में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम चला रहा है।

अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) राम बहादुर** पुत्र शेर बहादुर **(2) अनिल बहादुर** पुत्र खुमान सिंह **(3) प्रेम बहादुर** पुत्र गौरख बहादुर **(4) राजेंद्र बहादुर** पुत्र शेर बहादुर, **सभी निवासी** तिवारी का मकान, ग्राम भोवापुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश तथा **(5) सागर कुमार** पुत्र प्रशांत कुमार निवासी झुग्गी संख्या एन 23, खिलौना बाग, मॉडल टाउन, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 82/2017** धारा **380/457/411/34 भा.दं.सं.थाना मॉडल टाउन, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि **उक्त अभियुक्त** मिल नहीं रहे हैं, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि **उक्त अभियुक्त** फरार हो गए हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)। इनके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा **धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता** की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 82/2017** धारा **380/457/411/34 भा.दं.सं.थाना मॉडल टाउन, दिल्ली** के **उक्त अभियुक्तों (1) राम बहादुर, (2) अनिल बहादुर, (3) प्रेम बहादुर, (4) राजेंदर बहादुर और (5) सागर कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **12.05.2026** को हाजिर हों।

आदेशानुसार: श्री हिमांशु सहलोथ,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-03,
उत्तर, न्यायालय संख्या 213,
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली।

DP/3802/NW/2026

एक्साइज इयूटी कम करने का ट्रांसपोर्टरों ने किया स्वागत

नई दिल्ली। द दिल्ली ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल डीजल पर एक्साइज इयूटी कम करने का स्वागत किया है। संगठन के अध्यक्ष रोहित आहूजा ने कहा है कि विश्व भर में पसरे युद्ध के संकट के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत में पेट्रोल डीजल के दामों को बढ़ने से रोकने के लिए एक्साइज इयूटी कम करने का फैसला स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि जहां एक तरफ अमेरिका इसराइल व ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से विश्व के कई देशों में पेट्रोल डीजल की भारी किल्लत व दाम बेतहाशा बढ़ रहे है। वहीं भारत में मोदी सरकार भारतीय अर्थव्यवस्था का संभाल रही है व लोगों को महंगाई आदि से राहत देने के लिए उचित फैसले ले रही है। सरकार द्वारा पेट्रोल डीजल के दामों को कंट्रोल करके मध्यम वर्गीय परिवारों के अलावा छोटे व मध्यम वर्ग के उद्यमियों, व्यापारियों आदि को राहत देने में लगी है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार हर उस पहलू पर गौर कर रही है जिससे महंगाई को रोककर लोगों को राहत दी जा सके।

हिमांशु भाऊ गिरोह के दो शूटर महाराष्ट्र से दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने कुख्यात हिमांशु भाऊ गिरोह के दो शूटरों को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। रोहतक के हत्या केस में भी आरोपी वांटेड थे। आरोपियों की पहचान लक्ष्य और नीरज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी गिरोह के सरगना हिमांशु भाऊ के कहने पर दिल्ली में की गई गोलीबारी की घटना भी शामिल थे। हिमांशु भाऊ फिलहाल अमेरिका में छिपकर गिरोह का संचालन कर रहा है। एनआईए को भी उसकी तलाश है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपी गिरोह के सक्रिय सदस्य थे और राजधानी में कई जघन्य अपराधों में शामिल रहे हैं। विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। इसके बाद एक अभियान चलाकर महाराष्ट्र से दोनों को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित था, जो उन मामलों की गंभीरता को दर्शाता है जिनमें वे वांछित थे। दोनों आरोपी हरियाणा में दर्ज एक बड़े हत्याकांड में भी कथित तौर पर शामिल रहे हैं। जांचकर्ताओं ने बताया कि दिल्ली में जबरन वसूली से जुड़ी गोलीबारी का मकसद लोगों में दहशत फैलाना और गिरोह का दबदबा कायम करना था। इसके लिए कथित तौर पर हिमांशु भाऊ ने विदेश से निर्देश दिए थे। गिरोह से जुड़े अन्य गुर्गों और आकाओं के व्यापक नेटवर्क का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

यादव ने बीएलए-2 को चुनाव आयोग के बीएलओ से मिलवाकर दिलाया प्रशिक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राजधानी में जल्द होने वाली एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने में तेजी लानी शुरू कर दी है। इसी के तहत शनिवार को यादव ने बीएलए-2 को चुनाव आयोग के बीएलओ से मिलवाकर प्रशिक्षण दिलाया। बादली विधानसभा निर्वाचन कार्यालय द्वारा बादली गांव में यादव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मौजूद बीएलए-2 को चुनाव आयोग के बीएलओ से मिलवाकर प्रशिक्षण दिलाया गया। इस अवसर पर यादव ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस राजधानी में मतदाता सूची में आगामी विशेष गहन संशोधन एसआईआर के दौरान बूथ स्तर पर पैनी नजर रखेगी। हमारे बीएलए-2 हर बूथ पर यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी वैध मतदाता को उसके वोट देने के संवैधानिक अधिकार से वंचित न किया जा सके। यादव ने कहा कि मतदाता सूची में आगामी विशेष गहन संशोधन एसआईआर के दौरान बूथ स्तर पर पैनी नजर रखनी होगी। उन्होंने कहा कि हमारे बीएलए-2 हर बूथ पर यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी वैध मतदाता का कटने नहीं पाए। चुनाव आयोग की तरफ से हुई शुरुआती स्क्रीनिंग में कई विसंगतियां सामने आई थी, जिसमें मौजूद लोगों के ही वोट काट दिए गए थे। जबकि हमारे बीएलए-2 ने घरों पर जाकर उनका सत्यापन किया तो वे मतदाता वहां मौजूद थे।

भारत सरकार टकसाल, नोएडा

डी–2, सेक्टर–1, नोएडा –201301, जनपद–गौतम बुद्धनगर (उ.प्र.)
वैबसाइटः https://igmnoida.spmcil.com

[फा. सं. आईजीएमएन–13013/4/2025–मा.सं. दिनांक 28 मार्च, 2026]

विज्ञापन संख्याः 01/2026

भारत सरकार टकसाल, नोएडा, भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाली एक अनुसूची "ए" मिनी–रत्न श्रेणी–1 केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) एवं वित्तीय कार्य विभाग, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन "सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल)" की एक इकाई है, एसपीएमसीआईएल की मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद और नोएडा स्थित टकसालों के निम्नलिखित 94 रिक्तियों को भरने के लिए योग्य और इच्छुक उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है:

क्र.सं.	पदनाम, स्तर और आईडीए वेतनमान (₹)	रिक्तियों की संख्या
1.	पर्यवेक्षक (धातुपरीक्षण), एस–1 लेवेल, 27600–95910	02
2.	पर्यवेक्षक (तकनीकी – यांत्रिकी), एस–1 लेवेल, 27600–95910	03
3.	पर्यवेक्षक (तकनीकी – इलेक्ट्रिकल), एस–1 लेवेल, 27600–95910	02
4.	पर्यवेक्षक (तकनीकी – मेटलर्जी), एस–1 लेवेल, 27600–95910	01
5.	एनग्रेवर (स्कल्पचर/मेटल वर्क), बी–4 लेवेल, 23910–85570	01
6.	कनिष्ठ कार्यालय सहायक, बी–3 लेवेल, 21540–77160	13
7.	कनिष्ठ बुलियन सहायक, बी–3 लेवेल, 21540–77160	05
8.	कनिष्ठ हिंदी टाइपिस्ट, बी–3 लेवेल, 21540–77160	01
9.	प्रयोगशाला सहायक, बी–3 लेवेल, 21540–77160	01
10.	कनिष्ठ तकनीशियन (फिटर), W-1 लेवेल, 18780–67390	47
11.	कनिष्ठ तकनीशियन (परिचर संचालक – रसायन संयंत्र), W-1 लेवेल, 18780–67390	03
12.	कनिष्ठ तकनीशियन (टर्नर), W-1 लेवेल, 18780–67390	09
13.	कनिष्ठ तकनीशियन (कारपेंटर), W-1 लेवेल, 18780–67390	01
14.	कनिष्ठ तकनीशियन (इलेक्ट्रीशियन), W-1 लेवेल, 18780–67390	02
15.	कनिष्ठ तकनीशियन (गोल्डस्मिथ), W-1 लेवेल, 18780–67390	01
16.	कनिष्ठ तकनीशियन (मेल्टर), W-1 लेवेल, 18780–67390	02

नोटः योग्यता, ऊपरी आयु सीमा में छूट, परीक्षा शुल्क, चयन प्रक्रिया, ऑनलाइन आवेदन आदि के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया **https://igmnoida.spmcil.com** के करियर पेज देखें। **ऑनलाइन आवेदन करने हेतु लिंक दिनांक 28.03.2026 से 27.04.2026 तक खुले रहेंगे।**

हस्ता./–
संयुक्त महाप्रबंधक (मा.सं.)/JOINT GENERAL MANAGER (HR)
कृते मुख्य महाप्रबंधक/FOR CHIEF GENERAL MANAGER

जेसीबी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के शकूरपुर इलाके में शनिवार सुबह 27 वर्षीय एक व्यक्ति की जेसीबी मशीन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक का नाम मोहम्मद हुसैन बताया गया है। घटना शकूरपुर में एक कब्रिस्तान के पास सुबह करीब 10 बजे हुई। जेसीबी चालक आशीष (23) निवासी आजमगढ़, यूपी को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आशीष एक पार्क को समतल करने के लिए जेसीबी मशीन को शकूरपुर के बेरीवाला बाग की ओर ले जा रहा था, तभी यह दुर्घटना हुई। इस घटना के सिलसिले में केस दर्ज कर लिया गया है।

'विकसित दिल्ली, हरित दिल्ली' के लिए नई पहल

■ व्हाट्सएप नंबर पर करें शिकायत, होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। स्वच्छ भारत मिशन को आगे बढ़ाते हुए जनकपुरी वार्ड-106 की निगम पार्षद उर्मिला नरेन्द्र चावला ने क्षेत्र में साफ-सफाई को लेकर एक सराहनीय पहल शुरू की है। "एक कदम स्वच्छता की ओर" और "विकसित दिल्ली, हरित दिल्ली" के संकल्प के साथ अब स्थानीय निवासियों को अपने आसपास की गंदगी की शिकायत दर्ज कराने के लिए सीधे संपर्क का माध्यम उपलब्ध कराया गया है। पार्षद उर्मिला नरेंद्र चावला ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी गली या इलाके में सफाई व्यवस्था ठीक नहीं है, तो वे तुरंत उस स्थान की फोटो और लोकेशन व्हाट्सएप नंबर 9350504944, 9213619694 और 9868929723 पर भेजें। प्राप्त शिकायतों पर निगम द्वारा औचक निरीक्षण करवाकर संबंधित स्थान की सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराई जाएगी। पार्षद उर्मिला नरेंद्र चावला ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य न केवल सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाना है, बल्कि आम जनता को भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदार बनाना है। वहीं, स्थानीय लोगों का मानना है कि इस तरह की व्यवस्था से शिकायतों का त्वरित समाधान संभव होगा और क्षेत्र में स्वच्छता का स्तर सुधरेगा। वहीं, जागरूक लोगों का भी मानना है कि यदि इस प्रकार की जनभागीदारी आधारित पहल को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, तो "स्वच्छ भारत" और "हरित दिल्ली" का सपना साकार करने में बड़ी मदद मिल सकती है।

खबर संक्षेप

रेखा गुप्ता ने एलजी से की मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को लोक निवास में उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपराज्यपाल को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात की फोटो शेयर करते हुए लिखा कि उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर दिल्ली के विकास, जनकल्याण और भविष्य की दिशा पर सार्थक चर्चा हुई। इस वर्ष का ग्रीन बजट इसी विजन को आगे बढ़ाता है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर को गति, पर्यावरण को प्राथमिकता और नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने का संकल्प केंद्र में है। विकसित दिल्ली के निर्माण के लिए हम सभी कृतसंकल्पित हैं।

यमुना विहार में एमसीडी ने शुरू किया स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के शाहदरा नॉर्थ जोन ने शनिवार को यमुना विहार क्षेत्र में विशाल स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस विशेष अभियान की निगरानी एसडीएम राजेंद्र और आरपी सेल के चेयरमैन प्रमोद गुप्ता ने की। निगम प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार अभियान में 200 से अधिक सफाई कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके साथ ही जोनल अधिकारियों की मौजूदगी में क्षेत्र की सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सफाई कार्य किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना, कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाना और नागरिकों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक करना है।

'इंडिया इनोवेट्स 2026' में शामिल हुईं मुख्यमंत्री

युवाओं की ऊर्जा और इनोवेशन ही भारत की सबसे बड़ी पूंजी : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

युवाओं की ऊर्जा और इनोवेशन ही भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। आज युवा केवल तकनीक तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे शहरों को बेहतर बनाने, लोकतंत्र को मजबूत करने और समाज को ज्यादा सक्षम बनाने के लिए ठोस समाधान दे रहे हैं।

यह बातें शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भारत मंडपम में आयोजित इंडिया इनोवेट्स 2026 को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने दुनिया का सबसे बड़ा हैकाथॉन नाम के बड़े आयोजन में भाग लेकर देशभर से आए युवाओं का उत्साह बढ़ाया। इस कार्यक्रम में हजारों युवाओं, प्रतिभागियों और प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस साल के आयोजन का विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोट तकनीक और जनहित से जुड़े नए विचारों पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वही पीढ़ी है जो आइडियाज को इनोवेशन में इनोवेशन को इंपैक्ट में बदलने की क्षमता रखती है। देश के कोने-कोने से आए प्रतिभाशाली युवाओं की ऊर्जा, कौशल और संकल्प भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व में एक युवा देश के रूप में जाना जाता है, जहां 60 प्रतिशत से अधिक आबादी युवा है। इतनी बड़ी जनसंख्या भारत की सबसे बड़ी ताकत है और यही युवा देश को वैश्विक मंच पर नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस हैकाथॉन में एक करोड़ से अधिक प्रतिभागियों में से चयनित 5 हजार से अधिक युवा वास्तव में भारत के डिजिटल भविष्य का प्रतिनिधित्व करते हैं और इनकी सोच आने वाले समय में शासन, समाज और अर्थव्यवस्था की दिशा तय करेगी।

युवाओं से दिल्ली 2.0 के निर्माण का किया आह्वान

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने युवाओं से दिल्ली 2.0 के निर्माण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसी दिल्ली का निर्माण किया जाना चाहिए जो इनोवेशन से प्रेरित हो, इंक्लूजन से सशक्त हो और जहां तकनीक के साथ-साथ विश्वास को भी समान महत्व दिया जाए। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली सरकार युवाओं के विचारों और नवाचारों को शासन प्रणाली से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि तकनीक के माध्यम से नागरिकों का जीवन अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा सके।

सीएम ने मेधावी विद्यार्थियों-खिलाड़ियों को किया सम्मानित

1200 टॉपर्स को किए लैपटॉप वितरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

शिक्षा और खेल केवल किताबों तक सीमित नहीं है, दिल्ली सरकार युवा प्रतिभाओं को हर मंच देगी। यह बात मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को द्वारका के यशोभूमि में आयोजित 'यशोत्सव 2026–समापन समारोह और पुरस्कार वितरण' में कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर मुख्यंत्री ने मेधावी छात्रों और खिलाड़ियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार की ओर से शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 1200 टॉप रैंकर्स (छात्र-छात्राओं) को लैपटॉप वितरित किए। साथ ही, दिल्ली खेल महाकुंभ 2025-26 के विजेता खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। इस खेल आयोजन में हजारों प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई थी। उन्होंने कक्षा 10वीं और 12वीं के 222 मेधावी छात्रों तथा 34 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों को भी सम्मानित किया। सीएम ने कहा कि यह उपलब्धियां न केवल विद्यार्थियों के परिश्रम का परिणाम हैं, बल्कि शिक्षकों और अभिभावकों के मार्गदर्शन का भी प्रतीक हैं।

हरियाली के लिए लगाए गए गमले बन रहे कूड़ेदान और बेरिकेट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी में हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से मुकरबा चौक से आजादपुर की ओर लगाए गए बड़े-बड़े गमले अब अपनी उपयोगिता खोते नजर आ रहे हैं। जहां इन गमलों में पौधारोपण कर पर्यावरण को बेहतर बनाने की योजना थी, वहीं वर्तमान में ये गमले कहीं कूड़ेदान के रूप में इस्तेमाल हो रहे हैं तो कहीं अस्थायी बेरिकेट बन गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गमलों में कचरा भरा पड़ा रहता है, जिससे क्षेत्र में गंदगी फैल रही है और स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कई स्थानों पर इन गमलों को रास्ता रोकने के लिए उपयोग किया जा रहा है, जिससे यातायात भी प्रभावित हो रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि इस मार्ग से प्रतिदिन कई अधिकारी गुजरते हैं, लेकिन इसके बावजूद इस समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। इससे लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की कार्यशैली और जिम्मेदारी पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि इन गमलों में शीघ्र पौधारोपण कर उन्हें उनके मूल उद्देश्य के अनुरूप उपयोग में लाया जाए या फिर उनकी नियमित सफाई और देखरेख सुनिश्चित की जाए। साथ ही, कचरा फेंकने वालों पर सख्त कार्रवाई की भी मांग की गई है।

'दिल्ली सरकार दिल्ली को मीडिया हब के रूप में करेगी स्थापित'

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार और प्रसार भारती के सहयोग से राजधानी को एक आधुनिक मीडिया और टेक्नोलॉजी हब के रूप में स्थापित करेगी। इसके लिए एक एमओयू भी साइन किया गया है। यह बात शनिवार को पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, दिल्ली (आईएफएफडी) के तहत भारत मंडपम में शुरुआत से अब तक के भारतीय सिनेमा के शानदार सफर पर लगी प्रदर्शनी के अवलोकन के अवसर पर कही। मंत्री कपिल ने कहा कि यह प्रदर्शनी भारतीय फिल्मों के सफर के अलावा पूरी दुनिया में उनकी लोकप्रियता और सॉफ्ट पॉवर के रूप में भारत के प्रभाव को भी प्रदर्शित करती है। कला-संग्राहक टीआरआईएस के नेविल तुली ने इस प्रदर्शनी में सिनेमा की कई पीढ़ियों के महान कलाकारों को एक साथ प्रस्तुत करने और भारतीय एवं वैश्विक सिनेमा के विकास के साथ क्लासिक दौर से लेकर आधुनिक सिनेमा तक की चुनौतियों और सफलताओं की जानकारी दी। प्रदर्शनी में 12 अलग-अलग थीम आधारित सेक्शन शामिल हैं।

इंद्राज ने शाहबाद डेयरी वार्ड स्थित महाराणा प्रताप चौक में किया विकास कार्यों का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार द्वारा आवंटित 80 करोड़ रुपए के आवंटन से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति बस्तियों का समग्र विकास होगा। यह बात शनिवार को समाज कल्याण एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने शाहबाद डेयरी वार्ड में विकास कार्यों के शुभारंभ के अवसर पर कही। उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार का यह निर्णय राजधानी के सामाजिक एवं आधारभूत ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

गौरतलब है कि मंत्री इंद्राज ने शनिवार को शाहबाद डेयरी वार्ड स्थित महाराणा प्रताप चौक में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न गली-नाली विकास कार्यों का शिलान्यास तथा रेडी मिक्स कंक्रीट सड़कों का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल विकास कार्य कराना नहीं, बल्कि हर नागरिक को सम्मानजनक और सुविधाजनक जीवन प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत एससी/ एसटी बस्तियों में पक्की सड़कों का निर्माण, सुदृढ़ सीवर व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, नालियों का निर्माण एवं सुधार, जल निकासी की समुचित व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट्स की स्थापना तथा अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं का तेजी से विकास किया जाएगा।

आंगनबाड़ी केंद्रों का राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़ी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं अधिकारी समाज की उस मजबूत नींव पर काम कर रहे हैं, जिस पर देश का भविष्य टिका है। दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव डॉ. रश्मि सिंह ने नरेला विधानसभा के अलीपुर स्थित स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज परिसर में सामुदायिक आधारित विशाल कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सुपरवाइजर्स, सीडीपीओ और संबंधित अधिकारियों की सराहना करते हुए यह संबोधन दिया।

उन्होंने इसे 'राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी' बताते हुए कहा कि किसी भी इमारत की मजबूती उसकी नींव पर निर्भर करती है और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उसी नींव को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने आयोजन के लिए जिला अधिकारियों, मिशन शक्ति टीम, जेंडर स्पेशलिस्ट्स और श्रद्धानंद कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. प्रवीण गर्ग को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा संस्थान तभी पूर्ण होते हैं, जब वे समुदाय के लिए समर्पित होकर काम करें। इस अवसर पर उन्होंने मौजूद आंगनबाड़ी लाभार्थियों को पोषण किट भी वितरित की गई। साथ ही विभाग की तरफ से कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक 'गोद भराई' जैसी रस्म भी अदा की गई, जिससे मातृ-स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

पालम क्षेत्र के विकास के लिए 12 करोड़ की परियोजनाएं, बिधूड़ी ने किया शुभारंभ

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शनिवार को पालम विधानसभा क्षेत्र में विधायक कुलदीप सोलंकी के साथ 12 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं में क्षेत्र की सड़कों, गलियों, नालियों और पार्कों का विकास किया जाएगा। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार की प्राथमिकता है कि हर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाया जाए। इन कार्यों के लिए बजट उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के प्रति आभार भी जताया। बिधूड़ी और विधायक कुलदीप सोलंकी ने गोकल गार्डन में एक समारोह में इन विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में पालम गांव में रोड और ड्रेनेज की व्यवस्था तथा पार्कों में दो नए जिम व बच्चों के झूले, राजनगर की गलियों का पुनर्निर्माण, गोकल गार्डन में रोड, शिक्षा भारती से रामफल चौक तक रोड, सेक्टर-7 की रोड और वर्धमान माल से दादा देव श्मशान घाट तक रोड का निर्माण शामिल है। सांसद बिधूड़ी ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूरे पालम विधानसभा क्षेत्र विकास के लिए 187 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। बिधूड़ी ने कहा कि पिछले एक वर्ष में दिल्ली में आरोग्य मंदिर, इलेक्ट्रिक बसें, अटल कैंटीन, सड़कों का निर्माण, स्कूलों में कम्प्यूटर आदि अनेक बड़े काम हुए हैं। आने वाले दिनों में दिल्ली में यमुना की सफाई, सीवर का मास्टर प्लान और पानी की लाइनों को बदलने की बड़ी परियोजनाएं शुरू हो रही हैं जिससे दिल्ली तेजी से विकास के पथ पर दौड़ती नजर आएगी।

बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा विपरीत प्रभाव

शिक्षा संगठन ने की ऑनलाइन शिक्षा पर कड़े नियम बनाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली स्टेट पब्लिक स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने दिल्ली सरकार के साथ-साथ भारत सरकार से भी ऑनलाइन शिक्षा विषय में कड़े नियम बनाने का अनुरोध किया है, ताकि आने वाली पीढ़ी को मानसिक, शारीरिक एवं अन्य समस्याओं से बचाया जा सके। एसोसिएशन के अध्यक्ष आर.सी. जैन ने कहा कि दिल्ली ही नहीं, पूरे देश में जिस प्रकार आज बच्चों में ऑनलाइन स्क्रीन पर शिक्षा और गेम देखने का चलन बढ़ता जा रहा है, उसका एक बड़ा कारण लॉकडाउन के समय तथा अन्य परिस्थितियों में स्कूलों द्वारा दी जाने वाली ऑनलाइन शिक्षा भी है।

यह देखा गया है कि जब किसी भी कारण से स्कूलों में छुट्टी होती है, तो बच्चों को ऑनलाइन क्लास देने का चलन तेजी से बढ़ जाता है। कई बार बच्चों को कई-कई घंटे मोबाइल की छोटी स्क्रीन पर आंखें गड़ाकर बैठना पड़ता है, जिसके कारण जहां एक ओर मानसिक दबाव बढ़ता है, वहीं उनकी आंखों की रोशनी पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

'एक वर्ष में करीब 20 हजार बच्चे कर रहे हैं आत्महत्या'

जैन ने कहा कि संसद में सांसद दीपेंद्र हुड्डा द्वारा उठाए गए इस मुद्दे का लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी स्वागत किया है। वहीं, टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने शुक्रवार को राज्यसभा में बच्चों और युवाओं में बढ़ती डिजिटल लत का मुद्दा उठाते हुए बताया कि इसके कारण हर वर्ष लगभग 20 हजार बच्चे आत्महत्या कर रहे हैं, जिस पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

विश्व के अनेक देशों में 14 वर्ष तक के बच्चों पर प्रतिबंध

जैन ने कहा कि विश्व के अनेक देशों ने 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए ऑनलाइन एजुकेशन और गेमिंग पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। भारत को भी इस दिशा में आगे बढ़कर बच्चों में बढ़ते तनाव, गेमिंग के प्रति लगाव तथा शारीरिक व मानसिक बीमारियों से आने वाली पीढ़ी को बचाने के लिए साहसिक कदम उठाने चाहिए।

खबर संक्षेप

धज्जियां उड़ा रहे गैस एजेंसी संचालक

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में गैस एजेंसी

संचालक पर शासन के उन दावों की धज्जियां उड़ा रहे हैं जिम वह दावा किया गया है कि जिले में एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं है । इसका एक उदाहरण यहां पर गोविंदपुरम की गैस एजेंसी पर देखने को मिला। गैस उपभोक्ता महेश कुमार नामक व्यक्ति ने बताया कि उसने गैस सिलेंडर की बुकिंग की थी। लेकिन गैस एजेंसी संचालक ने गैस सिलेंडर की आपूर्ति उसके घर नहीं की बल्कि यह जानकर उसे समय हैरान रह गया।

ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

गाजियाबाद। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन

अधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने शनिवार को जनपद के कलेक्ट्रेट स्थित ई.वी.एम. वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया । वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और रखरखाव का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान, जिलाधिकारी ने सीसीटीवी व्यवस्था सफाई और रखरखाव का अवलोकन किया।

अवकाश के दिन भी खुलेंगे टैक्स विभाग के दफ्तर

गाजियाबाद। टैक्स वसूली के लिए नगर निगम अधिकारी गंभीर हैं । इसी के मद्दे नजर टैक्स के भुगतान करने वाले लोगों की

सुविधा के लिए अवकाश के दिन भी टैक्स विभाग के कार्यालय खोलने का निर्णय लिया गया है ताकि लोग समय से टैक्स जमा कारण और 20प्रतिशत देने वाली छूट का लाभ भी उठा सके। सुनील कुमार राय ने बताया कि करदाताओं की सुविधा के लिए सभी पांचो टैक्स विभाग की टीम बैठेगी। मंगलवार को महावीर जयंती के अवकाश पर भी पांचो कार्यालय जोनल कार्यालय पर बैठेगी और टैक्स जमा करेगी ।

बढ़े हुए दरों के बिल भेजे जाना जनता का शोषण

हाउस टैक्स बढ़ोतरी के विरोध में उद्योग व्यापार मंडल का आंदोलन शुरू, घंटाघर पर दिया धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

गाजियाबाद नगर निगम द्वारा आवासीय एवं व्यापारिक संपत्तियों पर हाउस टैक्स में लगभग 300प्रतिशत तक की वृद्धि किए जाने के विरोध में उद्योग व्यापार मंडल ने शनिवार को घंटाघर स्थित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा के नीचे धरना दिया। नेताओं ने कहा कि नगर निगम बोर्ड द्वारा इस सम्बंध में प्रस्ताव निरस्त किया जा चुका है, इसके बावजूद अधिकारियों द्वारा बढ़े हुए दरों के बिल भेजे जाना जनता का शोषण किया जा रहा है। महापौर द्वारा बार-बार समाचार पत्रों के माध्यम से हाउस टैक्स कम किए जाने का आश्वासन दिया जाता रहा, किन्तु आज तक इसे व्यवहार में लागू नहीं किया गया है और अब भी नए बढ़े हुए दरों पर ही बिल लगातार भेजे जा रहे हैं। महानगर उद्योग व्यापार मंडल, गाजियाबाद ने इस विषय पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से कई बार वार्ता, ज्ञापन एवं अन्य प्रयास किए, किन्तु अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। यह धरना महानगर अध्यक्ष गोपीचंद के नेतृत्व में संचालित किया गया।व्यापार मंडल ने सभी व्यापारी संगठनों, नागरिकों एवं सामाजिक संस्थाओं से इस आंदोलन में शामिल होकर समर्थन देने की अपील की है। धरने के पहले दिन महानगर अध्यक्ष गोपीचंद महानगर महामंत्री अशोक चावला,चैयरमैन बृजमोहन सिंगल, गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष सुनील गोयल ,जिला महामंत्री राजदेव त्यागी, सिहानी गेट व्यापार मंडल अध्यक्ष अनुराग गर्ग, नवयुग व्यापार मंडल अध्यक्ष संदीप गर्ग, रमते राम रोड व्यापार मंडल अध्यक्ष राकेश स्वामी, गोल मार्केट घंटाघर अध्यक्ष राकेश बवेजा, गांधीनगर व्यापार मंडल महामंत्री हितेंद्र शर्मा, प्रदीप बंसल, स. मुखविंदर सिंह भाटिया, सेक्टर 23 व्यापार मंडल से चैयरमैन प्रदीप गर्ग, अध्यक्ष व युवा नगर अध्यक्ष विपिन गोयल, महामंत्री डॉ. हरीश शर्मा, टायर संगठन से पुरान चंद शर्मा, अनित मदान, वसीम अली, मुंशीर भाई ,पूर्व पार्षद जाकिर अली सैफी, विपिन सिंगल, पंडित राजकुमार, रजनीश वर्मा आदि।

निगम सदन की बैठक में लगभग 2236 करोड़ का बजट प्रस्ताव सर्वसम्मति से किया पारित

शहर में होने वाले जगह-जगह के जल भराव को किया जाएगा दूर: मेयर बत्रा

आम जन की मूलभूत सुविधाओं के अलावा निगम अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी करेगा बेहतर कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

मजबूत होगी सीवरेज व्यवस्था

नगर निगम फरीदाबाद द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के 1875 करोड़ के बजट को वित्तीय वर्ष 2026-27 में बढ़ाकर लगभग 2236 करोड़ निर्धारित किया गया है। निगम सदन की बैठक में बजट प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, विधायक पं. मूलचंद शर्मा, धनेश अदलखा, सतीश फागना, मेयर श्रीमती प्रवीण बत्रा जोशी सहित पार्षदगण व निगमायुक्त सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि बजट में यह वृद्धि निगम की वित्तीय सुदृढ़ता एवं शहर के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। महापौर प्रवीण बत्रा जोशी ने बताया की वित्तीय वर्ष निगम का ओपनिंग बजट 518 करोड़ रुपए था। वर्ष 2025-26 में नगर निगम द्वारा 110.69 करोड़ का कर राजस्व अर्जित किया गया, जिसे वर्ष 2026-27 में बढ़ाकर 184 करोड़ तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इससे राजस्व संग्रहण प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं मजबूत बनाया जाएगा। इसी में टाउन प्लानिंग शाखा द्वारा वर्ष 2025-26 में 48.75 करोड़ के लक्ष्य के विरुद्ध 71.63 करोड़ की आय अर्जित की गई, जो लक्ष्य से अधिक है। नगर निगम द्वारा नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु विभिन्न प्रमुख मदों में बजट प्रावधान में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। जल आपूर्ति के लिए 15 करोड़ से बढ़ाकर 20 करोड़ तथा रख-रखाव हेतु 20.50 करोड़ से बढ़ाकर 23.50 करोड़ का प्रावधान किया गया है। सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था के लिए 10 करोड़ से बढ़ाकर 50 करोड़ तथा रख-रखाव हेतु 13 करोड़ निर्धारित किए गए हैं। खेल एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के अंतर्गत पार्क, ग्राउंड एवं जिम के लिए 17.85 करोड़ से बढ़ाकर 22.50 करोड़ तथा रख-रखाव हेतु 27.55 करोड़ का प्रावधान किया गया है। सड़क एवं पुल निर्माण के लिए 17 करोड़ से बढ़ाकर 18 करोड़ तथा मरम्मत कार्य हेतु 23 करोड़ निर्धारित किए गए हैं।

22 करोड़ से बढ़ाकर 23.70 करोड़ तथा रख-रखाव हेतु 36 करोड़ का प्रावधान करने का प्रस्ताव रखा गया है साथ ही स्टॉर्म वाटर ड्रेन्स हेतु 1 करोड़ निर्धारित किया गया है। अन्य प्रमुख मदों में जल शुद्धिकरण हेतु 3 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़, भवन हेतु 7.70 करोड़ से बढ़ाकर 12.85 करोड़ तथा टीपी स्कीम (टाउन प्लानिंग स्कीम) के अंतर्गत 21.25 करोड़ से बढ़ाकर 173.50 करोड़ का प्रावधान किया गया हैईडब्ल्यूएस फ्लैट्स हेतु 5 करोड़ का प्रावधान किया गया है। 26 में 42 करोड़ के व्यय के मुकाबले वर्ष 2026-27 में 167.80 करोड़ व्यय किए जाने का अनुमान है। इसमें कचरा उठान, कैटल पाउंड, सेग्रीगेटेड वेस्ट डिस्पोजल एवं अन्य स्वच्छता संबंधी कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

चैत्र शुल्क पक्ष पूर्णिमा के पावन अवसर पर

कैली धाम में 2 अप्रैल को धूमधाम से मनाया जाएगा हनुमान जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

श्री संकट मोचन हनुमान मंडल, कैली धाम में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हनुमान जन्मोत्सव आगामी 2 अप्रैल को चैत्र शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस संबंध में मंडल की एक विस्तृत बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी सदस्यों ने एकत्रित होकर हनुमान जी को कार्ड समर्पित किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक संरक्षक मंडल के वीएस चौधरी, अरुण बजाज, प्रेम प्रकाश गुप्ता आदि वरिष्ठजन के निर्देशन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रफुल्ल कुमार शर्मा ने की। इस अवसर पर प्रधान ललित गर्ग, सचिव मुकेश वर्मा, उपप्रधान योगेश तिवारी, कोषाध्यक्ष मदन गोपाल बंसल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु निवर्तमान प्रधान पारसमल को प्रोजेक्ट चेयरमैन नियुक्त किया गया। कोऑर्डिनेशन कमेटी में पवन वशिष्ठए गौतम चौधरी, पवन कुमार गुप्ता, विनोद गर्ग को जिम्मेदारी सौंपी गई। अन्य व्यवस्थाओं के तहत निशान वितरण की जिम्मेदारी संजीव चौमाल व अशोक रावत की टीम को दी गई। जोत व्यवस्था के लिए सांवर मल अग्रवाल, अनुज, शंभूनाथ पांडे को दायित्व सौंपा गया। भजन संध्या में जयपुर के मनोज पारीक, योगेश तिवारी उर्फ मुन्ना भैया फरीदाबाद से पलवल की इशिता शर्मा तथा फरीदाबाद के सूरज शर्मा व मनीषा सैनी जैसे प्रसिद्ध कलाकार बाबा का गुणगान करेंगे। म्यूजिकल ग्रुप द्वारा संभाली जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से भाग लेने देवचंद सैनी, अशोक शर्मा, घीसाराम खंडेलवाल, दीपक वर्मा, रामानंद राठी, घनश्याम , अरविंद शर्मा, तत्पश्चात पूर्व प्रधान पवन वशिष्ठ ने बताया कि अखंड ज्योत, विशाल भंडारा, अलौकिक श्रृंगार, छप्पन भोग, भव्य दरबार एवं भजन संध्या जैसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंडल ने शहर के सभी सनातन प्रेमियों एवं श्रद्धालुओं से आह्वान किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं और पुण्य लाभ प्राप्त करें। श्री संकट मोचन हनुमान मंडल कैली धाम में हनुमान जन्मोत्सव के निमंत्रण कार्ड हनुमान जी को भेंट करते हुए।

103 क्विंटल गेहूं व 64 क्विंटल बाजरा व अन्य खाद्य सामग्री कम मिली

मुख्यमंत्री उड़न दस्ता ने की छापामार कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कुरैशीपुर गांव के राशन डिपो धारक द्वारा सरकारी राशन को असल कार्ड धारकों को वितरित न करके कालाबाजारी की गई है और स्टॉक में निर्धारित स्टॉक अनुसार राशन नहीं है। इस संबंध में मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद की सूचना पर नरेंद्र कुमार निरीक्षक खाद्य एवं आपूर्ति विभाग फरीदाबाद के साथ गांव कुरेशीपुर में करीम के राशन डिपो मशीन नंबर 108800400294 का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण पर डिपो के स्टॉक में कुल 30 कट्टे गेहूं, 1 लीटर तेल व 8 किलोग्राम चीनी रखी मिली। ऑनलाइन स्टॉक चैक करने व मौका पर राशन का मिलान करने पर 608 लीटर तेल व 270 किलोग्राम चीनी कम मिली तथा 103 क्विंटल गेहूं व 64 क्विंटल बाजरा कम मिला। राशन डिपो धारक द्वारा सरकारी स्टॉक में पूरा ना रखकर कालाबाजारी करनी पाई जाने पर राशन डिपो करीम के खिलाफ नरेन्द्र खाद्य निरीक्षक की शिकायत पर थाना धौज में मामला दर्ज किया गया है।

बच्चे सुरक्षित चलकर जाएंगे स्कूल

सुरक्षा को बेहतर बनाने हरियाणा का पहला 'सेफ स्कूल ज़ोन गुरुग्राम में शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

बच्चों की सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गुरुग्राम के कादीपुर में हरियाणा का पहला 'सेफ स्कूल ज़ोन' शुरू किया गया। यह पहल सरकारी स्कूल के आसपास सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इस परियोजना के बारे में हरियाणा सरकार के पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव तथा उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री और बादशाहपुर के विधायक राव नरबीर सिंह ने कहा कि यह परियोजना उनके लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें बच्चों की सुरक्षा, उनका भविष्य और पर्यावरण तीनों का समावेश है। उन्होंने कहा कि अगर कोई सड़क छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित है, तो वह सभी के लिए सुरक्षित मानी जाएगी। सरकार राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी ऐसे कई सेफ स्कूल ज़ोन विकसित करेगी। 'राहगीरी फाउंडेशन' द्वारा गुरुग्राम विजन ज़ीरो कार्यक्रम के तहत इस परियोजना को नगर निगम गुरुग्राम (एमसीजी) के सहयोग से लागू किया गया है। इस पहल को हीरो मोटोकॉर्प, नगरो और ह्यूजेस सिस्टिक जैसी संस्थाओं का भी सहयोग मिला है। बता दें कि यह महत्वपूर्ण परियोजना इस वर्ष शहर भर में विकसित किए जाने वाले कई ऐसे सेफ स्कूल ज़ोन की श्रृंखला की पहली कड़ी है। राहगीरी फाउंडेशन की सह-संस्थापक सारिका पांडा भट्ट ने कहा कि यह पहल हर बच्चे के सुरक्षित रूप से स्कूल जाने के अधिकार को सुनिश्चित करने की दिशा में एक उदाहरण है, जिसे पूरे राज्य के सरकारी स्कूलों में लागू किया जा सकता है। यह 'सेफ स्कूल ज़ोन' न केवल बच्चों की सुरक्षा बढ़ाएगा, बल्कि आने वाले समय में पूरे हरियाणा के लिए एक मॉडल के रूप में भी काम करेगा। जानकारी के अनुसार, देश में हर दिन औसतन 42 बच्चों की सड़क हादसों में मौत होती है। कादीपुर के सरकारी प्राथमिक विद्यालय में किए गए सर्वे में पाया गया कि करीब 80 प्रतिशत बच्चे पैदल स्कूल आते हैं।

स्मार्टफोन ने नोवा सीरीज़ लॉन्च की घोषणा की

हर तरह के यूज़र के लिए आसान, बेहतर और दमदार स्मार्टफोन का नया दौर

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

एआई+स्मार्टफोन ने शनिवार को अपनी नई और बहुप्रतीक्षित नोवा सीरीज़ लॉन्च करने की घोषणा की। इस सीरीज़ में नोवा 2 और नोवा 2 अल्ट्रा को आगामी 9 अप्रैल को फ्लिपकार्ट और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर लॉन्च किया जाएगा।

एआई+ स्मार्टफोन के सीईओ और नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीज के संस्थापक माधव शेठ ने कहा कि नोवा सीरीज़ के साथ हम लोगों के लिए स्मार्टफोन के मायने को और बड़ा बना रहे हैं। कुछ लोगों के लिए यह परफॉर्मेंस जरूरी है, और कुछ के लिए स्टाइल और अपनी पहचान। हमने यह सीरीज़ इस तरह बनाई है कि दोनों चीजें आसानी से मिलें, बिना किसी परेशानी के। नोवा सीरीज़ सिर्फ एक नया फोन नहीं है, बल्कि एक नई सोच है — जिसमें अच्छा डिजाइन, तेज परफॉर्मेंस और पर्सनल एक्सपीरियंस दिया गया है। वहीं फ्लिपकार्ट की वाइस प्रेसिडेंट (मोबाइल्स) कंचन मिश्रा ने कहा कि आज भारत के लोग स्मार्टफोन खरीदते समय ज्यादा समझदारी से फैसला लेते हैं और बेहतर चीजें चाहते हैं।

एआई+ स्मार्टफोन कम कीमत में अच्छी टेक्नोलॉजी देता है। हम इस नोवा सीरीज़ को देशभर के लोगों तक फ्लिपकार्ट के जरिए पहुंचाने के लिए उत्साहित हैं।

दो नातियों के साथ पैदल जा रहे व्यक्ति को थॉर ने कुचला, तीनों की दर्दनाक मौत

गुरुग्राम। पटौदी थाना एरिया में शुक्रवार की रात को खेडक़ीमाजरा गांव में दो नातियों के साथ पैदल जा रहे व्यक्ति को थॉर ने कुचल दिया। हादसे में तीनों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी थॉर चालक को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए गुरुग्राम भेज दिया। वहीं इस हादसे के बाद पूरे गांव मातम पसरा हुआ है। पुलिस में दी शिकायत में गांव खोड़ निवासी सलीम ने कहा कि वह गांव के साथ लगते लोकरा रोड़ पर प्लॉट पर रहता है। जबकि उसका भाई सुभाष (60) गांव में ही रहता था। छुट्टियों के चलते सुभाष के नाती इशांत (10 वर्ष) व जैद खान (8 वर्ष) भिवाड़ी के मिलकपुर गुर्जर गांव खोड़ में अपने नाना के पास के आए थे। शुक्रवार को सुभाष अपने नाती इशांत व जैद को लेकर सलीम के घर पर आया था। रात्रि करीब साढ़े दस बजे सुभाष अपने नाती इशांत व जैद को लेकर वापिस अपने घर की ओर जा रहा था। कुछ ही दूर चलने पर पीछे से आई एक तेज रफ्तार थॉर ने उनको कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं हादसे को अंजाम देकर चालक अपनी थॉर को मौके पर छोडक़र फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरु कर दी। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और कार्रवाई करते हुए आरोपी थॉर चालक को गिरफ्तार कर लिया। वहीं दुर्घटनाग्रस्त को थॉर भी बरामद कर लिया।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

आनन्द विहार (ट.) – पुरुलिया जं.– आनन्द विहार (ट.) साप्ताहिक नई एक्सप्रेस ट्रेन सेवा का शुभारम्भ

समस्त रेलयात्रियों को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा आनन्द विहार (ट.) – पुरुलिया जं. – आनन्द विहार (ट.) स्टेशनों के बीच रेलगाड़ी सं. **14022/14021** नई (साप्ताहिक) एक्सप्रेस ट्रेन के परिचालन का निर्णय लिया गया है जिसकी समय–सारणी एवं ठहराव निम्नानुसार होंगे:–

रेलगाड़ी संख्या 14022/14021 आनन्द विहार (ट.) – पुरुलिया जं. – आनन्द विहार (ट.) एक्सप्रेस ट्रेन (साप्ताहिक)

रेलगाड़ी संख्या : 14022		स्टेशन	रेलगाड़ी संख्या : 14021	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	05:00	आनंद विहार (ट.)	23:10	--
08:15	08:25	मुरादाबाद	19:38	19:48
10:10	10:15	बरेली जं.	17:46	17:48
14:20	14:30	लखनऊ जं.	13:05	13:15
16:25	16:30	अयोध्या कैंट	10:25	10:30
21:40	21:50	वाराणसी जं.	07:10	07:15
22:40	22:45	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	05:40	05:45
23:24	23:26	भभुआ रोड	04:35	04:37
23:53	23:55	सासाराम	03:52	03:54
00:08	00:10	डेहरी ऑनसोन	03:30	03:32
00:55	00:57	जपला	02:15	02:17
02:30	02:35	गढ़वारोड जं.	01:40	01:45
03:13	03:15	डाल्टनगंज	00:30	00:32
03:43	03:45	बरवाडीह जं.	00:01	00:03
04:20	04:22	लातेहार	22:55	22:57
05:15	05:17	टोरी	22:15	22:17
06:00	06:02	लोहरदगा	21:10	21:12
07:20	07:30	राँची	19:35	19:45
08:40	08:42	मूरी	18:18	18:20
10:40	--	**पुरुलिया जं.**	--	**17:00**

चलने के दिन: 14022 आनन्द विहार (ट.) से (प्रत्येक गुरूवार) दिनांक 02.04.2026 से एवं 14021 पुरुलिया जं. से (प्रत्येक शुक्रवार) दिनांक 03.04.2026 से।

स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App. देखें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

1049/2026

किसानों व बेरोजगारों की समस्याओं के समाधान के लिए मिलने का समय मांगा

मोदी-योगी नोएडा आगमन पर भारतीय किसान यूनियन के नेता हाउस अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

भारतीय किसान यूनियन (सर छोटूराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद चौधरी को जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा कार्यक्रम में जाने से पूर्व हाउस अरेस्ट कर लिया गया। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री से किसानों व स्थानीय बेरोजगार युवाओं की समस्याओं के समाधान के लिए मिलने का समय मांगा था, लेकिन समय नहीं दिया गया।

हाउस अरेस्ट की सूचना मिलते ही संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष के आवास पर एकत्र हो गए और जेवर एयरपोर्ट की ओर कूच करने का प्रयास किया।

किसानों की भूमि अधिग्रहण के बावजूद उन्हें नियम अनुसार लाभ न मिलने तथा स्थानीय युवाओं को रोजगार न मिलने के कारण भारी रोष देखने को मिला। इस दौरान एसीपी मधुबन बापूधाम मौर्य को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन राष्ट्रीय अध्यक्ष के आवास पर ही सौंपा गया। ज्ञापन में प्रमुख मांगें रखी गईं, जिनमें गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा आदि जनपदों में स्थापित उद्योगों में स्थानीय युवाओं के लिए 60प्रतिशत रोजगार कोटा, युवाओं को योग्यता अनुसार रोजगार, किसानों को आवासीय भूखंड, बैंक लीज का शीघ्र निस्तारण, भूमि अधिग्रहण के उचित मुआवजे, एक्सप्रेसवे पर स्थानीय लोगों को टोल में छूट, यमुना एक्सप्रेसवे के साथ सर्विस रोड निर्माण, वृद्ध पेंशन व्यवस्था तथा 2013 भूमि अधिग्रहण कानून का लाभ दिए जाने जैसी महत्वपूर्ण मांगें शामिल रहीं।

इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव अजय प्रमुख, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी, राष्ट्रीय सचिव सोनवीर सिंह, राष्ट्रीय सचिव अक्षय कान्त श्रोत्रिया राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट कुंवर अयूब अली, किसान नेता राजबीर सिंह रईसपुर जिला अध्यक्ष कौशल चौधरी, मंडल अध्यक्ष एडवोकेट जितेंद्र चौधरी, युवा जिला अध्यक्ष गाजियाबाद विपिन चौधरी, पूर्व पार्षद मनोज चौधरी, मोदीनगर अध्यक्ष अंकुर नेहरा, भोजपुर ब्लॉक अध्यक्ष सोहनपाल सिंह सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेज एक का शेष

राजनाथ की ...

की बैठकों का सिलसिला लगातार जारी रहेगा।

एमआईबी व्हाट्सएप चैनल पर दें जानकारी : आमजन तक सही समय पर सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों के बारे में जानकारी पहुंचाने को लेकर भी समूह ने अपनी चर्चा में सहमति जताई है। संकट के उद्योगों पर पड़ने वाले असर का आकलन की जरूरत पर भी विचार किया गया। समूह ने सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों को यह निर्देश दिया है कि मामले पर उनके द्वारा जारी किए जाने वाले सभी परामर्शों, दिशानिर्देशों, जरूरी जानकारी को एमआईबी व्हाट्सएप चैनल पर अनिवार्य रूप से साझा किया जाए। जिससे आम जनता तक सही समय पर सही जानकारी पहुंचे और अफवाहों के अलावा झूठी खबरों के प्रचार-प्रसार से भी बचा जा सकेगा।

इनकी रही बैठक में भागीदारी : बैठक में रक्षा मंत्री के अलावा केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडु, ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर, रसायन-उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा, उपभोक्ता-खाद्य व सार्वजनिक मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी, परमाणु-ऊर्जा मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजीजू और विदेश मंत्रालय की तरफ से विदेश सचिव विक्रम मिस्री समेत कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

सचिवों के सात समूहों ने दी प्रस्तुति : मंत्रालय ने बताया कि बैठक में सचिवों के 7 विशेषाधिकार समूहों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। जिसमें क्षेत्र विशेष से जुड़े हुए मुद्दों की पहचान तथा स्थिति को संभालने के लिए उठाए गए नीतिगत कदमों के बारे में जानकारी दी गई। रक्षा मंत्री ने इन समूहों को यह सुझाव दिया कि वह लगातार स्थिति की बेहद करीब से निगरानी करते रहें। जिसमें मध्यम और लंबी अवधि की तैयारी वाली सोच को ध्यान में रखते हुए उच्च-स्तरीय समन्वय पर जोर दें। इसकी मदद से तीव्र गति से निर्णय लिए जा सकें। नीतिगत प्रयासों को समयबद्ध रूप से समन्वय के तहत क्रियान्वित करने पर भी राजनाथ सिंह ने जोर दिया। उन्होंने देश को हमेशा तैयार बनाए रखने के लिए सभी केंद्रीय मंत्रालयों को जरूरी इनपुट देने का भी निर्देश दिया है।

लगातार निगरानी करेगा समूह : पश्चिम-एशिया संकट के मामले पर बीते दिनों पीएम ने संसद के दोनों सदनों (लोकसभा-राज्यसभा) में दिए अपने बयान में भी केंद्र द्वारा एक उच्च-स्तरीय अंतर मंत्रालयी समूह के गठन का जिक्र किया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि ये समूह इस महीने 3 मार्च से कार्य कर रहा है। लगातार यह अपने मंथन के जरिए न केवल जंग के हालात पर पैनी नजर बनाए हुए है। बल्कि देश के हितों की सुरक्षा से जुड़े हुए उपायों पर भी ध्यान दे रहा है। आगामी वक्त में अंतर-मंत्रालयी समूह की यह संवाद प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी। हो सकता कि भविष्य में ऐसी बैठकों में विदेश मंत्री की भागीदारी भी देखने को मिले। फिलहाल वह जी-7 की बैठक में भाग लेने के लिए फ्रांस की यात्रा पर हैं।

यूपी अब सबसे ...

भी मुझे मिला था और इसका उद्घाटन करने का सौभाग्य भी मुझे मिला है। दूसरा, जिस उत्तर प्रदेश ने मुझे प्रतिनिधि बनाया, सांसद बनाया, उस उत्तर प्रदेश की पहचान के साथ इस भव्य एयरपोर्ट का नाम भी जुड़ गया है।

पहले सत्ताधारी यहां आने से डरते थे : पीएम ने कह कि नोएडा को पहले अंधविश्वास के कारण छोड़ दिया गया था, कुर्सी जाने के डर से पहले के सत्ताधारी यहां आने से डरते थे। जब यहां सपा सरकार थी, मैंने नोएडा आने का कार्यक्रम बनाया, तो मुख्यमंत्री इतने डरे हुए थे कि वे उस कार्यक्रम में नहीं आए। मुझे भी डराने की कोशिश की गई। कहा गया कि नोएडा मत जाइए, मोदी जी, अभी-अभी प्रधानमंत्री बने हैं। मैंने कहा कि मैं उस धरती का आशीर्वाद लेने जा रहा हूं, जो मुझे लंबे अरसे तक सेवा करने का मौका देगी। आज वही इलाका पूरी दुनिया का स्वागत करने के लिए तैयार है। यह पूरा क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त कर रहा है।

प्रधानमंत्री के बधाई...

काम करने की इच्छा प्रकट की है। शाह ने कहा, आपके स्नेह से भरे हुए शब्दों और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं, हमारे दोनों देशों के बीच मौजूद संबंधों और आम-जनता से जुड़ी हुई साझा समृद्धि को लेकर साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

पूर्व पीएम ओली की गिरफ्तारी, जल उठा नेपाल : यहां बता दें कि यह पूरा घटनाक्रम नेपाल की नवनियुक्त सरकार द्वारा अपना कार्यभार ग्रहण करने के बाद सामने आया है। जिसमें नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक को गिरफ्तार किया गया है। दोनों को पहाड़ी राज्य में बीते वक्त में हुए 'जेन-Z' के सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हुई 70 लोगों की मौत और कई अन्य घायलों के मामले में जिम्मेदार ठहराया गया है। ओली के समर्थकों ने नेपाल की सड़कों पर उनकी गिरफ्तारी के विरोध में हिंसक प्रदर्शन किए। कई जगहों पर टायर जलाकर हिंसा की गई। फिलहाल नेपाल में राजनीतिक तनाव के हालात हैं। वहीं, यह भारत के किसी निकट पड़ोसी देश में हुई इस प्रकार की कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई अन्य देशों जैसे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की भी गिरफ्तारी हुई थी। उसके बाद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया और म्यांमार की प्रधानमंत्री आंग सान सू की को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। जबकि बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की गिरफ्तारी को लेकर ढाका ने नई दिल्ली से उनके प्रत्यर्पण की मांग की है।

भारत-सऊदी अरब के प्रधानमंत्रियों की हुई बातचीत : उधर, पश्चिम-एशिया तथा खाड़ी क्षेत्र में जंग के हालात में भारत और सऊदी अरब के प्रधानमंत्रियों के बीच टेलीफोन पर एक बार फिर से संवाद हुआ है। जिसमें क्षेत्र में चल रहे इस संघर्ष के विषय पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया है। पीएम मोदी ने अपनी एक 'एक्स' पोस्ट में बताया कि मैंने, आज सऊदी-अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत की है। जिसमें उक्त संघर्ष के मुद्दे पर प्रमुखता से चर्चा की गई। मैंने, क्षेत्रीय ऊर्जा अवसंरचना पर हमलों की भारत की तरफ से की गई निंदा को दोहराया। भारत और सऊदी अरब नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने, शिपिंग लाइनों को खुला और सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर भी सहमत हुए हैं। खाड़ी के इस अहम देश सऊदी अरब में रह रहे भारतीयों के कल्याण के लिए क्राउन प्रिंस द्वारा दिए जा रहे लगातार समर्थन के लिए मैंने इस वार्ता के दौरान उन्हें धन्यवाद किया। बताते चलें कि भारत, सऊदी अरब के राष्ट्राध्यक्षों के मध्य 28 फरवरी से हुई इस युद्ध के आगाज के बाद से बातचीत का सिलसिला जारी है। पूर्व में भी दोनों की बातचीत हो चुकी है। खाड़ी में भारत के कुल करीब 1 करोड़ नागरिक रहते हैं। जिनमें से 4 लाख ज्यादा लोग अब देश वापस लौट चुके हैं। ईरान के खाड़ी क्षेत्र में जारी हमलों के बीच भारतीयों की ज्यादातर वापसी सऊदी-अरब से आ रही उड़ानों के माध्यम से ही हो रही है।

हाई कोर्ट के...

की जानकारी इकट्ठा की। इसके साथ ही जजों ने स्तंभ और शिलालेख का भी मुआयना किया। 11वीं सदी में बने इस स्मारक को हिंदू वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानते हैं, जबकि मुस्लिम समुदाय इसे कमल मौला मस्जिद कहता है। यह विवादित परिसर आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) द्वारा संरक्षित है और इस स्थल को लेकर कोर्ट में काफी लंबे समय से सुनावई चल रही है। एएसआई की 2,000 से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि इस परिसर में धार के परमार राजाओं के शासनकाल की एक विशाल संरचना मस्जिद के मुकाबले पहले से मौजूद थी और वहां वर्तमान में मौजूद एक विवादित ढांचा प्राचीन मंदिरों के हिस्सों का फिर से इस्तेमाल करते हुए बनाया गया था।

शहरी क्षेत्रों में ...

लिए एक साथ लाया गया।

कई राज्यों के मंत्री उपस्थित रहे: इस बैठक में आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी), और उपभोक्ता मामले एवं खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (एमओसीएपीडी) के केंद्रीय मंत्रियों के साथ-साथ सचिवों, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, राज्य मंत्रियों, शहरी विकास और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभागों के राज्य सचिवों, नगर आयुक्तों, गेल और इंडियन ऑयल के सीएमडी और सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा और ओडिशा सहित कई राज्यों के मंत्रियों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया, जबकि तेलंगाना, कर्नाटक और राजस्थान के प्रतिनिधियों ने गोलमेज सत्र में वर्चुअल रूप से भाग लिया।

कुशल सेवा वितरण पर जोर : आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव ने बढ़ती शहरी ऊर्जा मांग पर प्रकाश डाला और स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच के विस्तार के साथ-साथ कुशल सेवा वितरण की आवश्यकता पर जोर दिया। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा दी गई विस्तृत प्रस्तुति में पीएनजी में चल रहे नेटवर्क विस्तार की वर्तमान स्थिति का विवरण दिया गया, जिसमें सुरक्षा, विश्वसनीयता, सामर्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता के संदर्भ में एलपीजी की तुलना में इसके लाभों पर जोर दिया गया। पहचानी गई प्रमुख चुनौतियों में नगरपालिका अनुमतियों में देरी, राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) अनुमोदन और उच्च पुनर्स्थापन शुल्क शामिल थे, जो नेटवर्क के समय पर विस्तार में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं।

पीएनजी के विस्तार को मिशन मोड में गति दें: आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने आर्थिक विकास के इंजन के रूप में शहरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और पीएनजी के विस्तार को गति देने के लिए मिशन-मोड कार्यान्वयन का आह्वान किया। उन्होंने एकल-खिड़की अनुमोदन का संस्थागतकरण, शहरी नियोजन में पीएनजी के बुनियादी ढांचे का एकीकरण, अंतिम-मील कनेक्टिविटी को सुगम बनाना और चल रही शहरी विकास पहलों के साथ समन्वय स्थापित करना जैसी प्रमुख प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। उन्होंने 50 लाख नए पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर भी प्रकाश डाला।

पीएनजी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर जोर : पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में हो रहे परिवर्तन पर प्रकाश डाला और ऊर्जा सुरक्षा एवं सरलता को बढ़ाने के लिए पीएनजी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने राज्यों और शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) को पीएनजी को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां बुनियादी ढांचा पहले से ही उपलब्ध है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने, गलत सूचनाओं पर अंकुश लगाने और ईंधन की कालाबाजारी रोकने की आवश्यकता पर बल दिया।

राष्ट्रपति ट्रंप-पीएम ...

भी शामिल थे।

पत्रकारों ने की सवालों की बौछार: गौरतलब है कि जंग के तनावपूर्ण हालात में यह पहला मौका था। जबकि ट्रंप ने मोदी को फोन किया और फिर दोनों नेताओं के बीच उक्त मामले पर चर्चा की गई। जैसे ही इस गोपनीय और संवेदनशील चर्चा में अमेरिका के उद्योगपति और वर्तमान में एक निजी व्यक्ति एलन मस्क के शामिल होने की जानकारी अमेरिकी मीडिया के जरिए सार्वजनिक हुई। तो यहां भारत में भी हड़कंप मच गया, राजधानी में पत्रकारों ने विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता से इस संबंध में कई प्रश्न पूछे और वस्तुस्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा। जिनके जवाब में जायसवाल ने दो टूक अंदाज में बताया कि हमने इस मामले से जुड़ी हुई खबर देखी है। पिछले 24 मार्च को केवल पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच ही वार्ता हुई थी। जैसा कि हमने पहले भी इस संबंध में बताया था। दोनों राष्ट्राध्यक्षों के मध्य हुई इस टेलीफोन चर्चा ने पश्चिम-एशिया के हालात पर विचारों को आपस में साझा करने का अवसर प्रदान किया।

ट्रंप-मोदी वार्ता का निचोड़: प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ फोन पर हुई बातचीत के बारे में जानकारी दी थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि हमने पश्चिम-एशिया की स्थिति पर उपयोगी ढंग से विचारों का आदान-प्रदान किया है। युद्ध के दौर में भारत तनाव घटाने और जल्द ही शांति बहाली के पक्ष में खड़ा है। दोनों नेताओं ने इस तथ्य को स्वीकार किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य का खुला, सुरक्षित और सुलभ रहना पूरी दुनिया के लिए आवश्यक है। पीएम ने यह भी बताया कि हमने शांति और स्थिरता के प्रयासों के संबंध में एक-दूसरे से संपर्क बनाए रहने को लेकर अपनी सहमति प्रदान की।

सबूत भी दिखाया

सोरेन पर 100 करोड़ रुपए का शीशमहल बनवाने का आरोप

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड के प्रमुख विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर अपने लिए 100 करोड़ रुपए का 'शीशमहल' बनवाने का आरोप लगाया है। अपने आरोप के समर्थन में पार्टी ने उस निविदा विज्ञापन की तस्वीर भी दिखाई जो मुख्यमंत्री आवास के निर्माण के लिए जारी किया गया है। भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने अपने आरोप को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की, और 'शीशमहल' बनवाने के मामले में सीएम पर केजरीवाल को भी पीछे छोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नए सीएम आवास में 2 करोड़ का फव्वारा और ढाई करोड़ का बगीचा होगा।

सोरेन ने केजरीवाल को भी पीछे छोड़ा

अपनी पोस्ट में भाजपा नेता प्रतुल ने लिखा, 'झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का 100 करोड़ का शीश महल का टेंडर जारी। हम लंबे समय से कहते थे कि मुख्यमंत्री सोरेन जी केजरीवाल जी को भी पीछे छोड़कर झारखंड में 100 करोड़ का शीश महल बनवा रहे हैं।'

अभी फर्नीचर व इंटीरियर का खर्च भी जुड़ेगा'

भाजपा नेता ने लिखा, 'अभी जो टेंडर निकला है उसकी लागत 67 करोड रुपए है। 25 से 30 प्रतिशत डेविएशन भवन निर्माण विभाग में होना सामान्य बात है। अगर इसे जोड़ दें तो यह 100 करोड़ का हो जाएगा।' शाहदेव ने बताया कि अभी इसमें फर्नीचर व इंटीरियर का खर्चा शामिल नहीं है। भाजपा नेता ने सीएम हाउस के निर्माण के लिए जारी जिस टेंडर विज्ञापन का फोटो शेयर किया, उसमें कार्य की कुल लागत 67 करोड़ 4 लाख 36 हजार रुपए बताई गई है और काम पूरा होने के लिए 18 महीने का समय दिया गया है।

दरभंगा एम्स को एक्सट्रा 7 सौ करोड़ मंजूर

पटना। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के दरभंगा एम्स के लिए अतिरिक्त 700 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान करने पर बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी ने प्रसन्नता जताते हुए पीएम नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। सरावगी ने जारी बयान में कहा कि 25 मार्च को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में दरभंगा एम्स के लिए पूर्व में स्वीकृत 1264 करोड़ के अतिरिक्त 700 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।

यूपी में 4 दिन तक होगी बारिश, 40 जिलों में अलर्ट

लखनऊ। यूपी में एक बार फिर मौसम करवट लेगी। अगले चार दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग जिलों में बारिश और तेज हवाएं चलेंगी। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते लखनऊ समेत 40 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, कई स्थानों पर तेज हवाओं के साथ गरज-चमक और ओलावृष्टि की भी संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि आज 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

हरियाणा सरकार

नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग से लाइसेंस प्राप्त कॉलोनियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित फ्लैटों के आवंटन की नीति दिनांक 23.10.2025 के अंतर्गत

फरीदाबाद शहर में फ्लैट का ड्रा

30 मार्च, 2026 | दोपहर 1 बजे | DAV Public School, सैक्टर -14, फरीदाबाद

निजी कॉलोनाइजर्स की सूची जिन्होंने ई.डब्ल्यू.एस. नीति दिनांक 23.10.2025 के अंतर्गत आवंटन हेतु फ्लैट्स की पेशकश की

फ्लैट का क्षेत्रफल (लगभग) 200 वर्ग फुट

फ्लैट की कीमत* 1.50 लाख रुपये

Sr. No.	Name of Project	Location of Project	No of EWS Flats available for allotment
1	Royal Heritage	Sector-70, Faridabad	146
2	The Ozone Park Apartments	Sector-86 & 87, Faridabad	20
3	RPS Auria	Sector-88, Faridabad	64
4	RPS Savana	Sector-88, Faridabad	50
5	RPS Auria	Sector-88, Faridabad	28
6	Omexe Hights	Sector-86, Faridabad	23
7	SPA Village & New Heights	Sector-78, Faridabad	5
8	Hills 43	Sector-43, Faridabad	2
9	Edenwood	Sector-39, Faridabad	14
10	KLJ Group Housing Colony	Sector-77, Faridabad	125
11	Mulberry country	Sector-70, Faridabad	92
12	Emarald Heights	Sector-88, Faridabad	68
Total			637

* आवंटन के लिए अधिकतम मूल्य प्रति फ्लैट ₹1.50 लाख

- मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत फरीदाबाद शहर के विधवा एवं अनुसूचित जाति वर्ग के जिन आवेदकों द्वारा राशि रुपये 10,000 जमा करवाई गई थी तथा सत्यापन उपरांत पात्र पाए गए थे, ऐसे 728 आवेदकों को फ्लैट का आवंटन हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के ऑनलाइन प्लेटफार्म पर ड्रा के माध्यम से किया जाएगा।
- ड्रा में घुमंतु जाति, विधवा तथा अनुसूचित जाति के आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें -
अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय, लघु सचिवालय, सैक्टर-12, फरीदाबाद या हाउसिंग फॉर ऑल विभाग, हरियाणा
दूरभाष 0172-2585852 | वेबसाइट https://hfa.haryana.gov.in

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा www.prharyana.gov.in | Follow us on @dipharyana

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 29 मार्च 2026

जीवन की दिशा बदल देगा जापानी दर्शन
मिलेगी अच्छी सेहत-खुशी और सुकून

शांति पसंद करने वाले खुशहाल-समृद्ध देश जापान के लोगों का जीवन दर्शन ही ऐसा है, जो उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और भरपूर सुकून देता है। जापानी जीवन दर्शन के कुछ सरल सिद्धांत अपनाकर आप भी अपने जीवन में खुशहाली के साथ सफलता भी हासिल कर सकते हैं। जापानी दर्शन के ऐसे ही कुछ सिद्धांतों के बारे में जानिए।

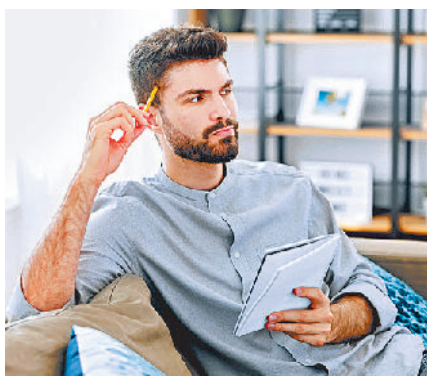

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई सफलता के साथ-साथ सुकून और शांति की चाहत भी रखता है। लेकिन समृद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा के पीछे भागते हुए हम अकसर उस सबसे कीमती चीज को खो देते हैं, जिसे 'सुकून' कहते हैं। गलत खान-पान, बढ़ती मानसिक-शारीरिक बीमारियां, तनाव, अकेलापन और हर वक्त मन में कुछ अधूरा-सा महसूस होना, आधुनिक समय में लगभग हर व्यक्ति की समस्या बन चुकी है। ऐसे में सदियों पुराने जापानी जीवन दर्शन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

हारा हाची बु सेहत-दीर्घायु का आहार मंत्र

जापानी स्वास्थ्य दर्शन का एक गोल्डन रूल है 'हारा हाची बु'। इसका सरल अर्थ है, 'केवल तब तक खाएं, जब तक आपका पेट 80 प्रतिशत न भर जाए।' यह सिद्धांत हमें 'ओवर ईटिंग' से बचाता है। वैज्ञानिक रूप से, मस्तिष्क को पेट भरने का संकेत मिलने में लगभग 20 मिनट लगते हैं। जब हम 80 प्रतिशत पर रुक जाते हैं, तो हम वास्तव में अपनी भूख के अनुसार सटीक मात्रा में खाते हैं। यह आदत हमें मोटापे, हृदय रोग और मधुमेह को दूर रखती है। जापान के प्रांत ओकिनावा के लोगों की लंबी उम्र का एक बड़ा कारण इस जीवन दर्शन को माना जाता है।

शोकूनिन अपने काम में रुचि लेना

जो लोग अपने पेशे या व्यवसाय को बोझ समझते हैं और अपनी किस्मत को कोसते हुए इसे किसी तरह निपटाने की मानसिकता रखते हैं, वे न तो प्रोफेशनल फ्रंट पर सफल हो पाते हैं न सुखी रहते हैं। ऐसे में आपको जापानी दर्शन 'शोकूनिन' समझना चाहिए। इसका अर्थ केवल 'कारीगर' से संबंधित नहीं है, बल्कि यह एक दृष्टिकोण है। एक शोकूनिन अपने काम को पूर्णता के साथ करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर देता है, चाहे वह सुशी जैसी डिश बनाना हो या जूते की सिलाई करना हो। इसमें हमारे काम के प्रति गहरी जिम्मेदारी का भाव निहित होता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि काम केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारने का एक साधन भी है। जब हम शोकूनिन भाव से काम करते हैं, तो काम बोझ नहीं, बल्कि आनंद का जरिया बन जाता है।

काइजन छोटे सुधारों का जादू महसूस करें

जापानी दर्शन काइजन का अर्थ है-बेहतरी के लिए बदलाव। अकसर हम सोचते हैं कि जीवन बदलने के लिए रातों-रात कोई बड़ा परिवर्तन करना होगा। लेकिन काइजन कहता है कि आप हर दिन स्वयं में केवल एक प्रतिशत सुधार करें। जैसे आदतों में, अनुशासन में, नई चीजें सीखने में, रिश्तों में। ये छोटे-छोटे सुधार साल के अंत में आपको एक नया इंसान बना देंगे। टोयोटा जैसी कंपनियों की सफलता में बड़ी भूमिका निभा चुकी यह जीवन पद्धति, व्यक्ति के रूप में हमें भी नई ऊंचाइयों पर ले जाती है।

वाबी-साबी अपूर्णता में सुंदरता की तलाश

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां 'परफेक्ट' दिखने का जुनून हम में से अधिकतर लोगों पर हावी है। जापानी दर्शन 'वाबी-साबी' इसके विपरीत बात कहता है। यह हमें सिखाता है कि कुछ भी स्थायी नहीं है और कुछ भी पूर्ण नहीं है। पुराने पत्थरों पर जमी काई या दरार पड़े मिट्टी के बर्तनों में भी एक इतिहास और सुंदरता होती है। यह दर्शन हमें अपनी कमियों को स्वीकार करना सिखाता है। जब हम अपनी 'अपूर्णता' को स्वीकार कर लेते हैं, तो अनावश्यक सामाजिक प्रदर्शन का अनावश्यक बोझ उतर जाता है।

किंतसुगी जख्मों का स्वर्ण श्रंगार

जापान में जब कोई मिट्टी का बर्तन टूटता है, तो उसे फेंकने के बजाय सोने की परत से जोड़ा जाता है। इसे 'किंतसुगी' कहते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमारे जीवन के घाव, असफलताएं और बुरे अनुभव हमें कमजोर नहीं, बल्कि और भी कीमती बनाते हैं। टूटने के बाद जब हम खुद को फिर से जोड़ते हैं, तो हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, सुंदर और अद्वितीय होकर उभरते हैं।

शिनरिन-योकू प्रकृति की मौन चिकित्सा

जापानी लोग 'फॉरेस्ट बाथिंग' में विश्वास रखते हैं। इसका अर्थ है प्रकृति के माहौल को अपनी पांचों इंद्रियों से महसूस करना। मोबाइल, टीवी, लैपटॉप को छोड़कर नेचर के करीब समय बिताना एक कारगर चिकित्सा है। नेशनल ज्योग्राफिक के शोध के अनुसार, पेड़ों के बीच समय बिताने से तनाव का हार्मोन 'कोर्टिसोल' कम होता है और इम्यूनिटी बढ़ती है।

गमन धैर्य और गरिमा का संगम

जापानी दर्शन 'गमन' का अर्थ है प्रतिकूल परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना। चाहे सुनामी आए या व्यक्तिगत संकट, जापानी समाज विलाप करने के बजाय शांत रहकर पुनर्निर्माण में जुट जाता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि सहनशीलता का अर्थ हार मानना नहीं, बल्कि कठिन समय में गरिमा के साथ अडिग रहना है।

इकिगाई सुबह जागने का ठोस कारण

जापान के ओकिनावा द्वीप को 'ब्लू जोन' कहा जाता है, जहां लोग 100 साल से अधिक जीते हैं। उनकी लंबी आयु का रहस्य है-इकिगाई के अनुसार जीना। इकिगाई का अर्थ है, जीवन जीने का उद्देश्य। यह चार स्तंभों पर टिका होता है। आप क्या पसंद करते हैं, आप किसमें कुशल हैं, दुनिया को इससे क्या मिलेगा और आपको किस काम के लिए पैसे मिल सकते हैं? फोर्ब्स के अनुसार, जिस दिन व्यक्ति को अपनी इकिगाई मिल जाती है, उसके जीवन से बोरियत, ऊब, तनाव और 'रिटायरमेंट' जैसे शब्द गायब हो जाते हैं, क्योंकि वह ऐसा काम कर रहा होता है जिससे उसे प्यार होता है।

जापानी दर्शन के ये सरल सिद्धांत अगर आप अपनाकर जीवन जीना सीख लें तो आपको जीवन में भरपूर खुशी और सुकून मिलेगा। *

सोलो एजिंग बढ़ती उम्र में जिंदगी का भरपूर मजा

अभी तक यही माना जाता रहा है कि सेवानिवृत्त और दायित्वों से मुक्त होने के बाद बुजुर्ग लोग अकेलेपन-उदासी भरी जिंदगी जीते हैं। लेकिन कई अध्ययनों से साबित हुआ है कि बुजुर्ग अब सोलो एजिंग को खूब एंज्वॉय करना सीख गए हैं। अब वे उदास नहीं हर पल को खुल कर जीते हैं।

{ लाइफस्टाइल / डॉ. मोनिका शर्मा }

एक ताजा अध्ययन में बुजुर्गों से जुड़ा यह निष्कर्ष सामने आया है कि उम्रदराज लोग अब शिकायतों के बजाय खुद को संभालने की राह चुन रहे हैं। स्टडी में शामिल अधिकतर वरिष्ठजनों ने बताया कि वे पांच साल से ज्यादा समय से अकेले रह रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर जिंदगी को मैनेज करने में आने वाली परेशानियों को भूलकर उन्होंने अकेले रहना चुना है। सोलो एजिंग के इस सफर में अपने जीवन से खुश रहने वाले बुजुर्गों का आंकड़ा ज्यादा है। एजवेल फाउंडेशन की इस रिपोर्ट के मुताबिक हमारे देश में सोलो एजिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है। अकेले रहने वाले बुजुर्गों में 46.9 फीसदी सोलो एजर्स अपनी जिंदगी से खुश हैं, जबकि 41.5 प्रतिशत असंतुष्ट हैं। 10,000 बुजुर्गों को लेकर की गई यह स्टडी उम्रदराज लोगों के मन और जीवन का बदलता खाका हमारे सामने रखती है।

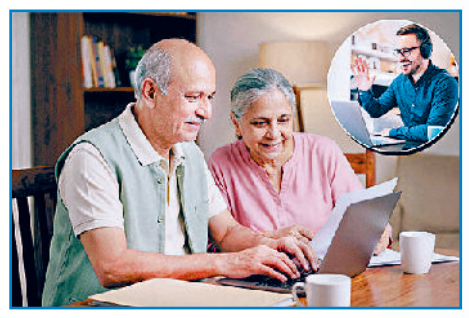

शिकायत नहीं एडजस्टमेंट की सोचः बच्चों के करियर के लिए विदेश या दूसरे शहरों में जाने के बाद अकेले रह रहे बुजुर्ग, दोषारोपण के बजाय अपनी देखभाल खुद ही करने की राह चुन रहे हैं। यह सच है कि संयुक्त परिवारों के टूटने से घर के बड़े सदस्यों में अकेलापन बढ़ा है पर वे अपने आप को बिजी रखना भी सीख रहे हैं। दूर रहने वाले बच्चों से जुड़े रहने के लिए गैजेट्स को यूज करना सीख रहे हैं। बुजुर्ग यह समझते हैं कि उनके बच्चे चाहकर भी हर समय उनके साथ नहीं रह सकते। यही वजह है कि इन हालातों में तनाव में घिरने के बजाय वे खुशी-खुशी जीवन से जूझने के रास्ते पर चलने लगे हैं। सोलो एजिंग का यह ट्रेंड बड़े-बुजुर्गों की बदलती लाइफस्टाइल से जुड़े इसी पहलू की तस्दीक करता है।

सक्रियता को प्राथमिकताः सुखद यह है कि सोलो एजिंग का ट्रेंड कोई थोपे जाने वाला चलन नहीं है। अकेले रहने वाले बुजुर्ग बहुत-सी परेशानियों का सामना करने के बावजूद खुद को सक्रिय रखने के फ्रंट पर जी-जान से जुटे रहते हैं। थकते कदमों के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों का बोझ नहीं, बल्कि सक्रिय रहने का बहाना मानते हैं। अकेले सब कुछ मैनेज करने के दबाव को एक्टिव और सधी हुई जीवनशैली के रूप में देखने लगे हैं। इस उम्र में सेहत और सामाजिक जीवन से जुड़ी बहुत-सी उलझनों के बीच भी अपने मन को संभालने का जतन वे खुशी से कर रहे हैं। किसी भी तरह के व्यायाम, वॉकिंग, योग आदि के लिए समय निकालते हैं। एक्टिव एजिंग वाली जीवनशैली, उनको स्वस्थ रखने में भी अहम भूमिका निभाती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक एक्टिव एजिंग, बुढ़ापे को एक प्रोडक्टिव और खुशनुमा अनुभव बनाने की स्ट्रेटजी है, न कि इसे अंत मानने की। मौजूदा दौर में बुजुर्ग इस खुशनुमा ट्रांसफॉरमेशन के लिए तकनीक की मदद भी ले रहे हैं। ऑनलाइन सुविधाओं से लेकर अपने बच्चों और रिश्तेदारों से जुड़े रहने तक, बुजुर्गों ने तकनीक के नए रंगों को सहजता से अपनाया है।

कर रहे आजादी का एहसासः असल में सोलो एजिंग के चलन से आत्मनिर्भर बनने का भाव भी जुड़ा है। अपनी जिंदगी को अपने अंदाज में जीने से आजादी का गहरा एहसास भी जुड़ा है। यही वजह है कि अकेलेपन और हेल्थ से जुड़ी बहुत-सी चुनौतियों के बावजूद बुजुर्गों का एक बड़ा वर्ग यानी 46.9 प्रतिशत बुजुर्ग इन हालातों को स्वतंत्र रूप से अपना जीवन जीने के तौर पर भी देख रहा है। इसी एक पॉजिटिव सोच के चलते उम्रदराज लोग अकेले रहकर भी अपने जीवन से खुश हैं। इस स्टडी के मुताबिक 31 फीसदी से ज्यादा बुजुर्गों ने फाइनेंशियल और सोशल स्वतंत्रता के लिए अकेले रहने का विकल्प चुना है। वहीं 26.7 फीसदी का कहना है कि परिवार के युवा मेंबर्स के बाहर जाने से वे अकेले रह रहे हैं। नई पीढ़ी के दूर जाने को लेकर कोई शिकायत करने के बजाय बुजुर्ग इसे इंडिपेंडेंट रहने के अवसर की तरह देखने लगे हैं। शारीरिक रूप से नहीं भावनात्मक फ्रंट पर भी बुजुर्ग अब दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहते। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्वतंत्रता उनके सुकून से भी जुड़ी है। *

{ व्यंग्य / राजा चौरसिया }

बने रहो पगला...

'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे।

यह सेंट पर्सेंट पेटेंट सत्य है कि एकरसता से नीरसता ही उपजती है। पतझड़ के बाद ही वसंत वाली बहार की भरमार आती है। इसी प्रकार बीमार के लिए अनार परोसने के क्रिया-कलाप का प्रदर्शन अनिवार्य कार्य है। यदि उत्सव न होते तो ढेर सारी सुख- सुविधाओं के रहते हुए भी खुशी के अभाव में नदी किनारे घोंघा प्यासा की कहावत ही चरितार्थ होती रहती। जैसे रात के बाद ही प्रभात आता है, अमावस्या के उपरांत ही पूर्णिमा होती है। इसी प्रकार मूर्खता के पश्चात ही विद्वता का अवतरण होता है। कीचड़ के बिना कमल की कल्पना, धुएं के बादलों से बरसात की सरासर झूठी कल्पना सरीखी है। हार्ट को रुचने वाले शॉर्ट और स्मार्ट शब्दों में यह डंके की चोट पर कहा जा सकता है कि मूर्खता या मूढ़ता ही विद्वता की मातेश्वरी होती है। हाथी के दांत के आचरण वाले उदाहरण हवा-पानी की तरह यत्र-तत्र, सर्वत्र व्याप्त हैं। इसकी महत्ता को समझते हुए ही कुछ चतुर चालाक लोग बुद्धिमान होते हुए भी मूढ़ बने रहते हैं। इसीलिए संयोग नहीं बल्कि दुर्योग है कि असली और फसली मूर्खों से ज्यादा नकली मूर्खों की तादाद बेमियाद बढ़-चढ़ रही है। अत्याधुनिकता की मानसिकता एवं प्रासंगिकता को प्राथमिकता देने से नकली मूर्खों या धूर्तों की बाढ़ खासी प्रगति पर है। झूठे शुभचिंतकों तथा सच्चे अशुभचिंतकों के इस काबिलेगौर दौर में चातुर्य का प्राचुर्य रहते हुए भी दूसरों के सामने मूर्ख, बुद्धू, घुग्घू और उल्लू बने रहने के कायदे से फायदे ही फायदे हैं। मन से थू-थू करते हुए भी मुंह से आई लव यू कहना अवसरवाद का बढ़िया अपडेट सर्टिफिकेट है। मीठे गवाक्ष से तीखे कटाक्ष करने का बेहतरीन एवं हसीन आइडिया है। बुद्धिजीवी को मित्र बनाना मूर्खता है, लेकिन किसी मूर्ख को बुद्धिमान होने का आभास कराना सबसे कारगर बुद्धिजीविता है। 'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। घर, दफ्तर हो या आस-पड़ोस सरल से सरल काम भी न कर पाने का प्रमाण दिखाकर आपको मूर्ख घोषित कर दिया जाएगा तो आगे कभी कोई काम करने की जिम्मेदारी आपको नहीं मिलेगी। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे। मूर्ख न होकर भी मूर्ख बने रहने से ही दांपत्य जीवन की कुशलता विशेष तो नहीं, मगर शेष बची ही रहती है। जान-बूझकर उल्लू यानी गृहलक्ष्मी के वाहन बने रहने से गृहस्थी की गाड़ी सरपट दौड़ती रहती है। ज्वालामुखी को चंद्रमुखी अर्थात् लालमिर्ची को मिश्री कहने का यह नीक-सलीका भरपूर स्वागतेय है। विद्वता झाड़ते हुए तर्क, वितर्क और कुतर्क से बेकार का भेजा भंजन ही होता है, जबकि जन्म से ही मूर्ख पैदा हुए उच्च पदासीन मंत्री या अफसर को इंटेलीजेंट, ब्रिलिएंट तथा डिलीजेंट होने का आभास कराते रहने से अपना उल्लू सीधा होता रहता है। जनता का सेवक बनकर महानुभाव कितनी मलाई खाते हैं, यह सेवा करवाने वाली जनता खूब जानती और समझती है। दरअसल, जनतंत्र में तो जनता मूर्ख न होकर भी मूर्ख बनती ही रहती है। उसके लिए कोई खास दिन नहीं, हर दिवस सहर्ष मूर्ख दिवस ही होता है। मूर्ख दिवस वास्तव में उन लोगों का ही उत्सव है, जो दीन, हीन और खुद को मूर्ख बताकर दूसरों को मूर्ख बनाते हैं, अपना काम निकलवाते हैं। *

विज्ञापन...
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।
सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। NBC@

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

मेरे लिखने की मेज

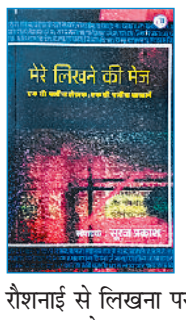

हाल में वरिष्ठ साहित्यकार सूरज प्रकाश के संपादन में 'मेरे लिखने की मेज' पुस्तक छपकर आई है। इसमें नई और वरिष्ठ पीढ़ी के कुल मिलाकर 125 लेखकों की उनके लेखन से जुड़ी दास्तानें दर्ज हैं। यह किताब पढ़कर लेखन प्रक्रिया को अलग-अलग दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है। कोई रचना लिखने की शुरुआत कैसे होती है, उसके लिए अनुकूल स्थिति या वस्तुएं क्या होती हैं, लिखने के पहले और उसके बाद किस तरह का अनुभव होता है, कौन से कारण लिखने के लिए किसी लेखक को विवश करते हैं? ऐसे तमाम सवालों के जवाब किताब में शामिल लेखकों ने दिए हैं। वरिष्ठ लेखक असगर वजाहत अपने लेखन के बारे में कहते हैं, 'सफेद कागज पर काली रौशनाई से लिखना पसंद करता हूं। सफेद को काला करने का जुनून सा उठता रहता है। सफेद कागज मुझे बेचैन कर देता है।' अपने लेखन के बारे में आकांक्षा पारे कहती हैं, 'मुझे रात की जरूरत होती है, जब मुझे पता है, कोई फोन नहीं करेगा, दरवाजे की कोई घंटी नहीं बजेगी।' वरिष्ठ कथाकार प्रकाश मनु लेखन को पूजा-अर्चना की तरह पवित्र कर्म मानते हैं। वह कहते हैं, 'अपने कमरे के जिस कोने में बैठकर मैं लिखता-पढ़ता हूं, वहां गंगा, यमुना, सरस्वती तीनों नदियां बहती हैं। इसलिए उससे पवित्र स्थान तो कोई और हो ही नहीं सकता।' वरिष्ठ कवि लीलाधर मंडलोई अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में कहते हैं, 'लिखते वक्त अपने संगतकारों यानी डायरी, कागज, पेन और लिखने की आधार जगह से संगत बनाता हूं... और मैं आगत रचना के सामने विनत भाव से बैठ जाता हूं।'

भले ही यह किताब किस्से, कहानी या कविता की नहीं है लेकिन इसे पढ़ने के दौरान रोचक कहानियों के पढ़ने जैसा ही आनंद आता है। *

पुस्तकः मेरे लिखने की मेज, संपादकः सूरज प्रकाश, मूल्यः 449 रुपए, प्रकाशकः अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

3 से 5 अप्रैल तक वाराणसी में होगा महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का भव्य मंचन

अब वाराणसी में गूंजेगी सम्राट विक्रमादित्य की शौर्य गाथा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में मोहन सरकार भारतीय ज्ञान परंपरा और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। गौरवमयी अभियान विक्रमोत्सव-2026 के तहत, मोक्षदायिनी नगरी वाराणसी में आगामी 3 से 5 अप्रैल 2026 तक भव्य महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विशेष रुचि और दूरदर्शी सोच का परिणाम है कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से शुरू हुई यह सांस्कृतिक यात्रा अब बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी पहुंच रही है।

भारतीय न्यायप्रियता, वीरता और सुशासन के जीवंत प्रतीक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य केवल एक शासक नहीं, बल्कि भारतीय न्यायप्रियता, वीरता और सुशासन के जीवंत प्रतीक हैं। वाराणसी में होने वाला यह महानाट्य जन-जन को उस वैभवशाली कालखंड से परिचित कराएगा। जब सम्राट विक्रमादित्य ने आज से लगभग 2100 वर्ष पूर्व आक्रांता शकों का समूल नाश कर 'विक्रम संवत' का प्रवर्तन किया था, यह संवत विश्व की प्राचीनतम काल-गणनाओं में से एक है, जो भारतीय विज्ञान और खगोल शास्त्र की श्रेष्ठता को दर्शाता है।

फाइल फोटो

अद्वितीय शौर्य और न्याय का चित्रण

वाराणसी में होने वाली तीन दिवसीय विक्रमादित्य महानाट्य के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के 'शकारि' और 'साहसांक' बनने की गाथा को जीवंत किया जाएगा। नाटक में दिखाया जाएगा कि कैसे एक लोक-कल्याणकारी राजा ने अपने राजकोष से धन देकर प्रजा को ऋणमुक्त किया और एक ऐसा साम्राज्य स्थापित किया, जहां न कोई दरिद्र था और न ही कोई दुखी। साथ ही, सम्राट की 'नवरत्न' परंपरा-जिसमें कालिदास, वराहमिहिर और धन्वंतरि जैसे महान विद्वान शामिल थे-के माध्यम से 'श्रेष्ठ भारत' के निर्माण के संकल्प को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। दिल्ली के लाल किले पर सफल मंचन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सराहना के बाद, वाराणसी का यह मंचन एक नया मील का पत्थर साबित होगा।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विक्रमोत्सव की ऐतिहासिक सफलता

*उज्जैन में आयोजित 'विक्रमोत्सव 2026' ने डिजिटल आउटरीच में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ की रिपोर्ट के अनुसार, 7 फरवरी से 24 मार्च 2026 के बीच इस आयोजन की डिजिटल रीच 17.72 करोड़ से अधिक रही है। सोशल मीडिया पर #**vikramut-sav**2026 जैसे हैशटैग्स ने वैश्विक स्तर पर ट्रेंड किया, जिससे सिद्ध होता है कि युवा पीढ़ी अपनी जड़ों की ओर लौटने को आतुर है। महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ और मप्र संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित यह महानाट्य वाराणसी में न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत करेगा, बल्कि राष्ट्रीय एकता के सूत्र को और अधिक सुदृढ़ करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के संकल्पों के अनुरूप यह आयोजन 'विकसित भारत' की राह में 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' का एक महत्वपूर्ण अध्याय है।*

कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : मुख्यमंत्री

प्रदेश में पेट्रोल-डीजल और गैस की कोई कमी नहीं, आपूर्ति पहले की तरह सामान्य

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया है कि मध्य एशिया में बने हालातों के बावजूद राज्य में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों को घबराने की बिल्कुल आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि पेट्रोलियम पदार्थों की कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई इसमें संलिप्त पाया गया, तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। वे शनिवार को चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग युद्ध जैसे हालातों के बीच आवश्यक वस्तुओं की कमी का भ्रम फैला रहे हैं, जबकि वास्तविक स्थिति सामान्य है। उन्होंने पेट्रोलियम उत्पादों पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे आम जनता को राहत मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान व सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक के. मकरंद पांडुरंग सहित अन्य मौजूद रहे।

- अफवाहों पर ध्यान न दें प्रदेशवासी
- मुख्यमंत्री ने विपक्ष से भी सहयोगा मांगा

4032 पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 4032 पेट्रोल पंप संचालित हैं, जहां प्रतिदिन औसतन 4804 किलोलीटर पेट्रोल और 12003 किलोलीटर डीजल की बिक्री हो रही है। राज्य में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आपूर्ति पहले की तरह सामान्य बनी हुई है।

प्रतिदिन दो लाख सिलेंडर की आपूर्ति 1.90 लाख वितरित किए जा रहे

रसोई गैस की स्थिति पर जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 2 लाख सिलेंडर प्राप्त हो रहे हैं और करीब 1.90 लाख सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं। बॉटलिंग प्लांट्स पर पर्याप्त स्टॉक है और आवश्यक सेवाओं के लिए गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 24 मार्च तक 928 एलपीजी सिलेंडर और 4 वाहन जब्त किए गए हैं। 66 आरोपियों की पहचान कर 8 एफआईआर दर्ज की गई हैं मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाई गई है और अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। साथ ही, प्रदेश स्तर पर मुख्य सचिव और जिला स्तर पर उपायुक्तों की अध्यक्षता में वॉर रूम स्थापित किए गए हैं, ताकि लोगों की समस्याओं का तुरंत समाधान किया जा सके।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने सुखना लेक पर देखा एयर शो

अयोध्या में रामलला के दर्शन करने बुजुर्ग रवाना मुख्यमंत्री ने अंबाला में ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को अंबाला से अयोध्या के लिए तीर्थ यात्रियों की विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अगले महीने अप्रैल के आखरी सप्ताह में श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा (नांदेड़, महाराष्ट्र) के लिए तीर्थ यात्रियों हेतु विशेष ट्रेन जाएगी।इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने तीर्थ यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन पूरे हरियाणा के लिए एक ऐतिहासिक और भावुक क्षण है। भगवान श्रीकृष्ण की इस पावन धरा से भगवान श्रीराम की जन्मभूमि, अयोध्या धाम के लिए इस विशेष तीर्थ ट्रेन को रवाना कर रहे हैं, तो उनको बड़े गर्व अनुभव हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने माना प्रधानमंत्री मोदी

पीएम मोदी की नीतियों से देश में नहीं बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने खाड़ी युद्ध के बीच उपभोक्ताओं के हितों का ध्यान रखते हुए एक बड़ा निर्णय लिया है। पेट्रोल-डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती स्वागत योग्य कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों से देश में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। भारतीय बाजार में तेल की उपलब्धता पर्याप्त रहेगी, उपभोक्ताओं पर भी तेल कीमतों का अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा और देश की तेल रिफायनरियां अपना काम सरलता से करती रहेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी के बीच रामनवमी के दिन इस जनहितैषी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री ने जारी संदेश में ये विचार व्यक्त किए एवं प्रधानमंत्री मोदी का आभार माना है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी के निर्णय पर जताया आभार

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत चुनौतियों को अवसर में बदलकर नई ऊर्जा के साथ उभरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने पश्चिम एशिया में जारी वैश्विक तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिए गए निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प और समर्पण को और प्रगाढ़ करता है और देशवासियों को यह विश्वास दिलाता है कि उनकी सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी रहेगी। इस निर्णय में केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क 13 रुपए से घटाकर 3 रुपए प्रति लीटर, डीज़ल पर 10 रुपए से घटाकर शून्य रुपए प्रति लीटर और विमानन टरबाइन ईंधन के निर्यात पर ड्यूटी लगाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता और संवेदनशील नेतृत्व का प्रतीक है, जो देश की जनता को महंगाई के प्रभाव से बचाने के लिए निरंतर कार्यरत हैं।

मोदी सरकार हमेशा जनता के हितों की रक्षा के लिए तत्पर: खंडेलवाल

हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के चलते और भी वृद्धि की संभावना थी। ऐसे समय में प्रधानमंत्री मोदी ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती कर देश की जनता को राहत देने का जो ऐतिहासिक कदम उठाया है, वह न केवल सरकार की सजगता को दर्शाता है, बल्कि यह भी स्पष्ट करता है कि मोदी सरकार हमेशा जनता के हितों की रक्षा के लिए तत्पर रहती है।

ग्राम बिटकुली उपार्जन केन्द्र की घटना, हजारों बोरियां कम

धान उपार्जन केन्द्र में गड़बड़ी तीन कर्मचारियों पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

जिले के धान उपार्जन केंद्र में एक बड़ी गड़बड़ी का मामला सामने आया है। ग्राम बिटकुली उपार्जन केंद्र में जांच के दौरान दो हजार चार सौ बीस बोरा धान कम पाया गया है। इस गंभीर मामले में जिम्मेदार अधिकारियों ने तीन कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। मिली जानकारी के अनुसार, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक और सहकारिता विभाग की संयुक्त जांच में कई गंभीर अनियमितताएं उजागर हुईं।

जांच दल को केंद्र में मानक गुणवत्ता का धान भी नहीं मिला। भौतिक सत्यापन के दौरान दो हजार चार सौ बीस बोरा धान गायब पाया गया। जांच अधिकारियों ने इसे अमानत में खयानत और वित्तीय गड़बड़ी का गंभीर मामला माना है। इस मामले में शिकायत के बाद पुलिस थाना चंदनू में अपराध दर्ज किया गया। उपार्जन केंद्र बिटकुली के प्रभारी रामनारायण साहू को आरोपी बनाया गया है। वित्तीय प्रभारी शैलेंद्र कोशले और तत्कालीन सहायक समिति प्रबंधक जिनेन्द्र कुमार भी इसमें शामिल हैं। इन तीनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत अपराध दर्ज हुए हैं। यह कार्रवाई उच्च अधिकारियों के निर्देश पर की गई है।

मामले की गंभीरता को देखते की त्वरित कार्रवाई

यह कार्रवाई उप आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक, बेमेतरा के निर्देश पर की गई है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग के नोडल अधिकारी ने भी इस संबंध में निर्देश जारी किए थे। अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कदम उठाया। इसका उद्देश्य उपार्जन केंद्रों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। भविष्य में ऐसी गड़बड़ियों को रोकने के लिए सख्त निगरानी की जाएगी। यह मामला सिर्फ एक केंद्र तक सीमित नहीं हो सकता है। जिले के अन्य धान उपार्जन केंद्रों में भी इसी तरह की गड़बड़ियों की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन अब इन सभी केंद्रों की गहन जांच करने की तैयारी में है। ताकि पूरे जिले में धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जा सके। यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसानों को उनका सही हक मिले।

कैदी के परिजनों को अटेंडेंट के रूप में उसके साथ रहने की शिकायत

कैदी को नियम-कायदों के विपरीत विशेष सुविधाओं का मामला, दो प्रहरी निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

सरगुजा जिला के सेंट्रल जेल अंबिकापुर में एक कैदी को नियमों के विपरीत विशेष सुविधाएं दिए जाने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद जेल प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो प्रहरियों को निलंबित कर दिया है। घटना ने जेल व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक, मनेंद्रगढ़ जेल से स्थानांतरित होकर अंबिकापुर पहुंचे एक सजायाफ्ता कैदी को चिकित्सकीय आधार पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड में भर्ती कराया गया था। इसके लिए डॉक्टर द्वारा गंभीर बीमारी का प्रमाण पत्र जारी किया गया था। आरोप है कि इसके बाद कैदी के परिजनों को अटेंडेंट के रूप में लगातार उसके साथ रहने और आने-जाने की छूट दे दी गई, जिसका दुरुपयोग किया गया। परिजन न केवल वार्ड में बेरोकटोक प्रवेश कर रहे थे, बल्कि मोबाइल फोन का उपयोग, घर का भोजन और मिनरल वाटर जैसी सुविधाएं भी कैदी को उपलब्ध करा रहे थे।

जेल अधीक्षक ने अस्पताल के जेल वार्ड का किया निरीक्षण

मामले की शिकायत मिलने पर जेल अधीक्षक अक्षय सिंह राजपूत ने अस्पताल स्थित जेल वार्ड का निरीक्षण किया। जांच में वार्ड का ताला खुला मिला और नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हुई। इसके बाद ड्यूटी पर तैनात प्रहरी जयप्रकाश कुजूर और लोकनाथ निषाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। साथ ही कैदी के परिजनों को दी गई अटेंडेंट की अनुमति भी रद्द कर दी गई है। जेल प्रशासन के अनुसार मामले की विस्तृत जांच जारी है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पवित्र स्त्रोत के प्रवाह से ही परम्परा का निर्माण : राम

नई दिल्ली। एआई युग में सशक्त मीडिया नियामक संस्था की आवश्यकता हिंदी पत्रकारिता के २०० वर्ष की ऐतिहासिक यात्रा ने कई अहम पड़ाव देखे हैं। समय सापेक्ष बदलाव के साथ हिंदी पत्रकारिता ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया है, एवं समाज को दिशा दिखलाई है। लोकतंत्र, धर्म और संस्कृति के प्रश्नों पर हिंदी पत्रकारिता आज भी सक्षम एवं सशक्त रूप से खड़ी दिखती है। एआई दौर में नैतिकता और नियंत्रण की मांग अत्यंत आवश्यक है। उक्त उद्गार इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र, दिल्ली के अध्यक्ष पद्म भूषण श्री राम बहादुर राय ने विवेकानंद इंस्टिट्यूट ऑफ़ प्रोफेशनल स्टडीज, नई दिल्ली के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित एवं भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 'हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष : आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के दौर में बदलते आयाम एवं चुनौतियां' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। श्री राय ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने अपने 200 वर्षों की यात्रा में राजनीति, धर्म और संस्कृति से जुड़े मूल प्रश्नों को निरंतर उठाया है। उन्होंने 'पेड न्यूज' जैसी अनैतिक प्रवृत्तियों को गंभीर चुनौती बताते हुए चेतावनी दी कि यदि एआई को बिना नियमन के छोड़ा गया तो ऐसी विकृतियां और बढ़ सकती हैं। भारतीय प्रेस परिषद से आगे बढ़कर एक सशक्त कानूनी नियामक तंत्र की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि जो एआई, डिजिटल और सोशल मीडिया पर भ्रामक व हानिकारक सामग्री के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई कर सके, तथा सरकार और मीडिया दोनों से इस दिशा में सहयोग का आह्वान किया। संस्थान के अध्यक्ष डॉ० एस सी वत्स ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता सामाजिक सरोकारों के प्रति गंभीर दिखती है, मूल्य आधारित पत्रकारिता से ही अच्छे राष्ट्र का निर्माण हो सकता है। इस अवसर पर प्रो० प्रमोद कुमार ने एआई को एक अवसर बताते हुए कहा कि इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि प्रश्न किस प्रकार पूछे जाते हैं, जो हमारी बौद्धिक परंपरा से जुड़ा कौशल है। हर तकनीक एक नया अवसर लाती है, एआई को भी हमें उसी रूप में देखना चाहिए। डॉ० अजीत पाठक ने वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना के साथ पत्रकारिता को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि विश्वसनीयता और सामाजिक जिम्मेदारी को सुदृढ़ किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों एवं एसपी के साथ की हाई लेवल मीटिंग

कालाबाजारी पर चला चाबुक: 335 स्थानों पर छापेमारी, 3841 गैस सिलेंडर जब्त और 97 एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने पश्चिम एशिया की हालात को लेकर राजधानी रायपुर स्थित अपने सीएम हाउस में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ हाई लेवल मीटिंग ली। इसमें बताया गया कि राज्यभर में चलाए गए अभियान के तहत 335 स्थानों पर छापेमारी की गई।

इस दौरान जमाखोरी के मामलों में कार्रवाई करते हुए 3841 गैस सिलेंडर जब्त किए गए और 97 एफआईआर दर्ज की गई हैं। हालांकि कालाबाजारी की पुष्टि नहीं हुई है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। किसानों को समय पर खाद मिले, इसके लिए वितरण व्यवस्था की निगरानी बढ़ाने और होल्डिंग पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

जमाखोरी करने वालों पर सख्ती जारी रखने के निर्देश

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी या जमाखोरी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सभी पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों के भंडारण एवं आपूर्ति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए हर परिस्थिति में आमजन तक सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सरकार ने अस्पतालों, छात्रावासों, रेलवे, एयरपोर्ट और अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों में गैस आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं। साथ ही पेट्रोल-डीजल की सप्लाई पर भी लगातार नजर रखने को कहा गया है। सीमावर्ती चेकपोस्ट पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेंडरों की आवाजाही पर निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को रोका जा सके।

सीमावर्ती चेक पोस्टों पर विशेष सतर्कता बरतने के आदेश

मुख्यमंत्री साय ने सीमावर्ती चेक पोस्टों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। गैस सिलेंडरों एवं पेट्रोल-डीजल वाहनों की आवाजाही पर निगरानी रखने के साथ ही निर्देश दिए गए कि पेट्रोल-डीजल को कंटेनरों में आम जनता को उपलब्ध न कराया जाए। केवल अधिकृत मोबाइल टावर एवं जेनसेट संचालित आवश्यक प्रतिष्ठानों को ही कंटेनर में ईंधन उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री साय ने अस्पतालों, छात्रावासों, शैक्षणिक संस्थानों, रेलवे, भारत सरकार की संस्थाओं, सैन्य एवं अर्धसैनिक बलों, समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित संस्थानों और एयरपोर्ट कैंटीनों में गैस आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में निर्देश दिए गए कि गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति से संबंधित समाचारों पर सतत निगरानी रखी जाए। भ्रामक खबरों से भय की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, अतः ऐसी खबरों का तत्काल संज्ञान लेकर वास्तविक जानकारी जनता तक पहुंचाई जाए। सोशल मीडिया की भी विशेष निगरानी रखने और मीडिया प्रतिनिधियों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

अमेरिका-इज़राइल वर्सेस ईरान युद्ध विगत एक महीने से अपनी संपूर्ण विनाशकारी सैन्य शक्ति के साथ निरंतर जारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 दिनों के लिए ईरान के ऊर्जा उपक्रमों पर विध्वंसकारी आक्रमण अंजाम नहीं देने का ऐलान किया है। भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ये चुनौतियां आर्थिक भी हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी और मानवीय भी हैं। फिलहाल देश में पेट्रोल -डीजल का तो कोई तत्काल संकट नहीं है, किंतु कतर का लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन एकदम बंद हो जाने के कारण भारत में लिक्विड नेचुरल गैस और एलपीजी का संकट अवश्य उत्पन्न हो गया है। साफ है कि अब इस संकट का असर वैश्विक सप्लाई चेन, ऊर्जा आपूर्ति और बाजारों पर देखने को मिल रहा है। एकमात्र राहत यह है कि कुछ देशों के पास भंडार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत हैं, लेकिन अगर यह संघर्ष लंबा चला तो एशिया की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। उधर, भारत के पांच राज्यों में होने वाले चुनाव के तहत इन मुद्दों को चुनावी रंग देकर लेकर विपक्ष लगातार मौजूदा सरकार को घेरने में लगा हुआ है, लेकिन फिलहाल केन्द्र सरकार ने अभी तक तो स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है। क्या भारत इस संकट की स्थिति से उबर पाएगा, इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

ऊर्जा संकट की असली चुनौती अभी बाकी

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

ईरान के विरुद्ध इजराइल-अमेरिका द्वारा 28 फरवरी को प्रारंभ किया गया संयुक्त आक्रमणकारी युद्ध विगत एक महीने से अपनी संपूर्ण विनाशकारी सैन्य शक्ति के साथ निरंतर जारी है। यदि यह विनाशकारी युद्ध भविष्य में भी इसी गति से चलता रहा तो फिर पहले से आच्छादित हो चुका वैश्विक ऊर्जा संकट अत्यंत विकट और विकराल स्थिति में पहुंच जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले 5 दिनों के लिए और फिर 10 दिनों के लिए ईरान के ऊर्जा उपक्रमों पर विध्वंसकारी आक्रमण अंजाम नहीं देने का ऐलान किया है। साथ ही यह चेतावनी भी जारी की है कि यदि ईरान द्वारा भविष्य में खाड़ी देशों के ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर ईरान द्वारा आक्रमण किया जाता है तो फिर अमेरिका ईरान के गैस और तेल निर्माण के ठिकानों पर भयंकर आक्रमण अंजाम देगा और उसके तमाम ऊर्जा उपक्रमों को नष्ट कर देगा। साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने दावा पेश किया है कि ईरान के साथ युद्ध को खत्म करने के लिए शांति वार्ता निरंतर जारी है।

अमेरिका द्वारा फिलहाल ईरानी तेल के निर्यात पर पाबंदी समाप्त कर देने का सबसे अधिक फायदा जिन देशों को भविष्य में उपलब्ध हो सकता है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। खाड़ी जंग प्रारंभ होने के बाद विश्व पटल पर एनर्जी मार्केट पर जबरदस्त संकट बढ़ गया है और अमेरिका द्वारा समुद्र में कार्गो जहाज में विद्यमान ईरानी तेल के निर्यात से यह विकट संकट कुछ कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत को अपनी आवश्यकता के 90 प्रतिशत पेट्रोल और डीजल के लिए अंतरराष्ट्रीय आयात पर निर्भर रहना पड़ता है।

भारत पर भी पड़ रहा प्रभाव

युद्ध के कारणवश उत्पन्न हुई वैश्विक ऊर्जा संकट के चलते हुए भारत पर भी इसका जबरदस्त प्रभाव स्थापित हो गया है। फिलहाल भारत में पेट्रोल और डीजल का तो कोई तत्काल संकट उपस्थित नहीं हुआ है। भारत सरकार के अनुसार अभी दो महीनों का पेट्रोल और डीजल स्ट्रैटेजिक रिजर्व के तौर पर भारत के पास विद्यमान है। किंतु कतर का लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन एकदम बंद हो जाने के कारण भारत में लिक्विड नेचुरल गैस और एलपीजी का संकट अवश्य उत्पन्न हो गया है।

वैश्विक ऊर्जा संकट के मध्य एक शुभ समाचार आया कि अमेरिका ने ईरान के क्रूड ऑयल निर्यात पर आयद की गई अंतरराष्ट्रीय पाबंदी को अस्थाई तौर पर स्थूल कर देने का ऐलान किया है। अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज को दिए गए साक्षात्कार में फरमाया है कि डोनाल्ड ट्रंप सरकार द्वारा फिलहाल समुद्र में खड़े हुए ईरान के तेल जहाज पर आयद पाबंदी में अस्थायी तौर पर ढील प्रदान करने का फैसला लिया है। से अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों बैरल तेल की सप्लाई प्रारंभ हो सकती है।

तेल के निर्यात पर पाबंदी हटी

इस युद्ध के कारण शिपिंग और क्रूड ऑयल निर्यात में उत्पन्न हुई गंभीर रुकावट की क्षतिपूर्ति भी हो सकती है। अमेरिका द्वारा फिलहाल ईरानी तेल के निर्यात पर पाबंदी समाप्त कर देने का सबसे अधिक फायदा जिन देशों को भविष्य में उपलब्ध हो सकता है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। खाड़ी जंग प्रारंभ होने के बाद विश्व पटल पर एनर्जी मार्केट पर जबरदस्त संकट बढ़ गया है और अमेरिका द्वारा समुद्र में कार्गो जहाज में विद्यमान ईरानी तेल के निर्यात से यह विकट संकट कुछ कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत को अपनी आवश्यकता के 90 प्रतिशत पेट्रोल और डीजल के लिए अंतरराष्ट्रीय आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। स्कॉट बेसेंट के अनुसार समुद्र में फिलहाल अभी 17 करोड़ बैरल तेल के कार्गो विद्यमान हैं। भले ही ईरानी क्रूड ऑयल की अंतरराष्ट्रीय बिक्री के लिए 10 से 15 दिनों तक छूट क्यों ना प्रदान की जा सकती है। अमेरिकन खरीदारों तक इसके पहुंच की मंजूरी प्रदान करने से क्रूड ऑयल सप्लाई की दिक्कतें कम होने और कीमतों को नियंत्रित करने में निश्चित तौर पर निर्णायक मदद मिल सकती।

चीन सबसे बड़ा खरीदार

इस कदम से ईरान का जो तेल चीन में जा रहा है, वो क्रूड ऑयल दूसरे एशियाई देशों की तरफ भी अपना रुख मोड़ सकता है। इससे चीन को बाजार दर पर तेल खरीदना पड़ सकता है। साथ ही भारत, जापान, मलेशिया, फिलिपींस आदि दक्षिण एशिया के देशों के लिए क्रूड ऑयल उपलब्ध हो सकेगा। चीन अभी तक ईरानी क्रूड ऑयल का सबसे बड़ा खरीदार रहा है। फिलहाल तो भारत की रिफाइनरियों ने समुद्र में विद्यमान कार्गो जहाजों पर लदे हुए लाखों बैरल रूसी क्रूड ऑयल को ही खरीदा है। खाड़ी देशों से आयातित होने वाले क्रूड ऑयल का अधिकांश हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। फिलहाल युद्ध के जारी रहते हुए होर्मुज स्ट्रेट से कार्गो जहाजों की आवाजाही अत्यंत बाधित हो चुकी है। 2018 में ईरान पर सख्त अंतरराष्ट्रीय पाबंदियां आयद किए जाने से पहले तक भारत द्वारा कुल आयातित क्रूड ऑयल का तकरीबन 15 प्रतिशत हिस्सा ईरान से आयात किया जाता था। अमेरिकन वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के मुताबिक इस वक्त तकरीबन ईरान का 17 करोड़ बैरल क्रूड ऑयल समुद्र में कार्गो शिप्स पर विद्यमान है। ईरान का यह समस्त तेल पहले से अनुबंधों से कदाचित बंधा हुआ नहीं है। ईरानी क्रूड ऑयल का एक हिस्सा इस समय विक्रय के लिए तैयार है। अगर अमेरिका द्वारा इन पाबंदियों को ढीला कर दिया जाता है अथवा उनका शक्ति से पालन नहीं होता तो फिर इस क्रूड ऑयल की अतिरिक्त सप्लाई अंतरराष्ट्रीय मार्केट में आ सकती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिफाइनरियां ईरानी तेल को अपने सिस्टम में लाने के लिए सक्षम रही हैं और उसके प्रोसेसिंग के लिए बहुत कम ऑपरेशन बदलाव की आवश्यकता होगी। भारतीय रिफाइनरियों के पास पहले से ही ईरानी क्रूड ऑयल को प्रोसेस करने का बाकायदा अनुभव और तकनीक उपलब्ध रही है।

रिफाइन तेल निर्यात जारी

देखा जाए तो विश्व पटल पर भारत वस्तुतः क्रूड ऑयल को रिफाइन करने वाला सबसे बड़ा चौथा देश है। क्रूड तेल और गैस सप्लाई में विकेट बाधाओं का सामना करते हुए भी भारत ने चीन की तरह रिफाइन तेल के अंतरराष्ट्रीय निर्यात पर रोक आयद नहीं की है। हालांकि भारत के समक्ष भी ऊर्जा संकट की कड़ी चुनौतियां विद्यमान हैं। फिलहाल तो भारत के सामने पेट्रोल-डीजल की समुचित सप्लाई का कोई तत्कालीन संकट उपस्थित नहीं है, किंतु युद्ध जारी रहता है तो फिर भारत में पेट्रोल और डीजल की सप्लाई पर विकट संकट का सामना करना पड़ सकता है। ईरान पर आयद पाबंदियों को ढीला करने के लिए अमेरिका के वित्त मंत्री के ऐलान को अमलीजामा पहनाने में अभी और वक्त लग सकता है, क्योंकि उनके ऐलान पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कोई स्पष्ट ऐलान नहीं किया गया है।

तथ्यात्मक मुद्दों पर वोट करें मतदाता

जागरूकता

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

आगामी कुछ दिनों में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, जिसको लेकर पक्ष-विपक्ष पूरी ताकत लगाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। इन चुनावों में सत्ता पक्ष के लिए चुनौती थोड़ी ज्यादा इसलिए बढ़ी हुई है, चूंकि इस समय ऊर्जा संकट को लेकर माहौल बना हुआ है। अब सवाल यही है कि क्या विपक्ष धरातल व तथ्यात्मक मुद्दों के साथ ऊर्जा संकट का तड़का लगाकर सत्ता पक्ष को घेरता है और वहीं इसके विपरीत सत्ता पक्ष यह बताने में सार्थक हो पाता है कि सब ठीक है।

संसाधनों की मांग बढ़ी

जैसा कि मिडिल ईस्ट तनाव की वजह से देश में ऊर्जा संकट के दौरान बिजली, कोयला, पेट्रोल, या गैस जैसे ऊर्जा संसाधनों की मांग उनकी कुल आपूर्ति से थोड़ी अधिक हो गई। इसकी वजह से ईंधन की कमी के कारण उद्योग, परिवहन, और घरेलू उपयोग की चीजों पर थोड़ा प्रभाव पड़ गया है और यदि यह प्रकरण लंबा चला तो स्थिति थोड़ी चिंताजनक हो सकती है। इन मुद्दों को चुनावी रंग देकर लेकर विपक्ष लगातार मौजूदा सरकार को घेरने में लगा हुआ है, लेकिन फिलहाल केन्द्र सरकार ने अभी तक तो स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है। इस मामले को लेकर जनता को यह समझना होगा कि यह कोई स्थायी समस्या नहीं है और यह आज नहीं तो कल खत्म हो जाएगी, लेकिन वोट देने वाले लोगों को यह समझना होगा कि वह अपने उन मुद्दों पर वोट करें, जिससे वह पांच सालों से संतुष्ट या असंतुष्ट रहे हैं। जनता को यह भी समझना होगा कि यह एक वैश्विक स्तर की आपदा है।

उम्मीदवार की ईमानदारी, उसकी विचारधारा और उसके द्वारा किए गए वादों की व्यावहारिकता पर बहुत कुछ निर्भर करता है, चूंकि कहीं ऐसे नेता भी होते हैं जो पार्टी में रहते हुए उस विचारधारा के विपरित होते हैं।

विश्व पटल पर प्रयास

इसके निवारण के लिए विश्व पटल पर प्रयास भी किया जा रहा है और यदि इस वजह से कुछ समय की लिए देश गति धीमी अर्थात महंगाई बढ़ना या संसाधनों में कमी भी आ जाती है तो इस मुद्दे को लेकर वोट करने पर अपनी विचारधारा न बांधें चूंकि आप जिन मुद्दों को बीते पांच वर्षों से गहनता के साथ समझ रहे हैं, चाहे वो सकारात्मक हो या नकारात्मक उस पर अपनी विचारधारा के साथ अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। जनता को वोट डालते समय अपनी तरक्की, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, और स्थानीय विकास जैसे सड़क, बिजली, पानी के मुख्य मुद्दों को मद्देनजर रखते हुए अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। उम्मीदवार की ईमानदारी, उसकी विचारधारा और उसके द्वारा किए गए वादों की व्यावहारिकता पर बहुत कुछ निर्भर करता है, चूंकि कहीं ऐसे नेता भी होते हैं जो पार्टी में रहते हुए उस विचारधारा के विपरित होते हैं, लेकिन अपनी क्षेत्रीय जनता के लिए काम बहुत बेहतर करते हैं। इन चुनावों में कई मौजूदा मुख्यमंत्रियों के लिए भी यह मुकाबला ऐतिहासिक साबित हो सकता है। ममता बनर्जी चौथी बार लगातार सत्ता में लौटने का लक्ष्य लेकर मैदान में हैं।

लगातार जनादेश पाने की कोशिश

वहीं, एम के स्टालिन दूसरी बार लगातार जनादेश पाने की कोशिश कर रहे हैं। हेमंत बिसवा भी असम में दूसरी बार सरकार बनाने की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि पिनाराई विजयन केरल में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने का रिकॉर्ड बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे तो हर राज्य का चुनाव महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल का चुनाव पक्ष-विपक्ष के लिए वर्चस्व की लड़ाई मानी जाती है। जैसा कि पश्चिम बंगाल का चुनाव फिर से हर बार की तरह मुद्दों से कहीं परे होगा। यहां का चुनाव तो भारत-पाकिस्तान के मैच की तरह रोमांच बनाता है। चूंकि यहां की जनता के मस्तिष्क में पार्टियों ने मुद्दों के अलावा केवल वजूद की लड़ाई को भर रखा है। बहरहाल, हर मतदाता को अपनी सूझबूझता के साथ गुणवत्ता के आधार पर अपने मत का प्रयोग करना चाहिए और यह समझना चाहिए कि केंद्र में बैठी सरकार को अपने देश की चिंता होती है। वह हर स्थिति में संतुलन बनाए रखने का प्रयास करती है। वहीं, जनता को भी समझना होगा कि विषम परिस्थियों में धैर्य और विश्वास ही काम आता है।

तंगी है पर घरेलू भंडारण से उम्मीद

चिंतन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया का तेल भंडार, जिसे हम तेल रिजर्व कहते हैं, वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था और अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है। यह कच्चा तेल यानी क्रूड ऑयल जमीन के अंदर, खासकर समुद्री सतह के नीचे पाया जाता है। इसका निर्माण लाखों-करोड़ों वर्षों में समुद्री जीवों और वनस्पतियों के अवशेषों पर दबाव और तापमान के प्रभाव से होता है। यही कारण है कि तेल एक सीमित प्राकृतिक संसाधन माना जाता है। तेल रिजर्व के काम को तीन मुख्य चरणों में समझा जा सकता है- खोज, उत्पादन और भंडारण। सबसे पहले वैज्ञानिक आधुनिक तकनीकों, जैसे सिस्मिक सर्वे के जरिए यह पता लगाते हैं कि जमीन के नीचे तेल कहां मौजूद हो सकता है। इसके बाद ड्रिलिंग यानी कुओं की खुदाई करके कच्चा तेल बाहर निकाला जाता है।

उन्नत तकनीक और भारी निवेश की जरूरत

यह प्रक्रिया काफी जटिल और महंगी होती है, जिसमें उन्नत तकनीक और भारी निवेश की जरूरत होती है। निकाले गए कच्चे तेल को रिफाइनरियों में भेजा जाता है, जहां उसे पेट्रोल, डीजल, केरोसिन और अन्य उपयोगी उत्पादों में बदला जाता है। लेकिन केवल उत्पादन ही पर्याप्त नहीं होता। हर देश भविष्य की जरूरतों और आपात स्थितियों को ध्यान में रखते हुए तेल का भंडारण भी करता है, जिसे स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व यानी एसपीआर कहा जाता है। अमेरिका, चीन और भारत जैसे बड़े देश अपने-अपने स्तर पर बड़े पैमाने पर तेल का भंडारण करते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि यदि युद्ध, प्राकृतिक आपदा या आपूर्ति में बाधा जैसी स्थिति उत्पन्न हो, तो देश को ऊर्जा संकट का सामना न करना पड़े। भारत ने भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। दक्षिण भारत के विशाखापत्तनम, बेंगलुरु और पादुर जैसे स्थानों पर रणनीतिक तेल भंडार विकसित किए गए हैं। ये भंडार आपात स्थिति में देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सहायक साबित होते हैं।

तेल रिजर्व संकट के समय मजबूत 'बफर' का काम करते हैं। यदि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और नीतियां संतुलित रहें, तो इनकी मदद से कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

घरेलू भंडारण क्षमता काफी मजबूत

यह भी स्पष्ट है कि भारत की घरेलू भंडारण क्षमता पहले की तुलना में काफी मजबूत हुई है। इसके साथ ही, भारत का सीमित घरेलू उत्पादन और विभिन्न देशों के साथ अच्छे संबंधों के चलते कच्चे तेल का आयात भी संतुलित बना हुआ है। यही कारण है कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश की ऊर्जा स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है। तेल रिजर्व केवल ऊर्जा आपूर्ति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका सीधा असर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी कारण से तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो कीमतों में तेजी से वृद्धि होती है। ऐसे समय में देश अपने रणनीतिक भंडार से तेल जारी करके बाजार में आपूर्ति बढ़ाते हैं, जिससे कीमतों के अत्यधिक बढ़ने को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

बाजार को स्थिर रखने की कोशिश

हाल के युद्ध जैसे हालात जैसे ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच तनाव ने एक बार फिर यह दिखाया है कि तेल रिजर्व कितने महत्वपूर्ण हैं। भारत सहित कई देशों ने अपने भंडार का उपयोग कर बाजार को स्थिर रखने की कोशिश की है। केंद्र सरकार का दावा है कि देश में पेट्रोल और डीजल का लगभग 60 दिनों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, जो किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि तेल रिजर्व एक स्थायी समाधान नहीं हैं। इनकी मात्रा सीमित होती है और लंबे समय तक संकट रहने पर इनका असर कम हो सकता है। इसके अलावा, तेल की कीमतें काफी हद तक तेल उत्पादक देशों के संगठन, ओपेक की नीतियों पर भी निर्भर करती हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि तेल रिजर्व युद्ध और संकट के समय एक मजबूत 'बफर' का काम करते हैं। यदि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और नीतियां संतुलित रहें, तो इनकी मदद से कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

पश्चिम एशिया युद्ध अर्थव्यवस्था पर बढ़ाएगा दबाव

चुनौती

रवि शंकर

स्वतंत्र स्तंभकार

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इसका असर अब एशियाई देशों पर साफ दिखने लगा है। एशिया के ज्यादातर देश तेल और गैस के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर हैं, इसलिए सप्लाई में रुकावट आते ही कीमतें बढ़ गई हैं। इसका सीधा असर इन देशों के खर्च, व्यापार और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

ऊर्जा की कीमतें बढ़ना सिर्फ पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहता। इसका असर ट्रांसपोर्ट, बिजली, खेती और खाने-पीने की चीजों तक पहुंचता है। गैस की कमी से फर्टिलाइजर उत्पादन प्रभावित होता है, जिससे खेती महंगी हो जाती है और फूड प्राइस बढ़ने लगते हैं। ऐसे में तेल की कीमत बढ़ते ही आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ता है। इस संकट का असर एक नहीं, बल्कि चार बड़े चैनलों से एशिया तक पहुंच रहा है। पहला, तेल और गैस के आयात महंगे हो रहे हैं। दूसरा, ट्रांसपोर्ट और हवाई यात्रा बाधित हो रही है, जिससे टूरिज्म पर असर पड़ रहा है।

तीसरा, पश्चिम एशिया से आने वाली रेमिटेंस में कमी का खतरा है। और चौथा, वित्तीय बाजारों में डर बढ़ रहा है, जिससे निवेश कम हो सकता है। इन चारों का संयुक्त असर अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ सकता है। पश्चिम एशिया में उभरे इस संकट से भारत भी अछूता नहीं। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिमी एशिया में उपजे संकट पर लोकसभा में बात रखी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ता तनाव वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम लोगों के जीवन पर प्रतिकूल असर डाल रहा है, जिसका प्रभाव भारत पर भी पड़ सकता है।

साफ है कि अब इस संकट का असर वैश्विक सप्लाई चेन, ऊर्जा आपूर्ति और बाजारों पर देखने को मिल रहा है। बता दें, भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है। यह आपूर्ति मुख्यतः खाड़ी देशों से ही होती है। इस आयात का ज्यादातर हिस्सा केवल एक अस्थिर क्षेत्र यानी पश्चिम एशिया से आता है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में किसी भी रुकावट को नीति निर्माताओं और तेल कंपनियों के लिए तत्काल चिंता का विषय बना देता है। फिर भी, भारत के ऊर्जा योजनाकारों का तर्क है कि 1970 दशक के खाड़ी संकटों की तुलना में आज देश ऐसी बाधाओं से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए जानबूझकर अपनी कच्चे तेल की स्रोत रणनीति में विविधता लाया है। भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र भविष्य के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है।

इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं। इन देशों से आने वाला तेल जामनगर, वडीनार और पारादीप जैसे भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचने से पहले होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। ऐसे में इस जलमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार संतुलन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

ये चुनौतियां आर्थिक भी हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ी हैं और मानवीय भी हैं। कुल मिलाकर, यह संकट एशिया के लिए एक डबल झटका बनकर सामने आ रहा है। एक तरफ महंगी ऊर्जा और बढ़ती महंगाई, और दूसरी तरफ धीमी होती आर्थिक ग्रोथ। दुनिया के कई ऐसे देश हैं, जहां इस संकट का असर दिखना शुरू हो गया है। एकमात्र राहत यह है कि कुछ देशों के पास भंडार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत हैं लेकिन अगर यह संघर्ष लंबा चला, तो एशिया की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।

रणनीतिक स्वायत्तता की परीक्षा

ऐसे में पश्चिम एशिया का संकट केवल विदेश नीति की चुनौती नहीं है, बल्कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की एक व्यापक परीक्षा है, जो ऊर्जा, खाद्य, समुद्री क्षेत्र, प्रवासी समुदाय और आर्थिक सुरक्षा के बीच गहरे अंतर्संबंधों को उजागर करती है। इससे मिलने वाला स्थायी सबक यह है कि लचीलापन बार-बार आने वाले झटकों से निपटने में नहीं, बल्कि विद्युतीकरण, विविधीकरण, घरेलू क्षमता निर्माण और दीर्घकालिक रणनीतिक दूरदर्शिता के माध्यम से बाहरी निर्भरता को व्यवस्थित रूप से कम करने में निहित है।

वस्तुओं-सेवाओं पर आर्थिक मार से आम आदमी त्रस्त

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

यह कठोर सत्य है कि विज्ञान, प्रगति, तकनीक तथा आधुनिकता की अति ने लोगों व देशों के मतभेदों को भयंकर वैश्विक युद्धों में परिवर्तित कर दिया है। इजराइल और ईरान के मध्य लगभग एक महीने से युद्ध हो रहा है। अमेरिका भी इजराइल की ओर से युद्धरत है। युद्धक प्रक्षेपास्त्रों द्वारा हो रहे हमलों के कारण इजराइल, ईरान तथा अमेरिकी सैन्य संरचनाओं व अन्य संसाधनों को अपने यहां स्थापित करने वाले खाड़ी के देशों सऊदी अरब, यूएई, कतर, बहरीन, इत्यादि में हजारों लोग मर चुके हैं। हजारों की संख्या में बुरी तरह घायल हैं।

इन सभी देशों के महत्वपूर्ण शासकीय भवन, आवासीय परिसर तथा तेल व गैस की संरचनाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। लाखों मानवों के सामने भूख-प्यास से पीड़ित होते हुए दीर्घ विस्थापन का संकट पसर चुका है। इन देशों में अब तक चली आ रही जीवन की सामान्य गतिविधियां ठप हैं। अमेरिकी मिसाइलों द्वारा ईरान के परमाणु संवर्द्धन स्थलों, तेल-गैस की संरचनाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक ठिकानों पर किए गये अनेक हमलों के कारण ईरान के माध्यम से यूरोप व एशिया को होने वाली तेल-गैस की आपूर्ति तात्कालिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि आगामी दिनों-महीनों के लिए भी बाधित हो गई है।

हालांकि वैश्विक तेल आपूर्ति में ईरान की हिस्सेदारी लगभग दो या तीन प्रतिशत है, किंतु दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पहुंचने वाला बीस प्रतिशत कच्चा तेल व द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) ईरान, ओमान व संयुक्त अरब अमीरात की समुद्री सीमाओं के रास्ते होकर पहुंचता है। ईरान पर दशकों से लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत भी अपनी आवश्यकता का तेल व गैस रूस और इराक से खरीद रहा था, लेकिन भारत तक जो भी 40 प्रतिशत कच्चा तेल व 54 प्रतिशत से अधिक एलएनजी आती है, उसका आयात संकरे होर्मुज मार्ग से ही संभव हो पाता है। भूमध्य सागर की इस समुद्री पारिस्थितिकी के एक माह तक युद्ध में फंसे होने के कारण, दुनिया को निर्यात होने वाला तेल-गैस ठप हो गया था। अब, जब अमेरिका से लेकर भारत, चीन से लेकर रूस तथा यूरोप से लेकर पश्चिम व पूरे एशिया क्षेत्र में तेल-गैस की सुचारू आपूर्ति बाधित होने से, अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में ठहराव के गंभीर संकेत मिलने लगे हैं तो अमेरिका के नेतृत्व में युद्ध को रुकवाने की कोशिशें होने लगी हैं। हालांकि युद्ध को रोकने के लिए पूरी दुनिया के प्रमुख देश प्रयास तो कर ही रहे थे, किंतु जिन देशों के अस्त्र-शस्त्र विनिर्माताओं व कारोबारियों के कारोबारी हित युद्ध को चलाये रखने के साथ जुड़े हुए थे, एक महीने तक उनके हथियारों की युद्धक खपत के बाद अर्थात युद्ध की बदौलत चलने वाले उनके कारोबारी फायदे के बाद, अब तेल-गैस की आपूर्ति बाधित होने से होने वाले अखिल वैश्विक नुकसान की समीक्षा होने लगी है।

युद्ध के आलोक में भारत को देखें तो देश में तेल-गैस के क्षेत्र में कुछ सीमा तक आत्मनिर्भर होने के बाद भी, अभी भी, बड़ी मात्रा में हम आयात पर ही निर्भर हैं।

वैश्विक ग्राम में परिवर्तित दुनिया के शीर्ष दस देशों की अर्थव्यवस्था की चमक केवल युद्ध होते रहने से नहीं बढ़ेगी। उत्तर आधुनिक काल के जीवन की सामान्य दैनिक गतिविधियों के बल पर ही यह चमक बढ़ेगी, इसलिए अब विशेषकर अमेरिका की ओर से युद्ध थामने की कोशिशें होने लगी हैं। यदि युद्ध के आलोक में भारत को देखें तो पूरी दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाले इस देश में तेल-गैस के क्षेत्र में कुछ सीमा तक आत्मनिर्भर होने के बाद भी, अभी भी, बड़ी मात्रा में हम आयात पर ही निर्भर हैं, जो होर्मुज के युद्ध प्रभावित होने से एक माह की अवधि तक पिछड़ गई है। ऐसे में भारत के आम आदमी के सामने अनेक समस्याएं उभर रही हैं। तेल-गैस की सामान्य आपूर्ति नहीं हो पा रही। युद्धावधि के दौरान घरेलू व व्यावसायिक गैस की कीमतें भी बढ़ गई थीं। आगामी दिनों में भी कीमतें बढ़ सकती हैं। उद्योग आधारित अर्थव्यवस्था में तेल-गैस प्रमुख भूमिका में हैं। इनकी आपूर्ति में बाधा के कारण उद्योग, व्यापार में ठहराव है। परिवहन क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित है। आधुनिक जीवन व्यवस्था में एक वस्तु की आपूर्ति में संकट उत्पन्न होने से अनेक अन्य वस्तुओं-सेवाओं का व्यापार अवश्य प्रभावित होता है।

तेल व गैस मुख्य पांच आवश्यकताओं में शामिल हैं। भविष्य में ऐसे किसी भी संकट का सामना करने के लिए देश को ऊर्जा, ईंधन के क्षेत्र में पूर्णतः आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है। भारत के शासनतंत्र में विपक्ष की भूमिका, वैश्विक युद्धों तथा प्राकृतिक संकटों की पुनरावृत्ति के बाद भी नागरिकों के प्रति दायित्वबोधी नहीं हो पा रही है। विपक्ष के कारण भारतीय लोकतंत्र के प्रति अधिसंख्य संवेदनशील नागरिकों में मौन गंभीर विद्रोह पसर रहा है।

घुसपैठ, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, महिला असुरक्षा, राजनीतिक हिंसा और उद्योगों के पलायन पर साधा निशाना

अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ जारी की चार्जशीट, ममता को कठघरे में खड़ा किया

केंद्रीय गृहमंत्री बोले, बंगाल में सिंडिकेट राज, कट-मनी और वोट बैंक की राजनीति हावी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार के 15 वर्षों के शासन के खिलाफ चार्जशीट जारी की। उन्होंने घुसपैठ, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, महिला असुरक्षा, राजनीतिक हिंसा और उद्योगों के पलायन को प्रमुख मुद्दा बताते हुए आरोप लगाया कि बंगाल में सिंडिकेट राज, कट-मनी और वोट बैंक की राजनीति हावी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस बार के विधानसभा चुनाव में बंगाल की जनता भय छोड़कर भाजपा पर भरोसा दिखा कर "सोनार बांग्ला" के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगी। शाह ने कहा कि बंगाल में चुनाव की घोषणा हो चुकी है और भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के लिए बड़े आत्मविश्वास के साथ चुनावी मैदान में उतरे हैं। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भी चुनाव से पहले पूरे बंगाल का दौरा कर राज्य में फैली अव्यवस्थाओं, अराजकता और आर्थिक बदहाली तथा विशेष रूप से घुसपैठ के मुद्दे को बंगाल के जन-जन तक पहुँचाने का कार्य किया है।

बंगाल का चुनाव पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण

बंगाल का यह चुनाव बंगाल के लिए तो महत्वपूर्ण है ही, साथ ही पूरे देश के लिए भी महत्वपूर्ण है। पूरे देश की सुरक्षा एक प्रकार से बंगाल के चुनाव से जुड़ी हुई है। असम में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद वहाँ से घुसपैठ कमोबेश समाप्त हो गई है और अब एक ही रास्ता बचा है, जहाँ से घुसपैठ होकर घुसपैठिए पूरे देश में फैलते हैं तथा देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करते हैं। इसलिए यह चुनाव बंगाल के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण है और देश की सुरक्षा की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाजपा ने यह तय किया है कि तृणमूल कांग्रेस के शासन के खिलाफ जनता के जो मुद्दे हैं, उन्हें आवाज़ दी जाएगी, जनता की आवाज़ को मुखर करते हुए बंगाल और देश की जनता के सामने प्रस्तुत किया जाएगा तथा तृणमूल के शासन में फैली अराजकता का समाधान और उसका स्पष्ट जवाब भी आने वाले चुनाव में प्रस्तुत किया जाएगा।

यह 'चार्ज शीट' बंगाल की जनता की ओर से

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रेस वार्ता कहा कि भले ही तृणमूल कांग्रेस इसे भाजपा का चार्जशीट बताए, लेकिन यह वास्तव में बंगाल की जनता द्वारा ममता बनर्जी की सरकार के खिलाफ लगाया गया चार्जशीट है, जिसे भाजपा आवाज़ दे रही है। आने वाला चुनाव इस बात को तय करेगा कि बंगाल की जनता भय को चुनती है या भरोसे को। भय के आतंक से मुक्ति पाकर जिस प्रकार देश भरोसे के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है, उसी के साथ बंगाल को भी जुड़ना चाहिए और यही इस चुनाव का निर्णयकारी प्रश्न है। पिछले पंद्रह वर्षों में भय, भ्रष्टाचार और भेदभाव की राजनीति चली है और झूठ, डर तथा हिंसा के सहारे राजनीति को आगे बढ़ाने की एक नई राजनीतिक थ्योरी ममता बनर्जी ने प्रस्तुत की है।

चार्जशीट में टीएमसी का काला चिट्ठा

शाह ने कहा कि किसी भी सरकार के चुने जाने का आधार जनकल्याण के कार्य होते हैं, जबकि तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने का आधार झूठ, डर और हिंसा रहा है। भारतीय जनता पार्टी वर्ष 2011 से ही इसके खिलाफ संघर्ष कर रही है और उन्हें विश्वास है कि इस बार बंगाल की जनता पूर्ण बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने जा रही है। यह चार्जशीट तृणमूल कांग्रेस के पंद्रह वर्षों के काले चिट्ठों का संकलन है और सोनार बांग्ला का स्वप्न दिखाकर सिंडिकेट राज स्थापित कर जनता का शोषण करने वाले शासन की कहानी प्रस्तुत करती है।

टीएमसी बंगाल भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बनी

तृणमूल कांग्रेस के कुशासन में बंगाल भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बन चुका है, जहाँ ऊपर से नीचे तक सफेदपोश आपराधिक सिंडिकेट जनता को परेशान कर रहे हैं। विकास के अभाव में बंगाल उद्योगों के लिए एक प्रकार से ग्रेवयार्ड बन गया है। बंगाल में घुसपैठियों को संरक्षण दिया जाता है और तुष्टिकरण सरकार का मिशन बन चुका है। भ्रष्टाचारी स्थापित रूप से राजनीतिक व्यवस्था में पहुँच चुके हैं, कट-मनी का कलेक्शन आम बात हो गई है और सिंडिकेट पर कोई कार्रवाई नहीं करना इस सरकार का स्वभाव बन गया है।

भय को समाप्त कर भरोसा बनाएगी भाजपा

शाह ने कहा कि यह चुनाव शांति के भरोसे का, सम्मानजनक जीवन की गारंटी का और गरीबों को मुफ्त इलाज मिलने के विश्वास का चुनाव है। यह चुनाव इस भरोसे का है कि पक्के घर का अधिकार सिंडिकेट न छीन सके, मुफ्त बिजली हर गरीब तक पहुँचे और हर घर में नल से जल उपलब्ध हो। यह युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और घुसपैठियों से मुक्त एक बंगाली समाज के निर्माण के विश्वास का चुनाव है और यही भरोसा आज बंगाल के चुनाव का मुख्य मुद्दा बन गया है। भय को समाप्त कर भरोसे को स्थापित करना ही लक्ष्य है, जिसका अर्थ है तृणमूल कांग्रेस को हटाकर भाजपा का शासन स्थापित करना।

अंग, बंग और कलिंग में एक ही पार्टी का शासन होगा

उन्होंने कहा कि बंगाल जीतने के साथ ही लंबे समय के बाद अंग, बंग और कलिंग, तीनों क्षेत्रों में एक ही पार्टी का शासन होने जा रहा है। बिहार में एनडीए का शासन है, उड़ीसा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और अब बंगाल में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है, जिससे पूर्ण बहुमत की सरकार बंगाल के विकास की गारंटी बनेगी।

ममता ने विक्टिम कार्ड की राजनीति की

ममता बनर्जी ने हमेशा विक्टिम कार्ड की राजनीति की है। कभी पैर तुड़वाने, कभी सिर पर पट्टी बंधवाने, कभी बीमार होने और कभी चुनाव आयोग के सामने स्वयं को असहाय दिखाने के माध्यम से। बंगाल की जनता अब इस राजनीति को भली-भांति समझ चुकी है और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर अपशब्द कहना बंगाल की संस्कृति के अनुरूप नहीं है।

एसआईआर पूरे देश में हो रही

एसआईआर के मुद्दे पर भी स्पष्टता आवश्यक है और यह प्रक्रिया पूरे देश में हो रही है, लेकिन केवल बंगाल में ही न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति की आवश्यकता पड़ी। तमिलनाडु और केरल में भी एसआईआर हुआ, जहाँ क्रमशः डीएमके और कम्युनिस्टों की सरकार है, फिर भी वहाँ कोई न्यायालयी विवाद नहीं हुआ। बंगाल में ऐसी क्या परिस्थिति बनी कि सर्वोच्च न्यायालय को न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति करनी पड़ी, इसका उत्तर ममता बनर्जी को बंगाल की जनता के सामने देना चाहिए।

असम में भाजपा का रोड शो

90 सीटें जीतकर बनाएंगे सरकार

शाह ने शनिवार को असम चुनाव के मद्देनजर गुवाहाटी में रोड शो किया। असम में भाजपा ने कई बड़े चेहरों के साथ पूरी ताकत झोंक दी है। अमित शाह के साथ भाजपा के प्रचार वाहन पर पार्टी के नेता प्रद्युत बोरदोलोई भी साथ दिखे। उन्होंने कहा कि हम तीसरी बार भारी बहुमत से असम में सरकार बनाने जा रहे हैं। असम की जनता भाजपा और एनडीए की सरकार बनाने के लिए उत्सुक है। हम 90 से अधिक सीटों के साथ सरकार बनाएंगे।

केरल कांग्रेस का दावा

विजयन का आत्मविश्वास फर्जी राज्य में एंटी-इंकबेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने केरल की लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सीएम पिनाराई विजयन के सत्ता में वापसी के दावे को फर्जी आत्मविश्वास करार देते हुए कहा कि राज्य में मजबूत एंटी-इंकबेंसी है।

आचार संहिता के उल्लंघन में कन्नूर के सूचना अधिकारी निलंबित

केरल के कन्नूर जिले में शनिवार को एक सूचना अधिकारी को निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई आचार संहिता लागू होने के दौरान लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट की एक शिकायत से जुड़ी विवादास्पद प्रेस विज्ञप्ति जारी करने के मामले में हुई है। जिला सूचना कार्यालय के एक अधिकारी ने इसे जारी किया था। इस मामले ने केरल में सियासी सरगर्मी को और बढ़ा दिया है।

कांग्रेस नेता सतीशन पर आरएसएस से मदद लेने का आरोप

केरल की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया है। संघ परिवार से जुड़े नेता आरवी बाबू ने यूडीएफ चेयरमैन वीडी सतीशन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सतीशन ने 2001 और 2006 के विधानसभा चुनाव जीतने के लिए आरएसएस से समर्थन मांगा था।

बीरभूम के लावपुर में अभिषेक की सभा के बाद पंडाल में लगी आग

टीएमसी महासचिव अभिषेक बेनर्जी ने शनिवार को बीरभूम के लवपुर में पार्टी उम्मीदवार अभिजीत सिन्हा के समर्थन में एक जनसभा आयोजित की। सभा समाप्त होने के कुछ ही समय बाद मंच पर आग लग गई।

चार्जशीट पर टीएमसी का आरोप-पत्र से पलटवार

'आरोप-पत्र' पर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने पलटवार करते हुए भाजपा के खिलाफ 'चार्जशीट' जारी की है। टीएमसी ने न केवल भाजपा-शासित राज्यों में महिला सुरक्षा पर सवाल उठाए, बल्कि मणिपुर में जातीय हिंसा, बंगाल में डिटेंशन कैंप मॉडल लागू करने की बात कही है।

खबर संक्षेप

तत्कालीन डीआईजी पर हमला, 16 को उम्रकैद

मुरादाबाद। यहां के बहुचर्चित 15 साल पुराने मैनाठेर कांड में

अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए तत्कालीन डीआईजी पर जानलेवा हमले में दोषी करार दिए गए 16 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। शनिवार को एडीजे-दो कृष्ण कुमार की अदालत ने यह आदेश दिया। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

आरजीआईटी यूनिवर्सिटी फर्जी, डिग्री अमान्य

नई दिल्ली। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन ने शनिवार को देशभर में

चल रही फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची में एक यूनिवर्सिटी का नाम और जोड़ दिया। यूजीसी ने राजस्थान के राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट संस्थान को नकली यूनिवर्सिटी की लिस्ट में डाल दिया है। यह अलवर में है। यूजीसी ने नोटिफिकेशन दिया है।

राममंदिर में 2 अप्रैल को ध्वजारोहण करेंगे कटियार

अयोध्या। यूपी के अयोध्या में राम मंदिर के परकोटा स्थित हनुमान

मंदिर में 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया जाएगा। इसकी अगुवाई 'बजरंगी' के नाम से विख्यात विनय कटियार करेंगे। सभी पूर्व संयोजक, 50 साधु-संत व 200 मेहमान होंगे।

नबीन व नीतीश 10 को लेंगे राज्यसभा की शपथ

नई दिल्ली। बिहार के सीएम नीतीश कुमार और भाजपा अध्यक्ष

नितिन नबीन 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद की शपथ लेंगे। शिवेश राम, रामनाथ ठाकुर और उपेंद्र कुशवाहा भी शपथ लेंगे। चर्चा है कि मुख्यमंत्री नीतीश और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को 30 मार्च तक बिहार विधानमंडल की सदस्यता छोड़नी होगी।

नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी द्वारा ली गई बैठक में हुए शामिल

हरियाणा में एलपीजी सिलेंडर से जुड़ी नहीं कोई समस्या, निर्बाध रूप से सप्लाई जारी: राजेश नागर

मंत्री राजेश नागर का आह्वान ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ता लें पीएनजी का कनेक्शन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

हरियाणा के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर से जुड़ी कोई समस्या नहीं है। प्रदेश में निर्बाध रूप से गैस सिलेंडर की सप्लाई जारी है। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से आह्वान किया कि जहां जहां पीएनजी गैस की सप्लाई है, वहां अधिक से अधिक उपभोक्ता पीएनजी गैस का कनेक्शन लें। नागर ने बताया कि शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने सभी राज्यों के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्रियों के साथ बैठक की और राज्यों के मौजूदा हालात की समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान सभी से सुझाव लिए गए और संभावित समस्याओं के बारे में भी विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि राज्य में एलपीजी गैस की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और कहीं से भी किसी प्रकार की कमी की सूचना नहीं है।

मंडियों में फसल खरीद की सभी व्यवस्था पूरी: खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने बताया कि प्रदेश में फसल खरीद को लेकर मंडियों में सभी व्यवस्थाएं पूरी है। इस संबंध में सभी जिला उपयुक्तों को निर्देश दिया गए हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वयं भी कुछ मंडियों का दौरा किया है, जहां लगभग सभी व्यवस्थाएं सही पाई गई।

डीजल और पेट्रोल की सप्लाई निर्बाध रूप से जारी

मंत्री राजेश नागर ने पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता पर स्पष्ट किया कि राज्य में ईंधन की सप्लाई निर्बाध रूप से जारी है। कुछ पेट्रोल पंपों पर आई अस्थायी समस्या वाहनों की तकनीकी खराबी के कारण थी, जिसे तुरंत ठीक कर लिया गया। मंत्री नागर ने भरोसा जताया कि जैसे राज्य ने कोविड-19 के कठिन दौर में एकजुट होकर चुनौतियों का सामना किया था, उसी तरह वर्तमान परिस्थितियों में भी सरकार और प्रशासन पूरी तरह सजग और तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और पूरी टीम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और राज्य में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

अयोध्या के राजघाट में महायज्ञ

अज्ञात कारणों से लगी भीषण आग से मची अफरा-तफरी

आग ने सब कुछ खाक कर दिया

एजेंसी ⏭ अयोध्या

यहां के राजघाट में हो रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ, स्वामी जी महाराज के द्वारा कराया जा रहा है। महायज्ञ परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की अध्यक्षता में कराया जा रहा है। फायर ब्रिगेड की रेस्क्यू टीम मौके पर मौजूद हैं और रेस्क्यू में जुटी हैं। मौके पर दमकल की 4 गाड़ियों ने आग पर काबू पाने की मशक्कत की। लक्ष्मी नारायण महायज्ञ राजघाट बाटी वाले बाबा घाट के निकट चल रहा था तभी आग लग गई। प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के साथ गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह भी मौजूद थे।

अंतिम आहुति से पहले ही लग गई आग

उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह द्वारा आयोजित इस महायज्ञ का आज सातवां और आखिरी दिन था। शाम 6:00 बजे पूर्णाहुति और अंतिम आहुति का कार्यक्रम निर्धारित था, लेकिन दोपहर में अचानक उठी चिंगारी ने देखते ही देखते पूरी यज्ञशाला को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

मंत्री बोले- किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई

मंत्री दयाशंकर ने कहा कि सबसे बड़ी संतोष की बात यह है कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। प्रशासन की ओर से टेक्निकल टीम को जांच के लिए लगाया जाएगा ताकि वास्तविक कारणों का खुलासा हो सके।

अखिलेश ने कहा- यह प्रशासन की कमी

सपा सुप्रीमो अकिलेश यादव ने कहा कि आग सही प्रबंधन-प्रशासन की कमी को दर्शाती है। आशा है सब सुरक्षित होंगे। इस बात की जांच हो कि इस यज्ञ की व्यवस्था के पीछे जो आर्थिक और मानवीय स्रोत लगे थे, उनके पीछे कौन था। यज्ञ के नाम पर मंत्री जी से संबंधित विभाग से विभागीय स्तर पर बड़ी वसूली हुई और विशेषज्ञों की देखरेख के बिना ही ये आयोजन हुआ।

अलवर में किसान की मदद का अनोखा वीडियो आया सामने

फ्रांस से आए पर्यटकों ने खेत में काटे गेहूं

एजेंसी ⏭ अलवर

अलवर ग्रामीण क्षेत्र के सोदानपुरा गांव के पास सिलीसेढ़ रोड पर एक अलग ही दृश्य देखने को मिला, जब फ्रांस से आए विदेशी पर्यटक खेत में काम कर रहे किसान के साथ जुड़ गए। यह नजारा वहां मौजूद लोगों के लिए खास बन गया और ग्रामीण परिवेश में एक सकारात्मक संदेश छोड़ गया।

जानकारी के अनुसार, किसान चेतराम गुर्जर अपने खेत में थ्रेसर मशीन से गेहूं निकाल रहे थे। इसी दौरान सिलीसेढ़ घूमने आए विदेशी पर्यटकों की नजर खेत में चल रहे कार्य पर पड़ी। किसानों की मेहनत को करीब से देखने की इच्छा से वे खेत में पहुंचे और थ्रेसर में गेहूं के पूले लगाने में सहयोग करने लगे।

विदेशी पर्यटकों ने खेत में काम करने के इस अनुभव को अपने कैमरे में भी कैद किया। उनके लिए यह ग्रामीण जीवन और खेती-किसानी को नजदीक से समझने का एक नया अनुभव रहा, जिसे उन्होंने उत्साह के साथ साझा किया।

ग्रामीणों में उत्साह, सहयोग की सराहना

स्थानीय निवासी निहाल सिंह ने बताया कि मौसम को देखते हुए इन दिनों किसान तेजी से गेहूं की फसल निकालने में जुटे हुए हैं। ऐसे समय में विदेशी पर्यटकों का किसानों के साथ काम करना ग्रामीणों के लिए खुशी का विषय बन गया। इस दृश्य को देखकर ग्रामीणों में भी उत्साह नजर आया और उन्होंने इस सहयोग की सराहना की।

किसान-पर्यटक मिलन की बनी मिसाल

इस अनोखे पल ने गांव में एक सकारात्मक माहौल तैयार किया और किसान तथा पर्यटकों के बीच सहयोग और समझ का उदाहरण प्रस्तुत किया। यह दृश्य न केवल स्थानीय लोगों के लिए खास रहा, बल्कि सांस्कृतिक जुड़ाव की भावना को भी दर्शाता है।

ओडिशा में दर्दनाक हादसा

नयागढ़ में पर्यटक बस पलटी 5 यात्रियों की मौत, 10 जख्मी

एजेंसी ⏭ नयागढ़

ओडिशा में शनिवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे और तेज तूफान

ने मिलकर तबाही मचा दी। नयागढ़ जिले में एक टूरिस्ट बस के पलटने से 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक यात्री घायल हो गए। मयूरभंज और पुरी जिलों में आए तेज आंधी-तूफान के कारण तीन लोगों की जान चली गई।

तेज रफ्तार बनी वजह

यह हादसा रात करीब 2 बजे हनुमान घाटी रोड पर दासपल्ला इलाके में हुआ, जब 55 यात्रियों से भरी बस मोड़ लेते समय पलट गई। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। मृतकों की पहचान हरी पात्रा, लक्ष्मी पात्रा, सुप्रभा साहू, सुमति और चालक प्रवीण कुमार साहू के रूप में हुई है, जो सभी बरहामपुर के निवासी थे। घायलों को तुरंत बचाव दल ने बाहर निकालकर दासपल्ला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

दुष्कर्म में मदद के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया अहम फैसला

मददगार महिला को 10 साल का सश्रम कारावास

पीड़िता को बहला-फुसलाकर बुलाया और मौजूद रही

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दुष्कर्म में सहायता करने के आरोप में एक महिला को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने सजा में नरमी न बरतने का मुख्य कारण आपराधिक गतिविधियों में उसकी निरंतर संलिप्तता को बताया है। महिला के बरी के ट्रायल कोर्ट के निर्णय के खिलाफ पुलिस की अपील याचिका पर कोर्ट ने माना कि दोषी ने अपराध में सक्रिय भूमिका निभाई थी। अदालत ने पाया कि उसने पीड़िता को बहला-फुसलाकर बुलाया और दुष्कर्म के दौरान वहां मौजूद रही।

70,000 का जुर्माना भी लगाया

अदालत ने महिला को 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई और 70,000 का जुर्माना भी लगाया। निर्देश दिया कि पीड़िता को जुर्माना राशि में से 50,000 हजार मुआवजा के रूप में दिया जाए।

कोर्ट ने यह भी कहा

दोषी ने इस आधार पर नरमी बरतने की अपील की कि उसे लंबे समय तक चले मुकदमे का सामना करना पड़ा और वह लगभग नौ महीने तक हिरासत में रही। उसका एक 5वर्षीय बच्चा है जिसकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। अदालत ने कहा कि अपराध के बाद भी दोषी का रवैये में सुधरा हुआ नहीं दिखा है। महिला इसके बाद भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रही है। महिला के खिलाफ हत्या के मामले में भी प्राथमिकी हुई थी और वह न्यायिक हिरासत में है इससे पता चलता है कि एक घटना के बाद भी महिला आपराधिक वारदातों में शामिल रही।

सुप्रीम कोर्ट का सभी हाईकोर्ट को कड़े निर्देश जारी

दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर न हो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर किए जाने पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे सबसे कड़े शब्दों में निंदनीय बताया है। शीर्ष अदालत ने सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोर्ट के आदेशों में पीड़िता या उसके परिवार की पहचान किसी भी रूप में सामने न आए।

सिप+हिप+ टिप पैसा बनाने के साथ देते हैं लाइफ और सुरक्षा

सुझाव | बिजनेस डेस्क

आज के समय में केवल कमाई करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस कमाई को सही दिशा में लगाना, सुरक्षित रखना और भविष्य के लिए बढ़ाना भी उतना ही जरूरी हो गया है। महंगाई, बढ़ते मेडिकल खर्च और जीवन की अनिश्चितताओं के बीच एक संतुलित वित्तीय योजना ही आपको मजबूत बना सकती है। यही कारण है कि 2026 में सिप, हिप और टिप का कॉम्बिनेशन स्मार्ट निवेशकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह तीनों मिलकर आपकी वेल्थ, हेल्थ और सिक्योरिटी तीनों को संतुलित करते हैं। इसलिए निवेशक इन्हें अपनाकर अपना भविष्य सरक्षित कर सकते हैं।

क्यों जरूरी है तीनों का कॉम्बो?

- आज की आर्थिक परिस्थितियों में एक ही विकल्प पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है।
- महंगाई लगातार बढ़ रही है
- हेल्थकेयर खर्च तेजी से बढ़ रहे हैं
- जीवन में अनिश्चितता हमेशा बनी रहती है
- ऐसे में एक ऐसा प्लान जरूरी है, जो हर स्थिति में आपका साथ दे। सिप, हिप और टिप का कॉम्बो आपकी आय को बढ़ाने, बचाने और सुरक्षित रखने का संतुलन बनाता है। यही एक समझदार निवेशक की पहचान भी है।

सिपः छोटे निवेश से बड़ा फंड का फॉर्मूला

सिटेमैटिक प्लान यानी सिप हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करने की रणनीति, जो समय के साथ बड़ा फंड तैयार करती है। इसमें आप 500 रुपये, 1000 रुपये या 5000 रुपये जैसी छोटी रकम से भी शुरुआत कर सकते हैं। सबसे बड़ी ताकत है "कंपाउंडिंग" यानी आपके पैसे पर भी पैसा बनना।

- लंबी अवधि में 10–12% तक रिटर्न की संभावना
- मार्केट के उतार-चढ़ाव का औसत असर
- अनुशासित निवेश की आदत
- जितना लंबा समय, उतना बड़ा फंड यही सिप की खासियत है। इसलिए इसे लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन का सबसे भरोसेमंद तरीका माना जाता है।

हिप : आपकी सेविंग्स का बॉडीगार्ड

हेल्थ इंश्योरेंस प्लान यानी हिप को अक्सर लोग खर्च समझ लेते हैं, जबकि असल में यह आपकी बचत की सुरक्षा करता है। आज के दौर में एक गंभीर बीमारी या मेडिकल इमरजेंसी कुछ ही दिनों में लाखों रुपये खर्च करा सकती है। ऐसे में अगर आपके पास हेल्थ इंश्योरेंस नहीं है, तो आपकी सालों की जमा पूंजी खत्म हो सकती है। ऐसे में हेल्थ इंश्योरेंस आपकी संभाल करता है। इसलिए इसे लेना न भूलें। से अपातकालीन हालात में आपकी रक्षा करता है।

- अस्पताल का खर्च बीमा कंपनी उठाती है
- आपकी सेविंग्स और निवेश सुरक्षित रहते हैं
- मानसिक तनाव कम होता है
- विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर व्यक्ति को अपनी सालाना आय के कम से कम 50% के बराबर हेल्थ कवर जरूर लेना चाहिए। यानी अगर आपकी सालाना आय 10 लाख रुपये है, तो कम से कम 5 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस होना चाहिए।

टिप : परिवार की आर्थिक सुरक्षा की ढाल

- टर्म इंश्योरेंश प्लान यानी आपके परिवार के लिए सबसे मजबूत वित्तीय सुरक्षा कवच माना जाता है। जीवन अनिश्चित है, और अगर कमाने वाले व्यक्ति के साथ कुछ अनहोनी हो जाए, तो परिवार पर आर्थिक संकट आ सकता है। ऐसे में टर्म इंश्योरेंस परिवार को आर्थिक सहारा देता है।
- कम प्रीमियम में बड़ा कवरेज
- परिवार के खर्च, बच्चों की पढ़ाई व लोन की सुरक्षा
- लंबी अवधि के लिए मानसिक शांति
- उदाहरण के तौर पर, 30 साल की उम्र में करीब 1 करोड़ रुपये का टर्म प्लान सालाना 10,000–12,000 रुपये में मिल सकता है। यह छोटी सी लागत आपके परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाती है।

तीनों का संतुलन ही असली प्लानिंग

सिप, हिप और टिप तीनों अलग-अलग जरूरतों को पूरा करते हैं, लेकिन जब इन्हें एक साथ अपनाया जाता है, तो यह एक मजबूत वित्तीय ढांचा तैयार करते हैं।

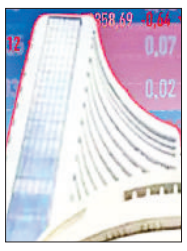

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों के बीच असमंजस और चिंता का माहौल, कई लोग बाजार की गिरावट देखकर जल्दबाजी में अपने निवेश को निकालने का कर रहे विचार

विशेषज्ञों की सलाह : हड़बड़ाहट में पैसा न निकालें, निवेश बनाएं रखें, एसआईपी में बढ़ा सकते हैं निवेश

बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच शांति व धैर्य जरूरी

ऐसे समय में धैर्य खोना निवेशकों के लिए नुकसान का कारण बन सकता है। इसलिए संयम से काम लें और निवेश बनाएं रखें। लंबी अवधि में निवेश आपको फायदा देकर ही जाएगा।

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव खासतौर पर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी टकराव का असर अब दुनियाभर के शेयर बाजारों पर साफ नजर आने लगा है। लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण निवेशकों के बीच असमंजस और चिंता का माहौल है। कई लोग बाजार की गिरावट देखकर जल्दबाजी में अपने निवेश को निकालने का विचार कर रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे समय में घबराने की बजाय संयम और समझदारी से काम लेना ही सबसे बेहतर रणनीति होती है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार के फंडामेंटल्स मजबूत हैं और लंबी अवधि के निवेशकों को आगे चलकर इसका फायदा मिल सकता है। निवेशक चाहें तो एसआईपी में निवेश बढ़ा सकते हैं, चूंकि लंबी अवधि में इसका लाभ मिलेगा। यह गिरावट कुछ समय के लिए हो सकती है। इसलिए लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर शांति और धैर्य के साथ निवेश करते जाएं। बाजार के जानकारों ने निवेशकों को स्पष्ट संदेश दिया है कि बाजार में गिरावट के दौरान जल्दबाजी में शेयर बेचना नुकसानदेह हो सकता है। उनका कहना है कि वर्तमान में जो उतार-चढ़ाव दिखाई दे रहा है, वह केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक ट्रेंड है। दुनिया के कई बड़े बाजारों में 7% से 10% तक की गिरावट देखी जा रही है, जो असामान्य नहीं बल्कि बाजार की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। शेयर बाजार हमेशा सीधी रेखा में नहीं चलता। इसमें उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, और यही इसकी प्रकृति है।

लंबी अवधि का नजरिया सफलता की कुंजी

विशेषज्ञों का मानना है कि शेयर बाजार में सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है। लंबी अवधि का नजरिया। जब कोई निवेशक किसी कंपनी के शेयर खरीदता है, तो वह उस कंपनी के भविष्य में निवेश कर रहा होता है। ऐसे में रोजाना के उतार-चढ़ाव पर ध्यान देना जरूरी नहीं होता। अगर निवेशक 5 से 10 साल के दृष्टिकोण से निवेश करते हैं, तो बाजार के अस्थायी उतार-चढ़ाव का असर कम हो जाता है और बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इतिहास भी यही बताता है कि लंबे समय तक बाजार में बने रहने वाले निवेशकों को अक्सर अच्छा लाभ मिला है।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत

- भले ही बाजार में अल्पकालिक गिरावट देखने को मिल रही हो, लेकिन भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है।
- देश की जीडीपी ग्रोथ दर स्थिर और सकारात्मक बनी हुई है
- महंगाई नियंत्रण में है, औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हो रही है
- बिजली खपत और इंफ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों में तेजी है
- ये सभी संकेत बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत है। यही कारण है कि लंबे समय में बाजार की दिशा सकारात्मक रहने की उम्मीद की जाती है।
- भारत का शेयर बाजार भी लगातार विस्तार कर रहा है। निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और नए आईपीओ की भरमार इस बात का संकेत है कि बाजार पर लोगों का भरोसा कायम है।

एसआईपी से अस्थिरता में अवसर

- बाजार की गिरावट को अक्सर लोग नकारात्मक रूप में देखते हैं, लेकिन समझदार निवेशक इसे अवसर के रूप में भी देखते हैं।
- सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करने वालों के लिए यह समय और भी फायदेमंद हो सकता है।
- गिरावट के समय कम कीमत पर यूनिट्स मिलती हैं
- औसत लागत कम होती है
- लंबे समय में बेहतर रिटर्न की संभावना बढ़ती है
- विशेषज्ञों का मानना है कि जो निवेशक अपनी एसआईपी को जारी रखते हैं या उसमें बढ़ोतरी करते हैं, वे बाजार की अस्थिरता का लाभ उठा सकते हैं।

धैर्य और अनुशासन ही निवेश की असली ताकत

- शेयर बाजार में सफल होने के लिए केवल सही स्टॉक चुनना ही काफी नहीं होता, बल्कि सही व्यवहार और मानसिकता भी जरूरी होती है।
- हर गिरावट पर घबराना नुकसानदायक हो सकता है
- बार-बार खरीद-बिक्री से लागत बढ़ती है
- भावनात्मक फैसले अक्सर गलत साबित होते हैं
- इसलिए निवेशकों को चाहिए कि वे अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार योजना बनाएं और उसी पर टिके रहें।
- धैर्य और अनुशासन ही वे दो गुण हैं, जो लंबे समय में निवेशकों को सफलता दिलाते हैं।

वैश्विक संकट का असर

- वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता का माहौल है। युद्ध, आर्थिक नीतियों में बदलाव और अन्य अंतरराष्ट्रीय घटनाएं बाजार को प्रभावित करती हैं, लेकिन यह भी सच है कि बाजार इन परिस्थितियों से उबरने की क्षमता रखता है। इतिहास गवाह है कि हर बड़े संकट के बाद बाजार ने वापसी की है और नए उच्च स्तर भी हासिल किए हैं। ऐसे में निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि मौजूदा गिरावट स्थायी नहीं है।

संयम रखें, रणनीति पर टिके रहें

- बाजार में उतार-चढ़ाव निवेश का स्वाभाविक हिस्सा है
- घबराकर निवेश निकालना अक्सर नुकसानदायक होता है
- लंबी अवधि का नजरिया और अनुशासन जरूरी है
- एसआईपी जैसे विकल्प अस्थिरता में भी अवसर देते हैं
- निवेश एक लंबी यात्रा है, जिसमें धैर्य और समझदारी सबसे बड़े साथी होते हैं। मौजूदा परिस्थितियों में घबराने के बजाय शांत रहकर अपनी रणनीति पर टिके रहना ही सही निर्णय साबित हो सकता है।

टैक्स बचाने और बचत सुरक्षित रखने की यह है मास्टर प्लानिंग

एजुकेशन लोन अब बोझ नहीं बन सकेगा स्मार्ट इन्वेस्टमेंट

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"अगली बार जब एजुकेशन लोन लेने का विचार आए, तो इसे बोझ नहीं, बल्कि अपने उज्जवल भविष्य में किया गया एक समझदारी भरा निवेश मानें।

आज के समय में उच्च शिक्षा का खर्च लगातार बढ़ रहा है। इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट या विदेश में पढ़ाई हर क्षेत्र में फीस लाखों से लेकर करोड़ों तक पहुंच चुकी है। ऐसे में अधिकांश छात्र और अभिभावक एजुकेशन लोन को एक मजबूरी या बोझ के रूप में देखते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों की मानें, तो सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन एक लायबिलिटी नहीं, बल्कि एक मजबूत निवेश साबित हो सकता है, जो आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में मदद करता है।

एजुकेशन लोन का सबसे बड़ा फायदा टैक्स बचत के रूप में मिलता है। इनकम टैक्स एक्ट की धारा सेक्शन 80ई के तहत, लोन पर चुकाए गए ब्याज पर पूरी तरह टैक्स छूट मिलती है। इसका मतलब यह है कि आप जितना ब्याज चुकाते हैं, उतनी ही आपकी टैक्सेबल इनकम कम हो जाती है। खास बात यह है कि इस छूट की कोई ऊपरी सीमा नहीं होती। यह सुविधा लोन चुकाना शुरू करने के बाद अधिकतम 8 वर्षों तक मिलती है।यानी आप पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी शुरू करते ही टैक्स बचत का लाभ उठा सकते हैं, जिससे आपकी कुल वित्तीय योजना और मजबूत हो जाती है।

आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास

एजुकेशन लोन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह छात्रों को आत्मनिर्भर बनाता है। जब छात्र अपनी पढ़ाई का खर्च खुद उठाते हैं, तो उनमें जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। वे अपने करियर को लेकर अधिक गंभीर होते हैं और नौकरी मिलने के बाद अपने वित्तीय लक्ष्यों को लेकर सजग रहते हैं। यह अनुभव उन्हें जीवनभर काम आता है और आर्थिक रूप से मजबूत बनाता है।

समझदारी से लिया गया कर्ज, भविष्य की ताकत

एजुकेशन लोन को केवल कर्ज के रूप में देखना एक अधूरी सोच है। सही रणनीति के साथ यह एक ऐसा वित्तीय टूल बन सकता है, जो न केवल आपकी शिक्षा का रास्ता आसान करता है, बल्कि टैक्स बचत, क्रेडिट स्कोर सुधार और निवेश सुरक्षा के जरिए आपके भविष्य को भी मजबूत बनाता है।

क्रेडिट स्कोरः मजबूत आर्थिक पहचान की शुरुआत

युवाओं के लिए एजुकेशन लोन सिर्फ पढ़ाई का जरिया नहीं, बल्कि उनके वित्तीय जीवन की पहली सीढ़ी भी होता है। जब कोई छात्र समय पर अपनी ईएमआई भरता है, तो उसका क्रेडिट स्कोर मजबूत होता है। यह स्कोर भविष्य में होम लोन, कार लोन या बिजनेस लोन लेने में बेहद अहम भूमिका निभाता है। अच्छा क्रेडिट स्कोर होने से न केवल आसानी से लोन मिलता है, बल्कि कम ब्याज दर पर भी लोन मिल सकता है। इसके अलावा, खुद की पढ़ाई का खर्च उठाने से छात्रों में जिम्मेदारी और वित्तीय अनुशासन विकसित होता है, जो लंबे समय में उनके करियर और जीवन दोनों के लिए फायदेमंद साबित होता है।

निवेश की सुरक्षाः बचत को बढ़ने का मौका

अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता बच्चों की पढ़ाई के लिए अपनी जीवनभर की बचत—जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), पीएफ या रिटायरमेंट फंड तोड़ देते हैं। यह निर्णय भावनात्मक रूप से सही लग सकता है, लेकिन वित्तीय दृष्टि से हमेशा लाभकारी नहीं होता। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन बचतों को बाजार में निवेशित रहने दिया जाए, तो वे 12% से 15% तक का रिटर्न दे सकती हैं। वहीं, एजुकेशन लोन की ब्याज दरें अपेक्षाकृत कम होती हैं और कई मामलों में सरकारी सब्सिडी भी मिलती है। इस तरह लोन लेकर आप अपनी पूंजी को सुरक्षित रखते हुए उसे कंपाउंडिंग के जरिए बढ़ने का मौका देते हैं। यह रणनीति लंबे समय में अधिक लाभदायक साबित हो सकती है।

सही योजना जरूरी

- लोन लेने से पहले कोर्स और उसके करियर स्कोप का आकलन करें
- ब्याज दर और शर्तों की तुलना करें
- समय पर ईएमआई चुकाने की योजना बनाएं
- अनावश्यक रूप से अधिक कर्ज लेने से बचें

रिटायरमेंट के करीब हैं तो कर लें ये जरूरी काम

हर व्यक्ति की ख्वाहिश होती है कि वह रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी बिना तनाव और आर्थिक चिंता के सुकून से बिताए। लेकिन यह तभी संभव है, जब समय रहते सही वित्तीय योजना बनाई जाए। अक्सर लोग नौकरी के दौरान तो बचत और निवेश करते हैं, लेकिन रिटायरमेंट के बिल्कुल करीब आकर कई जरूरी पहलुओं को नजरअंदाज कर देते हैं। अगर आपकी रिटायरमेंट अब ज्यादा दूर नहीं है, तो यह समय बेहद अहम है। इस दौरान लिए गए सही फैसले आपके आने वाले जीवन को सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे 5 जरूरी वित्तीय काम, जिन्हें रिटायरमेंट से पहले जरूर पूरा कर लेना चाहिए।

1. कुल बचत और आय का सही आकलन करें

रिटायरमेंट के करीब पहुंचते ही सबसे पहले अपनी वित्तीय स्थिति का स्पष्ट आकलन करना जरूरी है। इसमें आपकी सेविंग्स, पेंशन, पीएफ, ग्रेच्युटी और अन्य निवेश शामिल होने चाहिए। इसके साथ ही पिछले कुछ वर्षों के खर्च का विश्लेषण करें और यह समझें कि रिटायरमेंट के बाद आपकी मासिक जरूरतें कितनी होंगी। महंगाई को ध्यान में रखते हुए भविष्य के खर्च का अनुमान लगाना भी बेहद जरूरी है।

2. गैर-जरूरी खर्चों पर लगाएं लगाम

रिटायरमेंट के बाद नियमित आय सीमित हो जाती है, इसलिए खर्चों पर नियंत्रण बेहद जरूरी हो जाता है। ऐसे में अपनी वर्तमान जीवनशैली का मूल्यांकन करें और फिजूल खर्चों को कम करने की आदत डालें। इसके अलावा, रिटायरमेंट के बाद नए कर्ज लेने से बचें। क्रेडिट कार्ड का अत्यधिक उपयोग भी भविष्य में आर्थिक दबाव बढ़ा सकता है। बेहतर होगा कि आप अपने सभी पुराने कर्ज समय रहते खत्म कर लें, ताकि रिटायरमेंट के बाद किसी तरह की वित्तीय बाधा न आए।

3. निवेश को विविध बनाएं

एक ही जगह निवेश करना हमेशा जोखिम भरा होता है। इसलिए अपनी बचत को अलग-अलग निवेश विकल्पों में बांटना समझदारी भरा कदम है। रिटायरमेंट से पहले आप अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें और जरूरत के अनुसार बदलाव करें। सुरक्षित विकल्पों जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट, पेंशन स्कीम या सीनियर सिटिजन सेविंग्स स्कीम में निवेश बढ़ाया जा सकता है, जबकि कुछ हिस्सा ऐसे निवेश में रखें जो महंगाई को मात दे सके। विविध निवेश से जोखिम कम होता है और रिटर्न संतुलित रहता है।

4. हेल्थ प्लान और मेडिकल फंड तैयार रखें

रिटायरमेंट के बाद स्वास्थ्य सबसे बड़ी प्राथमिकता बन जाता है। उम्र बढ़ने के साथ मेडिकल खर्च भी तेजी से बढ़ते हैं, इसलिए एक मजबूत हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी होना बेहद जरूरी है। यदि आपके पास पहले से हेल्थ इंश्योरेंस है, तो उसकी कवरेज की समीक्षा करें और जरूरत के अनुसार बढ़ाएं। इसके साथ ही एक अलग इमरजेंसी मेडिकल फंड बनाना भी समझदारी है, ताकि अचानक आने वाले खर्चों से आपकी बचत पर ज्यादा असर न पड़े।

5. पैसे निकालने की रणनीति बनाएं

रिटायरमेंट के बाद सबसे बड़ी चुनौती होती है। बचत को लंबे समय तक कैसे चलाया जाए। इसके लिए पहले से ही एक स्पष्ट रणनीति बनाना जरूरी है। आपको यह तय करना चाहिए कि हर महीने कितनी राशि निकालनी है, किन निवेशों से पैसे निकालने हैं और किन्हें लंबे समय तक बने रहने देना है। सिस्टमेटिक विड्रॉल प्लान जैसे विकल्प इस मामले में मददगार हो सकते हैं। सही योजना के साथ आप अपने फंड को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं और नियमित आय का प्रवाह बनाए रख सकते हैं।

उठापटक वाले बाजार में मल्टी एसेट फंड है बेहतर विकल्प

एक ही एसआईपी से स्टॉक्स, गोल्ड व बॉन्ड में निवेश

वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों में अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष, वैश्विक महंगाई का दबाव और राजनीतिक अनिश्चितता शामिल हैं। इनको देखते हुए निवेशकों को मल्टी-एसेट रणनीति अपनानी चाहिए। । ऐसे माहौल में मल्टी-एसेट फंड निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाते हैं, क्योंकि ये इक्विटी, डेट, कमोडिटी और कीमती धातुओं में निवेश का अवसर देते हैं। मल्टी-एसेट फंड ऑटोमैटिक रीबैलेंसिंग, प्रोफेशनल मैनेजमेंट और डायनेमिक एसेट एलोकेशन प्रदान करते हैं, जो खासतौर पर अधिक अस्थिरता के समय में उपयोगी होता है। साथ ही यह समय अत्यधिक आक्रामक होने का नहीं है, बल्कि एक संतुलित और विविधीकृत पोर्टफोलियो बनाए रखने का है, जो झटकों को सह सके और संभावित बढ़त में भी भाग ले सके।

पश्चिम एशिया में जारी जंग को एक माह हो गया है। इस दौरान बाजार में उठा-पटक जोरदार है। तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। बाजार दवाब में हैं। सोना और चांदी पहले चमके, फिर गिरे। बॉन्ड्स ने कुछ राहत दी है और जो निवेशक सिर्फ एक जगह पैसा लगाए बैठे थे, वो सबसे ज्यादा नुकसान में हैं। यही वो वक्त है जब एक पुरानी बात फिर साबित होती है कि किसी एक एसेट पर निर्भर नहीं रहना चाहिए फिर चाहे वो इक्विटी हो, डेट हो या सोना, लेकिन एक व्यक्ति कहां-कहां निवेश करे? आम निवेशक के पास क्या विकल्प हैं? इसलिए एक ऐसा निवेश का ऑप्शन आपकी सभी जरूरतों को पूरा कर सकता है। आप बस हर महीने पैसा डालते रहो और आपका पैसा हर जगह निवेश होता रहेगा। फिर शेयर हो या सोना। एसेट अलोकेशन का मतलब होता है कि आप अपना पैसा कहां-कहां डाल रहे हैं और इसका सबसे आसान रास्ता है मल्टी एसेट्स एलोकेशन फंड। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों, राजनीतिक अनिश्चितता और वैश्विक महंगाई के दबाव को देखते हुए निवेशकों को मल्टी-एसेट रणनीति को प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि विविधीकरण (डाइवर्सिफिकेशन) अशांत समय में जोखिम को कम करने में मदद करता है।

केवल फंड स्तर पर विविधीकरण सही नहीं

विशेषज्ञों के अनुसार पिछले दिनों वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और केंद्रीय बैंकों की खरीदारी के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई है। चांदी को औद्योगिक मांग और कीमती धातु के रूप में उसकी पारंपरिक भूमिका दोनों का लाभ मिला है, जबकि इक्विटी बाजार उच्च विदेशी निवेश (एफआईआई इनफ्लो), मजबूत आय संभावनाओं और मैक्रो स्थिरता के कारण अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इन सकारात्मक रुझानों के कारण इस श्रेणी ने निवेशकों को आकर्षित किया। लेकिन, अब हालात बदल चुके हैं। सोना और चांदी अपने उच्चतम स्तर से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में एक ही श्रेणी के निवेशक काफी दिक्कत में आ चुके हैं। इसके लिए अगर आपने अलग-अलग एसेट में निवेश किया होता तो बेहतर रहता। हालांकि, यह ध्यान रखना चाहिए कि केवल फंड स्तर पर विविधीकरण करना सही नहीं है, क्योंकि जरूरत पड़ने पर विभिन्न एसेट क्लास के बीच पुनः आवंटन करना मुश्किल हो जाता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि 29 मल्टी-एसेट फंड्स में से अधिकांश फंड्स में 65% से अधिक निवेश इक्विटी में, 25% डेट में और 10% अन्य (जैसे सोना/कमोडिटी) में होता है। डीएसपी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड एक अपवाद है, जिसमें लगभग 88% निवेश 'अन्य' श्रेणी में है। अधिकांश योजनाओं में एक जैसी संरचना होने से विविधीकरण और लचीलापन दोनों सीमित हो जाते हैं। चूंकि इक्विटी हिस्सा अक्सर लार्ज-कैप शेयरों में केंद्रित होता है, इसलिए कई बार ऐसे फंड्स में निवेश करने पर भी पर्याप्त विविधीकरण नहीं मिल पाता। वे सलाह देते हैं कि सिर्फ मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स पर निर्भर रहने के बजाय निवेशकों को अपने पूरे पोर्टफोलियो स्तर पर एसेट एलोकेशन तय करना चाहिए।

फ्लेक्सी-कैप और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स भी विकल्प

इसके बावजूद मल्टी-एसेट फंड्स में निवेशकों की रुचि लगातार बढ़ रही है। मध्यम जोखिम प्रोफाइल वाले नए निवेशकों के लिए मल्टी-एसेट फंड्स के साथ फ्लेक्सी-कैप और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स भी एक अच्छा विकल्प है। पिछले एक वर्ष में 24 मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स में से 8 ने दो अंकों (डबल डिजिट) का रिटर्न दिया, 14 ने एक अंक (सिंगल डिजिट) का रिटर्न दिया, जबकि 2 फंड्स ने नकारात्मक रिटर्न दिया। कई बार मल्टी-एसेट फंड्स पूर्व-निर्धारित एलोकेशन संरचना के कारण हर एसेट की पूरी क्षमता का लाभ नहीं उठा पाते। ये फंड्स अभी भी इक्विटी पर अधिक निर्भर रहते हैं और इक्विटी फंड्स से बहुत अलग नहीं हैं। यदि निवेशक पहले से ही अपने पोर्टफोलियो स्तर पर एसेट मिक्स तय कर रहे हैं, तो मल्टी-एसेट फंड जोड़ने से अनावश्यक दोहराव या एक ही एसेट में अधिक निवेश (कंसंट्रेशन) हो सकता है, खासकर जब फंड इक्विटी की ओर झुका हुआ हो। ऐसे निवेशकों को मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स से बचने पर विचार करना चाहिए और अपनी वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम प्रोफाइल के अनुसार इक्विटी और डेट में अलग-अलग निवेश करना चाहिए। इससे बेहतर रिटर्न, दीर्घकालिक वृद्धि और संपत्ति निर्माण की आदर्श रणनीति बन सकती है। जबकि नए व आम निवेशकों के लिए मल्टी एसेट फंड एक बेहतर विकल्प रहता है। भले ही कुछ परिस्थितयों में इसमें रिटर्न कम हो सकता है, लेकिन जोखिम घटाने के लिए यह बेहतर विकल्प है। हाल के आंकड़े गवाह हैं कि इस फंड ने अनेक मामलों में बेहतर रिटर्न भी दिया है। इसके बावजूद निवेश हमेशा अपनी जोखिम क्षमता, निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्यों के आधार पर ही करना चाहिए।

रिंग में जोश के साथ होश भी जरूरी, वरना खतरे में पड़ सकता है करियर

विशेषज्ञ बोले, सिर पर चोट से जा सकती है याददाश्त | **डॉक्टर बोले, हर मैच में मेडिकल टीम अनिवार्य** | **कनकशन, फ्रैक्चर और अंदरूनी चोटें सबसे बड़ा संकट**

रोहित डागर ▶▶ रोहतक

बॉक्सिंग एक ऐसा खेल है, जहां ताकत, फुर्ती और हौसले की असली परीक्षा होती है। रिंग में उतरते ही खिलाड़ी हर पंच के साथ जीत की ओर बढ़ता है, लेकिन उसी के साथ गंभीर चोट का खतरा भी लगातार बना रहता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ अब इस बात पर जोर दे रहे हैं कि बॉक्सिंग में केवल जोश नहीं, बल्कि होश भी उतना ही जरूरी है। वरना एक छोटी सी लापरवाही खिलाड़ी करियर खराब कर सकती है। मुक्केबाजी में तकनीक के साथ-साथ खिलाड़ियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। खेलों में चोट लगना आम बात है। लेकिन मुक्केबाजी में तकनीक और सुरक्षा दोनों का संतुलन बेहद अहम है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि बॉक्सिंग में किन किन चोटों का खतरा है और उनका निदान क्या है। इस बारे में खेल चिकत्सकों और विशेषज्ञों का क्या कहना है।

रोहतक पीजीआई का सेंटर बना वरदान

- स्पोर्ट्स इंजरी का विशेषज्ञ इलाज
- स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट द्वारा काउंसलिंग
- अर्ली रिहैबिलिटेशन की सुविधा
- एक्स-रे, सर्जरी और फिजियोथेरेपी उपलब्ध
- तेजी से मैदान में वापसी की तैयारी
- पीजीआई में कमरा नंबर 81 में केंद्र की ओपीडी रोजाना चलती है, जहां खिलाड़ी अपनी समस्याओं का परामर्श ले सकते हैं।
- खिलाड़ी को चोट लगने के तुरंत बाद सही उपचार और एक्सरसाइज मिले तो वह मैदान पर जल्द वापसी कर सकता है।

खेल में चोट लगना आम बात

पीजीआईएमएस रोहतक के खेल चिकित्सा एवं खेल चोट केंद्र के विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. राजेश रोहिल्ला का कहना है कि किसी भी खेल में चोट लगना सामान्य बात है, लेकिन बॉक्सिंग में यह जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। खासकर सिर पर लगने वाले तेज घूंसे खिलाड़ी के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। यही वजह है कि हर मुकाबले के दौरान रिंग के पास डॉक्टर की मौजूदगी अनिवार्य मानी जाती है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत उपचार मिल सके।खिलाड़ियों को अभ्यास और मुकाबले के दौरान सुरक्षा उपकरणों का सही इस्तेमाल करना चाहिए और किसी भी छोटी चोट को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

बॉक्सर सागर ने चोट से रिकवरी के बाद लगातार आठ मुकाबले जीते

बॉक्सर सागर ने बताया कि 2022 में एक मुकाबले के दौरान कंधे में लगी गंभीर चोट के कारण इस खिलाड़ी को लंबे समय तक रिंग से दूर रहना पड़ा था। कंधे की चोट उनके करियर के लिए एक बड़ा मानसिक और शारीरिक रोड़ा बन गई थी। इस दौरान उन्हें कई महीनों तक फिजियोथेरेपी और विशेष पुनर्वास सत्रों से गुजरना पड़ा। चोट से रिकवरी के बाद 2023 में प्रोफेशनल बॉक्सिंग खेलनी शुरू की। पहले एमेच्योर बॉक्सिंग खेलता था। प्रोफेशनल बॉक्सिंग में उसने लगातार 8 मुकाबले जीते।

सही तकनीक अपनाएं: कोच

बॉक्सिंग कोच नवीन के अनुसार, एमेच्योर बॉक्सिंग में हेडगार्ड, माउथगार्ड और अच्छी गुणवत्ता वाले ग्लव्स व हैंड रैप्स का उपयोग अनिवार्य है। पंच मारने की सही तकनीक 'बॉक्सर्स फ्रैक्चर' जैसी चोटों से बचाती है। रिंग में उतरने से पहले मांसपेशियों के खिंचाव को कम करने के लिए सही तरीके से वार्म-अप करना आवश्यक है। यदि खिलाड़ी अधिक चोटिल महसूस हो, तो रेफरी मुकाबला रोककर उसे गंभीर नुकसान से बचा सकता है।

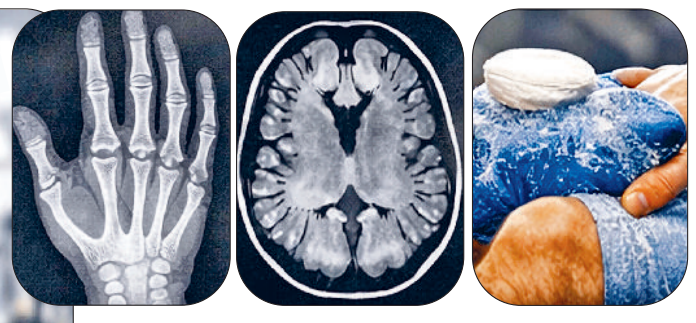

इन चोटों का खतरा

- सिर पर चोट से कनकशन (मस्तिष्क झटका)
- हाथों में फ्रैक्चर व "बॉक्सर्स फ्रैक्चर"
- छाती और पसलियों में चोट
- चेहरे (नाक, भौंह) पर कट व सूजन
- अंदरूनी चोटें जो तुरंत नजर नहीं आतीं

ये सावधानियां जरूरी

- हर मैच में मेडिकल टीम की मौजूदगी
- हेडगार्ड, माउथगार्ड व ग्लव्स का इस्तेमाल
- सही तकनीक से पंच मारना
- मुकाबले से पहले सही वार्म-अप
- छोटी चोट को भी नजरअंदाज न करें

क्या है इलाज

- **आरआईसीई विधि:** सूजन और दर्द कम करने के लिए आराम, बर्फ से सिकाई, संपीड़न और ऊंचाई।
- **हैंड रैप्स और दस्ताने:** कलाई को सहारा देने के लिए हमेशा सही रैप्स का उपयोग करें।
- **फिजियोथेरेपी:** कंधे या पुरानी चोटों के लिए विशेषज्ञ से कसरत कराएं।
- **दवाएं :** दर्द और सूजन के लिए डॉक्टर की सलाह पर इबुप्रोफेन या अन्य दवाएं लें।
- **गंभीर चोट:** फ्रैक्चर या गंभीर सिर की चोट में तुरंत एक्सरे या एमआरआई कराएं।

रोकथाम के उपाय

- **तकनीक:** सही मुक्का मारने का अभ्यास करें
- पहली दो उंगलियों का उपयोग करें।
- **सुरक्षा गियर:** अच्छी गुणवत्ता वाले ग्लव्स और हैंड रैप्स का ही उपयोग करें।
- **वार्म-अप:** ट्रेनिंग से पहले उंगलियों और कलाइयों की स्ट्रेचिंग करें।
- **शरीर की सुनें:** दर्द होने पर ट्रेनिंग रोक दें, दर्द के साथ न खेलें।

खबर संक्षेप

इंजरी के कारण दो हफ्ते नहीं खेल सकेंगे धोनी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी पिंडली की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले दो सप्ताह में नहीं खेल पाएंगे। फ्रेंचाइजी ने यह जानकारी दी। सीएसके ने कहा, 'महेंद्र सिंह धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबरने के लिए रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। इस कारण उनका आईपीएल 2026 के पहले दो सप्ताह में खेलने की संभावना नहीं है।' धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से आईपीएल खेलना जारी रखा है। इस 44 वर्षीय खिलाड़ी के आईपीएल में भविष्य को लेकर प्रत्येक सत्र में कयास लगाए जाते हैं। धोनी अब सिर्फ आईपीएल में खेलते हैं इसलिए उनके लिए मैच फिटनेस बनाए रखना और भी मुश्किल हो जाता है। रुतुराज गायकवाड़ हालांकि टीम के कप्तान हैं, लेकिन टीम की रणनीति धोनी के इर्द-गिर्द ही घूमती है। वह आईपीएल की शुरुआत से ही इस टीम से जुड़े हुए हैं।

थीगाला शानदार प्रदर्शन से 11वें स्थान पर पहुंचे

ह्यूस्टन। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर साहित थीगाला ने टेक्सास चिल्ड्रन्स ह्यूस्टन ओपन के दूसरे दौर में लगातार तीन अंडर 67 का कार्ड खेला, जिससे वह कुल छह अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर बने हुए हैं। इस टूर्नामेंट में भारतीय मूल के एक अन्य खिलाड़ी सुदर्शन येल्लामराजू (69-66) संयुक्त रूप से 20वें स्थान पर हैं। वहीं अमेरिकी ओपन के पूर्व चैंपियन गैरी वुडलैंड (64-63) ने बढ़त बना हासिल कर ली। पहले दिन शीर्ष पर चल रहे पॉल वारिंग एक ओवर 71 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर खिसक गए।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

डिफेंडिंग आईपीएल चैंपियन बेंगलुरू की जीत से शुरुआत

पडिक्कल, कोहली और डफी ने आरसीबी को दिलाई सनराइजर्स हैदराबाद पर जीत

डफी-शेफर्ड को 3-3 विकेट, कोहली-पडिक्कल की फिफ्टी

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरू

देवदत्त पडिक्कल के 26 गेंद में 61 रन और विराट कोहली के नाबाद अर्धशतक की मदद से गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने इंडियन प्रीमियर लीग के 2026 सत्र की शुरूआत शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद पर छह विकेट से जीत के साथ की। पडिक्कल और कोहली (38 गेंद में नाबाद 69) के बीच दूसरे विकेट के लिये सिर्फ 45 गेंद में 101 रन की साझेदारी की मदद से आरसीबी ने जीत के लिये 202 रन के लक्ष्य के जवाब में 15 . 4 ओवर में चार विकेट पर 203 रन बनाये। फिल साल्ट के जल्दी आउट होने के बाद कोहली और पडिक्कल ने शानदार बल्लेबाजी से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पडिक्कल ने तेज गेंदबाज डेविड पेन के एक ओवर में दो छक्के और एक चौका लगाया जबकि स्पिनर हर्ष दुबे को लगातार चौका छक्का जड़ा। उन्होंने हर्षल पटेल को चौका लगाकर सिर्फ 21 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। दूसरी ओर कोहली ने तेज गेंदबाजों जयदेव उनादकट और ऐशान मलिंगा को नसीहत दी। पावरप्ले में आरसीबी ने 76 रन बना लिये थे और सौ रन 8.1 ओवर में बन गए। पडिक्कल को हेनरिच क्लासेन ने पवेलियन भेजा जिन्होंने हर्षल की गेंद पर पहले लांग गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। वहीं आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने 12 गेंद में 31 रन बनाये । कोहली ने आखिर में 16वें ओवर में हर्षल की चार गेंदों पर छक्का और तीन चौके लगाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले कार्यवाहक कप्तान ईशान किशन के 38 गेंद में 80 रन की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने नौ विकेट पर 201 रन बनाये।

हैदराबाद को 6 विकेट से हराया

हैदराबाद-201/9 (20)

खिलाड़ी	रन
ट्रेविस हेड का साल्ट बो डफी	11
अभिषेक शर्मा का शर्मा बो डफी	7
ईशान का साल्ट बो अभिनंदन	80
नीतिश का अभिनंदन बो डफी	1
हेनरिच का साल्ट बो शेफर्ड	31
सलिल का पडिक्कल बो सुयश	9
अनिकेत का कोहली बो शेफर्ड	43
हर्ष दुबे का पडिक्कल बो शेफर्ड	3
हर्षल का पडिक्कल बो कुमार	0
डेविड पेन नाबाद	6
जयदेव उनादकट नाबाद	4
अतिरिक्त : छह रन	
योग: 20 ओवर में नौ विकेट पर 201 रन	
गेंदबाजी: डफी 4-0-22-3, भुवनेश्वर 4-0-31-1, अभिनंदन 3-0-38-1, शेफर्ड 4-0-54-3, सुयश 3-0-28-1, कृणाल 2-0-26-0	

डफी मैन आफ द मैच

बेंगलुरु-203/4 (15.4)

खिलाड़ी	रन
साल्ट का क्लासेन बो उनादकट	8
विराट कोहली नाबाद	69
देवदत्त का क्लासेन बो दुबे	61
रजत पाटीदार का दुबे बो पेन	31
जितेश का उनादकट बो पेन	0
टिम डेविड नाबाद	16
अतिरिक्त : 18 रन	
योग: 15.4 ओवर में चार विकेट पर 203 रन	
विकेट पतन : 1-9, 2-110, 3-163, 4-163	
गेंदबाजी: रेड्डी 2-0-19-0, उनादकट 3-0-29-1, पेन 3-0-35-2, दुबे 3-0-35-1, मलिंगा 2-0-35-0, पटेल 2.4-0-39-0	

मुकाबला आज शाम 7.30 बजे से

मुंबई का पलड़ा भारी, केकेआर के खिलाफ जीत की उम्मीद प्रबल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

खेल के सभी विभागों में मजबूत दिख रही मुंबई इंडियंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पांच साल के खिताब के सूखे को खत्म करने के लिए रविवार को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना करेगी, जिसकी टीम कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने से कमजोर नजर आ रही है। मुंबई इंडियंस ने 2013 से लेकर 2020 के बीच पांच बार खिताब जीता था लेकिन वह पिछले कुछ वर्षों से चैंपियन नहीं बन पाया है। इस बार उसकी निगाह अपना छठा खिताब जीतने पर होगी और इसके लिए वह शानदार शुरुआत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

टीमें इस प्रकार

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, अथर्व अंकोलेकर, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिशेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, मोहम्मद इजहार, रघु शर्मा।

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह (उपकप्तान), फिन एलन, तेजस्वी दहिया (विकेटकीपर), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, सार्थक रंजन, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), राहुल त्रिपाठी, दक्ष कामरा, कैमरन ग्रीन, सुनील नारायण, रचिन रवींद्र, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, ब्लेसिंग मुजरबानी, मथीशा पथिराना, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती।

मोंटेकार्लो मास्टर्स नहीं खेलेंगे जोकोविच, नाम लिया वापस

मोनाको। नोवाक जोकोविच ने दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन में भाग न लेने के बाद मोंटेकार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से भी नाम वापस ले लिया है। इस क्लेकोर्ट टूर्नामेंट के आयोजकों ने इंस्टाग्राम पर जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने की घोषणा करते हुए लिखा, ' हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ही कोर्ट पर वापसी करेंगे।' इस पोस्ट में 38 वर्षीय जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने का कारण स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने दो सप्ताह पहले बीएनपी पारिबास ओपन के चौथे दौर में जैक ड्रेपर से तीन सेटों में हारने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। एक साल पहले मोंटेकार्लो में जोकोविच दूसरे दौर में एलेजांद्रो तबिलो से हार गए थे। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी जोकोविच ने भी टूर्नामेंट से नाम वापस लेने के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है।

तेजस्विन ने की डेकाथलॉन सत्र में जीत से शुरुआत

नई दिल्ली। भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर ने अमेरिका के टेक्सास में डेविड नोबल रिले 2026 एथलेटिक्स मीट में हवा की मदद से 7947 अंक का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाकर अपने डेकाथलॉन सत्र की शुरुआत जीत से की। शंकर हालांकि 8000 अंक से 53 अंक पीछे रह गए। टेक्सास में शंकर का प्रदर्शन उनके ही नाम दर्ज राष्ट्रीय रिकॉर्ड (7826 अंक) से बेहतर था, जो उन्होंने पिछले साल पोलैंड में बनाया था। लेकिन अत्यधिक अनुकूल हवा (टेल विंड) के कारण विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार यह प्रदर्शन नए रिकॉर्ड के रूप में दर्ज नहीं किया गया।

फुटबॉल: स्पेन ने सर्बिया को हराया ओयार्जाबेल ने दागे 2 गोल

एजेंसी ▶▶ मैड्रिड

स्पेन ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले अपने आखिरी तैयारी मुकाबलों में से एक में सर्बिया को 3-0 से मात दी। मिकेल ओयार्जाबेल जीत के हीरो रहे, जिन्होंने 2 गोल दागे। उनके अलावा, विक्टर मुनोज ने एक गोल का योगदान दिया। ओयार्जाबेल का पहला गोल 16वें मिनट में आया। यह टीम के शानदार तालमेल के बाद गोल के सामने से लगाया गया एक शॉट था। वहीं, उनका दूसरा गोल हाफ-टाइम से ठीक पहले आया। यह काफी दूर से लगाया गया एक जोरदार शॉट था, जिसने सर्बिया के गोलकीपर वान्या मिलिंकोविक-सावित को बचाव का कोई मौका ही नहीं दिया। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने गोलकीपिंग की जिम्मेदारी उनाई साइमन को ही सौंपी, जबकि एफसी बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया, जिन्हें पहली बार राष्ट्रीय टीम में बुलाया गया था, स्टैंड्स में बैठे रहे। रोड्री ने सेंट्रल मिडफील्ड में मार्टिन जुबिमेंडी से आगे शुरुआत की, जबकि सेंट्रल डिफेंस में आयमेरिक लापोर्टे और पाउ कुबारसी थे। राइट-बैक पर मार्कोस लोरेंटे और स्पेन के अटैक के दाईं ओर लामिन यामल खेले।

रविवार से साइप्रस में शुरू होगा कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

ओपन वर्ग में प्रज्ञाननंदा के सामने कड़ी चुनौती

एजेंसी ▶▶ पाफोस

आठ खिलाड़ियों की एलीट प्रतियोगिता के ओपन वर्ग में भाग ले रहे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर प्रज्ञाननंदा को रविवार से शुरू होने वाले कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

इस टूर्नामेंट का विजेता खिलाड़ी इस साल के आखिर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश का सामना करेगा। इस टूर्नामेंट में आठ खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो डबल राउंड-रॉबिन प्रारुप में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक खिलाड़ी अन्य सभी प्रतिभागियों का दो बार सामना करेगा और सबसे अधिक अंक हासिल करने वाला खिलाड़ी विश्व चैंपियन बनने के लिए गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल करेगा।

प्रतियोगिता की पुरस्कार राशि 10 लाख डॉलर

इस प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 10 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 9 करोड़ 49 लाख रुपए) है, जिसमें से सात लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग छह करोड़ 65 लाख रुपए) ओपन वर्ग के लिए और तीन लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग दो करोड़ 85 लाख रुपए) महिला वर्ग के लिए हैं।

अमेरिकी ग्रैंडमास्टर कारुआना प्रबल दावेदार

हाल के प्रदर्शन को देखते हुए अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना प्रबल दावेदार नजर आते हैं लेकिन उनके हमवतन हिकारु नाकामुरा का दावा भी मजबूत है, जिन्होंने अपनी रेटिंग के आधार पर क्वालीफाई किया है। नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी भी अच्छी फॉर्म में हैं और उन पर नजर रखने की जरूरत है। अगर उनकी लय कायम रहती है, तो वह मजबूत दावेदार साबित होंगे। चीन के वेई यी, उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव तथा एंड्री एसेपेंको और मैथियास ब्लूबाउम अन्य चार खिलाड़ी हैं, जो इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं।

दिव्या पर होंगी सबकी निगाहें

भारतीय खिलाड़ियों में सबकी निगाहें दिव्या देशमुख पर होंगी, जिन्होंने 2025 में महिला विश्व कप जीता था। आर वैशाली इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी हैं। वह साहसिक फैसले करने के लिए जानी जाती हैं और उनका एकमात्र लक्ष्य जीत हासिल करना होता है। ऐसे में उनकी दावेदारी को कम करके नहीं आंका जा सकता है। झू जिनर भी एक ऐसी खिलाड़ी हैं, जिन पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि वह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को भी कड़ी चुनौती देने के लिए जानी जाती हैं। बिबिसारा असाउबायेवा ने भी खुद को एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित किया है।

सिनर की फाइनल में एंट्री, 'सनशाइन डबल' के खिताब से बस एक कदम दूर!

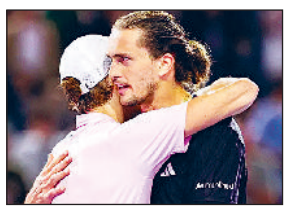

एजेंसी ▶▶ मियामी गार्डन्स

■ अब मुकाबला लेहेका से

दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने एक साल पहले मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था क्योंकि प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्हें तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। अब इटली का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने और 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' जीतने वाला पहला पुरुष खिलाड़ी बनने के करीब है। सिनर ने हार्ड रॉक स्टेडियम में विश्व में चौथे नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज़्वेरेव पर 6-3, 7-6 (7-4) से जीत हासिल करके मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। सिनर ने कहा, 'यहां आकर अच्छा टेनिस खेलना मेरा मुख्य लक्ष्य था। मेरे लिए दोबारा फाइनल में पहुंचना बहुत मायने रखता है। यह शानदार सफर रहा है और मैं बहुत खुश हूं।'

ईरानी राष्ट्रपति ने पहले दी खाड़ी देशों को चेतावनी

कहा, अमेरिका को अपनी जमीन का इस्तेमाल करने से रोकें, फिर दनादन बरसा दी मिसाइलें

ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान अपने पड़ोसी देशों पर पूर्वनियोजित हमले नहीं करता है, लेकिन अगर हमारे बुनियादी ढांचे या आर्थिक केंद्रों को निशाना बनाया जाता है तो हम कड़ा जवाब देंगे। ईरान का आग्रह है कि यदि वे विकास और सुरक्षा चाहते हैं, तो हमारे शत्रुओं को अपनी भूमि से युद्ध चलाने की अनुमति न दें

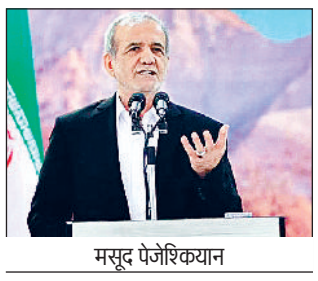
मसूद पेजेश्कियान

ईरान की धमकी- हम पर हुए हर हमले का कड़ा जवाब देंगे, पड़ोसी देश तैयार रहें

ट्रंप का दावा, ईरान इस समय भारी दबाव में और समझौता करने के लिए तैयार है

ईरान की जवाबी कार्रवाई से खाड़ी देशों के लोगों में दहशत का माहौल

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

ईरान-इजराइल युद्ध के शनिवार को 29 दिन पूरे हो गए। ईरान जवाबी कार्रवाई में अमेरिका और इजराइल के मित्र खाड़ी देशों को भी निशाना बना रहा है। इसको लेकर ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने अपने पड़ोसी देशों को संदेश देते हुए कहा कि यदि वे विकास और शांति चाहते हैं तो अमेरिका को अपनी जमीन इस्तेमाल करने से रोकना चाहिए।

बुनियादी ढांचे या आर्थिक केंद्रों को निशाना न बनाएं

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि मैंने कई बार कहा है कि ईरान अपने पड़ोसी देशों पर पूर्वनियोजित हमले नहीं करता है, लेकिन अगर हमारे बुनियादी ढांचे या आर्थिक केंद्रों को निशाना बनाया जाता है तो हम कड़ा जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के देशों से ईरान का आग्रह है कि यदि वे विकास और सुरक्षा चाहते हैं, तो हमारे शत्रुओं को अपनी भूमि से युद्ध चलाने की अनुमति न दें। बता दें कि संयुक्त राज्य अमेरिका खाड़ी देशों सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, कुवैत, कतर व अन्य देशों में स्थित अपने सैन्य ठिकानों का उपयोग ईरान पर हमले करने के लिए कर रहा है, इसलिए तेहरान भी जवाबी कार्रवाई में इन देशों पर हमले कर रहा है, जिससे उन देशों में भी लोगों में दहशत का माहौल है।

ईरान का अबू धाबी में मिसाइल से हमला

अबू धाबी के खलीफ़ा इकोनॉमिक ज़ोन पर ईरान का मिसाइल हमला

अबू धाबी में इंटरसेप्ट होने के बावजूद 5 भारतीय घायल

शनिवार को अबू धाबी के खलीफ़ा इकोनॉमिक ज़ोन (केईजेडएडी) के पास ईरान की ओर से एक बैलिस्टिक मिसाइल हमला हुआ। अबू धाबी ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक बैलिस्टिक मिसाइल हमारी तरफ दागी हुई थी, जिसे हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने सफलतापूर्वक रोक लिया। इसके कारण मिसाइल में आग लग गई, मिसाइल के गिरे मलबे की चपेट में आने से पांच भारतीय मामूली रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि जनता को सलाह दी जाती है कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें और अफवाहें या बिना पुष्टि वाली जानकारी फैलाने से बचें।

अबू धाबी में मिसाइल का मलबा

अगला नंबर क्यूबा का: ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि सैन्य अभियान शानदार ढंग से चल रहे हैं और ईरान को होर्मुज खोलना ही होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगला नंबर क्यूबा का होगा। वहीं, फ्लोरिडा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि 'उन्हें स्ट्रेट ऑफ ट्रंप खोलना होगा', मेरा मतलब होर्मुज है। उनका यह बयान तुरंत सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में वायरल हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संबोधन में ईरान को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि ईरान इस समय भारी दबाव में है और समझौता करने के लिए तैयार है। ट्रंप के अनुसार, ईरान ने तेल के कई शिपमेंट भेजे हैं और दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि 'वे समझौते के लिए बेताब हैं', जिससे यह संकेत मिलता है कि कूटनीतिक स्तर पर हल निकालने की कोशिशें तेज हो गई हैं।

पाक पीएम ने की ईरानी राष्ट्रपति से बात

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से फोन पर चर्चा की। शहबाज शरीफ ने ईरान के नागरिक ठिकानों पर हो रहे इजराइली हमलों की कड़ी निंदा करते हुए ईरानी जनता के साथ एकजुटता जताई। उन्होंने हमलों में हुई जनहानि पर दुख व्यक्त किया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। शरीफ ने बताया कि पाकिस्तान तनाव कम करने के लिए अमेरिका और खाड़ी देशों के साथ लगातार राजनयिक प्रयास कर रहा है।

थाईलैंड ने ईरान से किया समझौता

दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश थाईलैंड के पीएम ने कहा कि थाईलैंड ने ईरान के साथ एक समझौता किया है जिसके तहत थाई तेल जहाजों को होर्मुज से सुरक्षित रूप से गुजरने की अनुमति दी जाएगी।

बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र को हमले से नहीं हुआ नुकसान

ईरान पर इजराइल के हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने कहा कि शुक्रवार देर रात बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास हुए हमले से कोई विकिरण रिसाव या रिएक्टर को नुकसान नहीं हुआ। संयंत्र सामान्य रूप से काम कर रहा था और उसे कोई तकनीकी या संरचनात्मक क्षति नहीं हुई थी।

ईरान ने जारी रखे हमले

कुवैत एयरपोर्ट पर ड्रोन से हमला

कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कई ड्रोन हमले किए गए हैं। कुवैत की सरकारी समाचार एजेंसी ने सिविल एविएशन के हवाले से यह जानकारी दी है। हमलों में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है,

ओमान के सलालाह बंदरगाह पर ड्रोन हमला

ओमान के दक्षिणी प्रांत की राजधानी सलालाह के बंदरगाह पर ड्रोन हमला हुआ है, जिसमें एक विदेशी कर्मचारी घायल हो गया। दो ड्रोन ने पोर्ट को निशाना बनाया। इस हमले में एक व्यक्ति को मध्यम चोटें आईं, जबकि बंदरगाह पर मौजूद एक क्रेन को भी मामूली नुकसान पहुंचा है। सुरक्षा एजेंसियों ने घटना के बाद इलाके को घेर लिया और जांच शुरू कर दी है।

सऊदी में 10 अमेरिकी सैनिक घायल

सऊदी अरब में स्थित प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमले में कम से कम 10 अमेरिकी सैनिक घायल हो गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, इनमें से दो सैनिक गंभीर रूप से घायल हैं। हमले में कई अमेरिकी ईंधन भरने वाले विमान भी क्षतिग्रस्त हुए। सैटेलाइट तस्वीरों में विमान को हुए नुकसान के निशान दिखाई दिए हैं। ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से घायल अमेरिकी सैनिकों की कुल संख्या 300 से अधिक हो गई है। शुक्रवार को अमेरिकी सेना ने कहा था कि लगभग 300 घायल कर्मियों में से 273 पहले ही ड्यूटी पर लौट चुके हैं। इस संघर्ष में अब तक 13 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं।

लेकिन एयरपोर्ट के रडार सिस्टम को भारी नुकसान पहुंचा है। ओमान की खाड़ी के पास ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने एक अमेरिकी जहाज पर हमला किया है।

दुबई पर हमला

ईरान ने शनिवार को दावा किया कि उसने दुबई में अमेरिकी सेना के दो छुपने के ठिकानों पर हमला किया है। हजरत खातम अल-अनबिया के केंद्रीय मुख्यालय के एक प्रवक्ता ने दावा किया कि इन छुपने के ठिकानों में 500 से अधिक अमेरिकी सेना के जवान थे, जिनमें से लगभग 400 पहले ठिकाने में और 100 दूसरे ठिकाने में थे। आईआरजीसी ने इन स्थानों की पहचान की और सटीक मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिससे भारी नुकसान हुआ।

इजराइल पर दागी मिसाइल, एक की मौत

इजराइल के मध्य हिस्से पर शुक्रवार देर रात ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यह दिनभर में ईरान का छठा हमला था। मिसाइल में क्लस्टर बम वारहेड था। इससे कई छोटे बम बड़े इलाके में फैल गए। पुलिस के अनुसार, 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत तब हुई जब वह बम शेल्टर में नहीं था। वहीं, एक रिहायशी इमारत पर गिरे सबम्यूनिशन से दो लोग घायल हुए। फायर सर्विस ने छह जगहों पर असर की पुष्टि की। दक्षिणी इजराइल के कुसैफा इलाके में भी मिसाइल के टुकड़ों से दो लोग घायल हुए।

इजराइल दे रहा जवाब

तेहरान की यूनिवर्सिटी पर हमला

ईरान की राजधानी तेहरान में स्थित ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर अमेरिका और इजराइल की संयुक्त कार्रवाई में

लेबनान में इजराइली हमले में 2 की मौत, 21 घायल

दक्षिणी लेबनान के कफर तबनित इलाके में इजराइल के हमले में एक नर्स की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। यह हमला सिविल डिफेंस की एंबुलेंस को निशाना बनाकर किया गया। इस घटना को युद्ध के नियमों के उल्लंघन के तौर पर देखा जा रहा है। एक अन्य घटना में इजराइल ने शनिवार तड़के हमला किया। हालांकि अब तक नुकसान या हताहतों को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

दक्षिणी लेबनान के सराफंद शहर पर हमला किया जो सिडोन जिले में स्थित है। हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और 17 लोग घायल हो गए हैं।

3 फिलिस्तीनी की मौत

पश्चिमी तट में इजराइली सेना के हमले में 3 फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई है। इनमें 15 साल के अदहम दहमान की मौत हो गई। वह हमले में घायल हो गया था।

खबर संक्षेप

रूस का यूक्रेन पर ड्रोन हमला, 5 की मौत

कीव। रूस ने बीती रात यूक्रेन के रिहायशी इलाकों को निशाना बनाते हुए एक साथ 273 ड्रोन दागे। इस हमले में 5 लोगों की मौत हुई है। यह रूस की ओर से किया गया इस साल का सबसे बड़ा हमला था। हमले का सबसे ज्यादा असर ओडेसा में देखने को मिला। रूसी ड्रोन ने एक मैटरनिटी हॉस्पिटल और निजी घरों को निशाना बनाया। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दुख जताते हुए कहा कि इन हमलों का कोई सैन्य उद्देश्य नहीं था। , यह सिर्फ आम नागरिकों के जीवन को तबाह करने की एक कायराना कोशिश थी।

शोपियां में सीआरपीएफ जवान की मृत्यु

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में शनिवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की संदिग्ध रूप से दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के हेड कांस्टेबल ज्ञान चंद शनिवार सुबह शोपियां स्थित जिला पुलिस लाइन्स (डीपीएल) शिविर में बेहोश पाए गए। उन्होंने बताया कि जवान को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

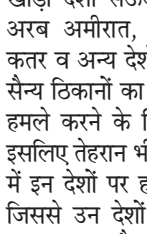

पश्चिम-एशिया में युद्ध के बीच वैश्विक संकट पर हुई चर्चा, मैक्रों तक पहुंचाया पीएम मोदी का संदेश

जी-7 की बैठक से इतर फ्रांस के राष्ट्रपति से हुई जयशंकर की शिष्टाचार मुलाकात

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया में युद्ध के बीच फ्रांस की राजधानी पेरिस में हुई जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर भारत के विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर की फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ शिष्टाचार मुलाकात हुई। जिसमें जयशंकर ने राष्ट्रपति मैक्रों तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दिए गए शुभकामना संदेश को पहुंचाया। वार्ता में दोनों के बीच वैश्विक तनाव पर भी चर्चा की गई। 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से विदेश मंत्री ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बीते शुक्रवार रात फ्रांस के राष्ट्रपति से मेरी मुलाकात

हुई। जो कि मेरे लिए सम्मान की बात थी। मैंने उन्हें प्रधानमंत्री मोदी की ओर से दी गई शुभकामनाएं दीं। इस दौरान हुई चर्चा और उनके अनेक विचारों की सराहना करता हूं'। जयशंकर ने कहा, फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ अंतरराष्ट्रीय मामलों पर चर्चा से जो अंतर्दृष्टि मिली है। वह बेहद मूल्यवान है। जी-7 की बैठक के साथ-साथ भारत के विदेश मंत्री ने अमेरिका, फ्रांस, जापान, दक्षिण-कोरिया कनाडा, सऊदी अरब, ब्राजील जैसे देशों के विदेश मंत्रियों से द्विपक्षीय मुलाकात की।

विवेकानंद केंद्र का किया दौरा: विदेश मंत्री ने पेरिस में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र का भी दौरा किया। जिसे लेकर अपनी एक अन्य 'एक्स' पोस्ट में उन्होंने बताया कि केंद्र में मैंने देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की प्रभावशाली अभिव्यक्तियों को देखा। जयशंकर के मुताबिक, हमें पूरा विश्वास है कि यह नवीनीकृत सुविधा पेरिस में भारत की कला और संस्कृति में रुचि को और अधिक गहरा करने के एक केंद्र में रूप में काम करेगी।

मोदी-मैक्रों के बीच हो चुकी वार्ता

ज्ञात हो कि हालिया दिनों में भारत, फ्रांस के राष्ट्राध्यक्षों के बीच भी पश्चिम-एशिया संकट के मामले को लेकर टेलीफोन पर चर्चा की जा चुकी है। जिसमें दोनों नेताओं ने खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा ढांचों व नागरिक इलाकों पर किए जा रहे हमलों की निंदा की और होर्मुज जलडमरूमध्य से नौवहन स्वतंत्रता और जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के महत्व को रेखांकित किया। दोनों देश संकट की इस घड़ी में बातचीत-कूटनीति के जरिए जल्द शांतिपूर्ण समाधान निकाले जाने के पक्ष में हैं। भारत, फ्रांस के नागरिकों की बड़ी संख्या खाड़ी देशों में निवास करती है। जिसे देखते हुए दोनों ने इनकी सुरक्षा और कल्याण पर भी अपने संवाद में जोर दिया था।

अमेरिकी-यूक्रेनी नागरिकों पर कसा शिकंजा

एनआईए हेडक्वार्टर में होगी सुनवाई पटियाला हाउस कोर्ट ने दी 'इजाजत'

मामला संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहरे प्रभाव हो सकता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्वोत्तर के राज्यों में अमेरिकी-यूक्रेनी नागरिकों के खिलाफ चल रही जांच में बड़ा मोड़ आया है। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की याचिका को मंजूरी दे दी। दरअसल, एनआईए ने इस मामले को एनआईए मुख्यालय में स्थानांतरित करने की मांग की थी।

पटियाला हाउस कोर्ट

7 विदेशी नागरिक गिरफ्तार

इस मामले में कुल 7 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक और पेट्रो हुबरा, तारास स्लीव्याक, इवान सुकमानोव्स्की, मारियन स्टेफनकिव, मक्सिम होंचारुक और विक्टर कामिंस्की सहित छह यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं।

डब्ल्यूटीओ में पीयूष गोयल की दो टूक

उत्पादक क्षमता और रोजगार बढ़ाने के समान रूप से सबको मिलें अवसर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जोर देकर कहा कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में चल रही चर्चाओं में उरुग्वे राउंड से उत्पन्न असंतुलन को दूर करना आवश्यक है। पीयूष गोयल कैमरून के याउंदे में 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी 14) में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों को उत्पादक क्षमता बढ़ाने, रोजगार सृजित करने और वैश्विक व्यापार में सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने का समान अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली सुनिश्चित करे कि नवाचार, विकास और

अवसर सभी डब्ल्यूटीओ सदस्यों के बीच समान रूप से साझा हों। उन्होंने कहा कि भारत रचनात्मक ढंग से जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि डब्ल्यूटीओ वैश्विक व्यापार में केंद्रीय भूमिका निभाता रहे। इस सम्मेलन के इतर उन्होंने यूएस ट्रेड के प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर, कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू और न्यूज़ीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्कले से मुलाकात की।

सिंधु जल संधि के निलंबन बाद सरकार ने उठाए बड़े कदम

जम्मू-कश्मीर में 46% बढ़ेगी हाईड्रो पावर क्षमता, परियोजनाओं में आई तेजी

केंद्र शासित प्रदेश की कुल हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर क्षमता अभी 3540.15 मेगावाट

साल के अंत तक बढ़कर 5164.15 मेगावाट हो जाने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ जम्मू

सिंधु जल संधि के निलंबित होने से जम्मू-कश्मीर में हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट्स का निर्माण तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में, इस केंद्र शासित प्रदेश में मौजूदा साल के आखिर तक हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर की कुल क्षमता में कम से कम 46% की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा विधानसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में बताया गया कि इस साल के अंत तक दो हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स 1000 मेगावाट का पाकलदुल और 624 मेगावाट का किरू चालू हो जाएंगे। इन दोनों प्रोजेक्ट्स पर 78% काम पूरा हो चुका है। 12 मेगावाट के करनाह हाइड्रो-इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट पर भी जून के आखिर तक काम पूरा होने की उम्मीद है।

सिंधु नदी पर बना बांध

18000 मेगावाट तक पहुंच सकती है क्षमता

सरकार के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर की अनुमानित क्षमता लगभग 18000 मेगावाट है, जिसमें से लगभग 15000 मेगावाट की पहचान की जा चुकी है। इसमें से अब तक 3540.15 मेगावाट क्षमता का इस्तेमाल किया जा चुका है। क्षमता के इन अनुमानों में 13 प्रोजेक्ट्स शामिल हैं जिनकी कुल क्षमता 1197.4 मेगावाट है।

18 परियोजनाओं पर काम जारी

6 केंद्रीय क्षेत्र के प्रोजेक्ट्स हैं जिनकी क्षमता 2250 मेगावाट है और 12 निजी क्षेत्र के प्रोजेक्ट्स हैं जिनकी कुल क्षमता 92.75 मेगावाट है। सरकार ने बताया कि सिंधु जल संधि के अब निलंबित होने के कारण, चल रहे प्रोजेक्ट्स का निर्माण कार्य तेज हो गया है।

2035 तक तीन गुना होगी क्षमता

जम्मू-कश्मीर 2035 तक अपनी हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर क्षमता को तीन गुना करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अगले दस सालों के लिए एक रोडमैप तैयार कर लिया गया है और उसे लागू किया जा रहा है। आईपीपी (प्राइवेट) सेक्टर में अतिरिक्त 100–150 मेगावाट की उम्मीद है। 2035 तक लगभग 11,000 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109